हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 24 जनवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :24 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

पवन कल्याण के लिए गुड न्यूज, जन सेना पार्टी को मिली नई पहचान,

एजेंसी

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की जन सेना पार्टी को 'मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल' का दर्जा दिया। पार्टी ने यह घोषणा बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर की। पार्टी के पास अब पार्टी का स्थायी आधिकारिक चुनाव चिन्ह "कांच का गिलास" है, जिसे ईसीआई द्वारा आरक्षित किया गया है। जन सेना पार्टी ने खुलासा किया कि मान्यता के बारे में संचार मंगलवार को एक पत्र के माध्यम से किया गया था।पार्टी ने एक्स पर लिखा कि जन सेना एक मान्यता प्राप्त क्षेत्रीय राजनीतिक दल के रूप में उभरी। चुनाव आयोग ने कांच के चुनाव चिन्ह को जन सेना पार्टी के स्थायी चिन्ह के रूप में मान्यता देने के आदेश जारी किए हैं, जिसने पिछले चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल कर इतिहास रचा था। इसमें कहा गया ।

सुभाष चंद्र बोस जयंती: पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि, कहा-

नेताजी का विजन प्रेरणा देता है, जानें दूसरे नेताओं ने कैसे किया याद

पीएम मोदी ने गुरुवार(23 जनवरी) को सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर दी श्रद्धांजलि। साथ ही अमित शाह और लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष ने भी सुभाष चंद्र बोस को याद किया। जानें कैसे याद किए गए नेताजी।

एजेंसी

नई दिल्ली:प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती पर उन्हें याद किया और श्रद्धांजलि अर्पित की। संसद के सेंट्रल हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम में कई बड़े नेता शामिल हुए।इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मौजूद रहे। इस मौके पर बच्चों को भी खास तौर से सेंट्रल हॉल में आमंत्रित किया गया था। आइए, जानते हैं देश भर के नेताओं ने कैसे किया नेताजी को याद।

बच्चों से मिले पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने सेंट्रल हॉल में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों से बातचीत की और उनके साथ मिलकर ह्यजय हिंदह्ल के नारे लगाए। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा, नेताजी सुभाष चंद्र बोस का योगदान अद्वितीय है। उनका साहस और धैर्य हमें प्रेरित करता है। हम उनके सपनों का भारत बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने नेताजी को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का एक महानायक बताया। सीएम योगी ने कहा, "नेताजी हर भारतीय के लिए सम्मान का प्रतीक हैं। 2021 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जनवरी को ह्यपराक्रम दिवसह्ल के रूप में मनाने का निर्णय लिया। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेताजी द्वारा दिया गया नारा ह्यतुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगाह्ल देश के युवाओं के लिए एक मंत्र बन गया था।

गृह मंत्री शाह और राहुल गांधी ने भी किया नेताजी को याद किया। अमित शाह ने कहा, नेताजी अदम्य साहस, दृढ़ संकल्प और निर्भीकता के प्रतीक थे।राहुल गांधी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने नेताजी की स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका को याद करते हुए कहा कि उनकी दृष्टि और साहस ने भारतीयों को एकजुट किया और देश की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने के लिए प्रेरित किया। आईसीएस की परीक्षा में हासिल किया था चौथा रैंकसुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को कटक में हुआ। वे मेधावी छात्र थे और प्रेसिडेंसी कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद इंग्लैंड गए। वहां उन्होंने आईसीएस की परीक्षा दी और चौथा स्थान प्राप्त किया। 1943 में नेताजी ने सिंगापुर में आजाद हिंद फौज की कमान संभाली। उन्होंने सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा, "चलो दिल्ली। मैं तुम्हें सिर्फ भूख, प्यास और मुश्किलें दे सकता हूं, लेकिन अंत में जीत हमारी होगी।" उनकी यह ललकार आज भी लोगों में जोश भर देती है। नेताजी की मौत का रहस्य अभी तक बरकरार18 अगस्त 1945 को नेताजी मंचूरिया की ओर उड़ान भरते समय एक विमान हादसे का शिकार हो गए। टोक्यो रेडियो ने बताया कि प्लेन क्रैश में नेताजी गंभीर रूप से जल गए थे और इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। हालांकि, उनकी मौत को लेकर आज तक संशय बना हुआ है। कई जांच कमेटियों ने इस घटना की पड़ताल की, लेकिन अंतिम निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सका। शिवसेना ने की बालासाहेब को भारत रत्न देने की मांगशिवसेना के नेता संजय राउत ने बालासाहेब ठाकरे की 99वीं जयंती पर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग की। राउत ने कहा, "शिंदे और देवेंद्र फडणवीस जैसे लोग सिर्फ ट्विटर पर श्रद्धांजलि देकर पाखंड कर रहे हैं। बालासाहेब ठाकरे को 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस पर भारत रत्न से सम्मानित किया जाना चाहिए।

झारखंड की पूजा सिंघल को राहत पर बीजेपी हुई हमलावर, कहा-

एजेंसी

पटना: बीजेपी सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि झारखंड की आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उनके सीए के पास से 16 करोड़ रुपये बरामद हुए थे। पीएमएलए अधिकारियों ने उनके पास से 36 करोड़ रुपये नकद भी बरामद किए थे। पिछले 28 महीने से जेल में हैं। दिसंबर में उन्हें जमानत मिल गई और 21 जनवरी को उनका निलंबन वापस ले लिया गया और उन्हें बहाल कर दिया गया। एक आईएएस अधिकारी जिसके खिलाफ मुकदमा चल रहा है और पीएमएलए कोर्ट ने मामला दर्ज किया है, करोड़ों रुपये बरामद किए गए, जैसे ही उसे बहाल किया गया है जेल से बाहर आ गए। प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस भी झारखंड सरकार का हिस्सा है और उन्हें जवाब देना होगा

हाथों में संविधान लेकर घूमने वाले को देना चाहिए जवाब

कि क्या हो रहा है...मेरा सवाल राहुल गांधी से है जो संविधान हाथ में लेकर घूमते हैं...हम इसकी निंदा करते हैं और मांग करते हैं। बता दें कि धनशोधन मामले में दो साल से अधिक समय से जेल में बंद भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) की अधिकारी पूजा सिंघल को जमानत मिलने के बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया गया है। झारखंड सरकार के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंघल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद 12 मई 2022 को निलंबित कर दिया गया

मोदी और केजरीवाल पर राहुल का वार, बोले- दिल्ली को चाहिए शीला दीक्षित का विकास मॉडल

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि दिल्ली अब पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित का वास्तविक विकास मॉडल चाहती है, न कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का झूठा प्रचार और पीआर मॉडल। गांधी ने फेसबुक पर महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए एक वीडियो असेंबल साझा किया। पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने हिंदी में अपने फेसबुक पोस्ट में कहा कि खराब निर्माण, गंदगी, महंगाई, बेरोजगारी, प्रदूषण और भ्रष्टाचार - दिल्ली की सच्चाई जनता के सामने है।राहुल गांधी ने जोर देते हुए कहा कि दिल्ली अब मोदी और केजरीवाल का झूठा प्रचार और ढफ मॉडल नहीं - शीला दीक्षित जी का वही सच्चा विकास मॉडल मांग रही है। गांधी बुधवार को सदर बाजार विधानसभा क्षेत्र में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित नहीं कर सके क्योंकि वह अस्वस्थ थे और उन्होंने रैली में पढ़े गए एक संदेश के माध्यम से लोगों से चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने की अपील की।

बिहार में विजिलेंस का बड़ा एक्शन: बेतिया के ऊएड के 7 ठिकानों पर छापा, बोरियों में बंद मिले करोड़ों रुपए और गहने

एजेंसी

पटना:बिहार के बेतिया जिले में जिला शिक्षा पदाधिकारी (ऊएड) रजनीकांत प्रवीण के घर पर विजिलेंस विभाग ने गुरुवार (23 जनवरी) को बड़ी कार्रवाई की। बेतिया के बसंत विहार कॉलोनी स्थित उनके आवास पर हुई छापेमारी में भारी मात्रा में नकदी और गहने बरामद हुए। अधिकारियों ने खाद रखने वाली बोरियों में रखे एक करोड़ रुपए कैश और गहनों की गिनती नोट गिनने वाली मशीन की मदद से की। यह कार्रवाई सुबह शुरू हुई और देर शाम तक जारी रही। घर से लेकर ससुराल तक सात ठिकानों पर रेडविजिलेंस टीम ने रजनीकांत प्रवीण के बेतिया स्थित घर के अलावा बगहा, समस्तीपुर, दरभंगा, और मधुबनी में भी उनके सात ठिकानों पर छापेमारी की।

समस्तीपुर में उनके ससुराल और अन्य रिश्तेदारों के ठिकानों की भी जांच हुई। बताया जा रहा है कि प्रवीण की पत्नी और साली भी शिक्षण कार्य से जुड़ी हैं और कई निजी स्कूल चलाती हैं। इन स्कूलों के रजिस्टर और दस्तावेज भी खंगाले जा रहे हैं। 1.87 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित कीविजिलेंस विभाग के मुताबिक, रजनीकांत प्रवीण के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज है। जांच में पाया गया कि 2005 में नौकरी शुरू करने के बाद से अब तक उन्होंने करीब 1.87 करोड़ रुपए की अवैध संपत्ति अर्जित की है। उनके घर से मिले दस्तावेजों से कई अनियमितताएं सामने आई हैं। 20 साल की नौकरी में इतनी संपत्ति का होना संदेह के घेरे में है। टीम में 40 अधिकारी, स्थानीय प्रशासन भी मौजूदइस छापेमारी अभियान में 40 अधिकारियों की टीम तैनात थी। मौके पर पुलिस बल को भी लगाया गया। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी के दौरान स्थानीय प्रशासन को भी सतर्क रखा गया। बेतिया के अलावा समस्तीपुर के बहादुरपुर में उनके ससुराल पर भी दबिश दी गई।

केजरीवाल को दिखाए गए काले झंडे, हवा में फेंके गए डुप्लिकेट नोट, हरि नगर में करने गए थे रैली

एजेंसी

नई दिल्ली: हरि नगर विधानसभा क्षेत्र में आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के चुनाव प्रचार के बाद काले झंडे लहराए गए। रैली के बाद जब वह कार्यक्रम स्थल से बाहर निकले तो डुप्लिकेट नोट हवा में फेंके गए। हरि नगर से अअढ विधायक, राजकुमारी ढिल्लों, जो एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में दिल्ली चुनाव 2025 लड़ रही हैं, हरिनगर निर्वाचन क्षेत्र में अपने प्रचार के दौरान पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल

से टकरा गईं। अरविंद केजरीवाल सुरिंदर सेतिया के लिए प्रचार कर रहे थे, जिन्होंने हरि नगर विधायक राजकुमारी ढिल्लों की जगह ली है, जिन्हें पार्टी ने फिर से सीट से मैदान में उतारा है। प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साथा। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जी दिल्ली आए हैं, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि यूपी में सरकारी स्कूलों की हालत कितनी खराब है, उनकी सरकार 10 साल से ज्यादा समय से है, वह सरकारी स्कूलों को ठीक नहीं कर पाए। अगर उन्हें जरूरत पड़ी तो हम दिल्ली से अपना शिक्षा मंत्री भेजेंगे।केजरीवाल ने कहा कि हम उत्तर प्रदेश को सिखाएंगे कि सरकारी स्कूलों को कैसे ठीक किया जाए।

एनडीए सरकार ने कपूर्री ठाकुर को दिया भारत रत्न, उनकी नीतियों का पालन किया: सम्राट चौधरी

एजेंसी

पटना। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जनसंघ के समय से भाजपा ने पिछड़े-अतिपिछड़े समाज को आरक्षण देने के कपूर्री ठाकुर के फैसले का समर्थन किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जननायक को भारतरत्न प्रदान कर उनका सम्मान किया।कपूर्री ठाकुर की 101 वीं जयंती पर कल उनके गांव में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने से पहले चौधरी ने कहा कि 1978 में कपूर्री ठाकुर की सरकार ने अतिपिछड़ों

को 12 प्रतिशत, पिछड़ों को 8 प्रतिशत आरक्षण दिया था। उस समय सरकार में शामिल जनसंघ (अब भाजपा) के कद्दावर नेता कैलाशपति मिश्र ने कपूर्री जी का समर्थन किया था।उन्होंने कहा कि आरक्षण पर जननायक के काम का श्रेय लूटने की कोशिश करने वाले लालू प्रसाद ने 15 साल के शासन में बिना आरक्षण दिये पंचायत चुनाव कराये थे, जबकि नीतीश कुमार ने पंचायतों में दलितों,पिछड़ों, महिलाओं को आरक्षण दिया। उस समय भी भाजपा सरकार में शामिल थी और स्वर्गीय सुशील कुमार मोदी उपमुख्यमंत्री थे।उपमुख्यमंत्री चौधरी ने कहा कि भाजपा और एनडीए सरकार कपूर्री जी के आदर्शों का पालन करती है,जबकि विपक्ष उनके नाम पर केवल राजनीति करता है।

बीपीएससी 70वीं प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी, ऐसे देख सकते हैं अपनी परिणाम

एजेंसी

पटना: बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया है। जो उम्मीदवार बीपीएससी 70वीं सीसीई 2025 प्रारंभिक परीक्षा में उपस्थित हुए थे, वे अपना परिणाम बीपीएससी की आधिकारिक वेबसाइट । से डाउनलोड कर सकते हैं। नतीजों की घोषणा बीपीएससी ने अपने सोशल हैंडल एक्स पर की है। 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) प्रारंभिक परीक्षा 13 दिसंबर, 2024 को राज्य भर में आयोजित की गई थी। लगभग 5.76 लाख उम्मीदवारों ने परीक्षा के लिए आवेदन किया था, जिनमें से 3,28,990 परीक्षा के लिए उपस्थित हुए थे। आधिकारिक बयान के अनुसार, कुल उम्मीदवारों में से केवल 21,581 उम्मीदवार ही परीक्षा के लिए सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए। उम्मीदवार अब अपना बीपीएससी 70वीं सीसीई प्रीलिम्स 2025 पीडीएफ आधिकारिक वेबसाइटसे डाउनलोड कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपना रोल नंबर-वार बीपीएससी 70वीं सीसीई प्रीलिम्स 2025 डाउनलोड करने के लिए नीचे स्क्रॉल करें।

कांग्रेस ने जारी किया ऑडियो: पवन खेड़ा ने शरद चौहान की बताई आवाज,

बोले- पैसों के लिए आई शराब नीति

एजेंसी

कर्नाटक: दिल्ली विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच कथित शराब घोटाले को लेकर कांग्रेस पार्टी के नेता पवन खेड़ा और कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने एक ऑडियो क्लिप भी जारी की। कांग्रेस पार्टी की तरफ से ये ऑडियो जारी करते हुए दावा किया गया कि ये आवाज नरेला से आम आदमी पार्टी के विधायक शरद चौहान की है। वे बातचीत के दौरान कबूल कर रहे हैं कि किस तरह से शराब घोटाले को अंजाम दिया गया। इस दौरान वे बता रहे हैं कि किस तरह पार्टी पैसे इकट्ठे करने के लिए शराब नीति लाई गई।पवन खेड़ा ने कहा कि शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और शराब की लत के कारण परिवार और समाज सब बर्बाद

हो जाता है लेकिन शराब से पैसे कमाने की लत से इंसान के साथ ही समाज और शहर तक खराब हो जाता है। हम सबने देखा है कि कैसे अअढ शराब के जरिए पूरी दिल्ली को बर्बाद किया। हम आपके सामने एक ऑडियो पेश कर रहे हैं, जिसमें आप विधायक शरद चौहान की आवाज है, जो किसी को बता रहे हैं कि कैसे उनकी पार्टी के शिक्षा मंत्री और शराब मंत्री ने घोटाला किया। नरेला के विधायक शरद चौहान किसी से बात करते हुए बता रहे हैं कि जब ये मनीष के सिसोदिया साथ बैठे थे, तब विजय नायर शराब पॉलिसी लेकर आया और उस पर चर्चा हुई। उन्होंने मनीष सिसोदिया से कहा कि ये मत करो वरना दिक्कत हो जाएगी, तो मनीष ने कहा कि अगर ऐसा नहीं करेंगे, तो चुनाव लड़ने के लिए पैसे कहां से आएंगे। मनीष सिसोदिया ने शरद चौहान को भी सेटलमेंट करने का ऑफर दिया था और उसके लिए प्लान भी बना लिया गया था लेकिन वे बच गए। वहीं इस मामले में दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि इस क्लिस से स्पष्ट है कि आप सरकार ने दिल्ली में कितना सामाजिक पतन किया है। कांग्रेस की शिकायत के बाद मनीष सिसोदिया शराब घोटाले के तहत जेल गए थे और अब वो जमानत पर बाहर हैं। आम आदमी पार्टी की सरकार ने अपने चरित्र को जैसा दिखाने की कोशिश की, वो पूरी तरह से झूठ निकला। इनकी कथनी और करनी में बहुत अंतर है,

मधुबनी, डीएम अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिल आपूर्ति टास्क फोर्स की हुई बैठक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

- डीएम अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में जिल आपूर्ति टास्क फोर्स की हुई बैठक।
- लाभुकों को पूरी पारदर्शिता एवं सहजता के साथ ससमय खाद्यान्न उपलब्ध कराना करें सुनिश्चित–जिलाधिकारी।
- खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के क्रम में जनवरी माह में अबतक रहिका प्रखंड का वितरण प्रतिशत सबसे अधिक वही अंधराठाढ़ी प्रखंड का सबसे कम वितरण प्रतिशत पाया गया।
- शतप्रतिशत लाभुकों का आधार सीडिंग का कार्य जल्द से जल्द पूर्ण करने का दिया निर्देश.
- अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर अनुश्रवण, सतर्कता एवं निगरानी समिति की नियमित रूप से बैठक करने के दिए निर्देश.

मधुबनी, 23 जनवरी 2025 जिलाधिकारी अरविन्द कुमार वर्मा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में जिला आपूर्ति टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी ने समीक्षा के क्रम में एजेंडावार सभी विषयों पर विस्तृत समीक्षा कर उपस्थित अधिकारियों को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिए। खाद्यान्न वितरण की समीक्षा के क्रम में जनवरी माह में अबतक रहिका प्रखंड का वितरण प्रतिशत सबसे अधिक वही अंधराठाढ़ी प्रखंड का सबसे कम वितरण प्रतिशत पाया गया। डीएम ने उपस्थित सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि

खाद्यान्न वितरण प्रक्रिया का गंभीरतापूर्वक पूरी पारदर्शिता के साथ पर्यवेक्षण करते हुए खाद्यान्न वितरण की गति में तेजी लाएं। उन्होंने कहा कि सभी पात्र लाभुकों को पूरी पारदर्शिता एवं सहजता के साथ ससमय खाद्यान्न उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें. उन्होंने राशन दुकानों का नियमित रूप निरीक्षण करने का निर्देश देते हुए कहा कि निरीक्षण की सिर्फ खानापूर्ति से काम नहीं चलेगा, निरीक्षण के सकरात्मक परिणाम भी नजर आने चाहिए. उन्होंने कहा सभी पदाधिकारी हर हाल में निर्धारित की गई संख्या में राशन दुकानों का निरीक्षण करेंगे. जिलाधिकारी ने उपस्थित सभी अनुमंडल पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि वह भी अपने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध ससमय राशन दुकानों का निरीक्षण कर प्रतिवेदन उपलब्ध कराएंगे. उन्होंने निर्देश दिया कि साप्ताहिक जांच के क्रम में पंचायतों में पहुंचकर जन वितरण दुकानों द्वारा राशन वितरण का ग्रामीणों से फीडबैक भी लें. जिलाधिकारी ने बताया कि बुधवारी जांच के दौरान यह पाया गया कि महादलित टोलों में अभी भी कुछ लोगों का राशनकार्ड नहीं बन पाया है, उन्होंने निर्देश दिया कि महादलित टोलों में कैम्प अयोजित कर शत प्रतिशत पात्र लाभुकों का राशन कार्ड बनाना सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने अनुमंडल, प्रखंड एवं पंचायत स्तर पर अनुश्रवण, सतर्कता एवं निगरानी समिति की नियमित रूप से बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रखंड स्तर की कम बैठक को लेकर असंतोष व्यक्त करते हुए अविलम्ब निर्धारित संख्या में ससमय बैठक करवाने का निर्देश दिया। ईकेवाईसी के समीक्षा के क्रम में खजौली का प्रदर्शन अच्छा पाया गया वही फुलपरास का प्रदर्शन निम्न पाया गया।इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने माह दिसंबर 2024 एवं जनवरी 2025 का खाद्यान्न उठाव एवं वितरण, ऑफलाइन राशन कार्ड, राशन कार्ड टाइमलाइन प्रतिवेदन (आरटीपीएस), ऑनलाइन राशन कार्ड, आधार सीडिंग से संबंधित प्रतिवेदन, प्रवासी मजदूर से संबंधित प्रतिवेदन, किए गए निरीक्षण कार्य से संबंधित प्रतिवेदन, आपूर्ति कार्यालय से संबंधित न्यायालयवाद, विभिन्न जनता दरबार से संबंधित प्रतिवेदन, सीपीग्राम/ मानवाधिकार/ लोक सूचना/ लोक शिकायत/ लोकायुक्त से संबंधित प्रतिवेदन एवं सेवांत लाभ से संबधित विषयो पर समीक्षा कर कई आवश्यक दिशानिर्देश भी दिए.डीएम ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को निर्देश दिया कि ओवरऑल प्रदर्शन के आधार पर अच्छे प्रदर्शन वाले प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को प्रोत्साहित करे वही लगातार खराब प्रदर्शन करने वाले के विरुद्ध करवाई भी करे। उक्त बैठक मे अपर समाहर्ता शैलेश कुमार, जिला आपूर्ति पदाधिकारी मनीष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी सदर अश्वनी कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर वीरेंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी बेनीपट्टी श्रीमती मनीषा, अनुमंडल पदाधिकारी झंझारपुर कुमार गौरव, अनुमंडल पदाधिकारी फुलपरास अभिषेक कुमार, एसडीसी शशि कुमार, जिला प्रबंधक राज्य खाद्य निगम पंकज कुमार श्रीवास्तव सहित जिले के सभी प्रखंडों के प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी आदि उपस्थित थे.

महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में मनाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ताजपुर / समस्तीपुर (रोजनामा इन्डो गल्फ संवाददाता) : - - देश के महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की जयंती पराक्रम दिवस के रूप में सुभाष चौक मोतीपुर भेरोखड़ा मे प्रदेश भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण मोहन प्रसाद गुप्ता जी की अध्यक्षता मे मनाई गई।इस कार्यक्रम मे संचालन मंडल अध्यक्ष सुशील चौबे एवं मंडल अध्यक्ष विवेक साहू एवं धन्यवाद ज्ञापन मंडल अध्यक्ष दिलीप सिंह कुशवाहा ने किया मुख्य रूप से ताजपुर के सभी भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे राजकुमार पंडित, राजीव सूर्यवंशी, मोहन मलिक, सुरेश शाह, अशोक नायक ,वार्ड पार्षद दिनेश लाल साह, सजन कुमार, अमरेश साहू, मुन्ना दास, अमरनाथ शर्मा, राकेश कुमार, राजीव कुमार सत्य, टुनटुन सिंह , सत्येंद्र सिंह , संजीव कुमार साह अनेक सम्मानित एवं सभी गणमान्य लोगों ने उनके चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की।

कांग्रेस मुख्यालय में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती मनी

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 23 जनवरी, 2025 आजाद हिन्द फौज के संस्थापक एवं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की 128 वीं जयन्ती आज प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्यालय सदाकत आश्रम में मनायी गयी। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक प्रमोद कुमार सिंह ने किया।

सर्वप्रथम नेताजी सुभाषचन्द्र बोस के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया गया।

इस अवसर पर प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि नेताजी के त्याग एवं बलिदान आज भी देशवासियों को प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आई.सी.एस. की परीक्षा में उच्च स्थान पाने के बाद भी उन्होंने सरकारी सेवा छोड़ देश की आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।

इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता आनंद माधव ने कहा कि 1938 में नेताजी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष बने। उनकी संगठन क्षमता अद्वितीय थी। सुभाष चन्द्र बोस 1939 में भारी बहुमत से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित हुए। भारत को स्वतंत्र कराने के लिये नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने करीब पैंतीस हजार लोगों से आजाद हिन्द फौज की सेना खड़ी की और देश की आजादी की लड़ाई में महती भूमिका निभाई। नेताजी में अद्भुत राष्ट्रीयता एवं देश समर्पण की भावना थी। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष निर्मल वर्मा, लाल बाबू लाल, आनन्द माधव, डा0 स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, ज्ञान रंजन, डा0 संजय यादव निधि पाण्डेय, सत्येन्द्र कुमार सिंह, डा0 मधुबाला, उदय शंकर पटेल, राज छविराज, संजीव कर्मबीर , सुदय शर्मा, कामरान हुसैन मृणाल अनामय, विमलेश तिवारी, मंजीत आनन्द साहू,,राज किशोर सिंह,विश्वनाथ बैठा, अब्दुल शमसी, राजेन्द्र चैधरी, सुधीर कुमार, रणधीर यादव, अमित सिकन्दर, मो0 अब्दुल बकी सज्जन, वसीम अहमद एवं अन्य कांग्रेस जनों ने नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित किया।

मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना का लाभुकों को दिया स्वीकृति पत्र

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

ग्रामीण क्षेत्रों में दूर-दराज के क्षेत्र से आने-जाने के लिए परिवहन सुविधा की कमी होती है जिससे ग्रामीण लोगो को अनेक दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।ऐसे में गांवो में लोगों को परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने के उद्देश्य से बिहार राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत मशरक प्रखंड कार्यालय परिसर में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना अंतर्गत चार लोगों को स्वीकृति पत्र सौंपा गया। मौके पर बीडीओ पंकज कुमार और कल्याण पदाधिकारी रेशमी प्रकाश ने स्वीकृति पत्र सौंपा।बीडीओ पंकज कुमार ने बताया कि जिन लोगों को वाहन के लिए पैसो की कमी है वो मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना के तहत अनुदान का लाभ लेकर वाहन खरीद सकते हैं। इस योजना के तहत राज्य सरकार द्वारा लाभार्थियों को वाहन खरीदने के लिए 50 प्रतिशत अधिकतम एक लाख तक अनुदान राशि प्रदान की जाएगी।

दिल्ली कांग्रेस का विस चुनाव एंथम को डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने किया लांच

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने दिल्ली विधानसभा चुनाव एंथम सॉन्ग किया रिलीज

पटना. गुरुवार, 23 जनवरी, 2025 दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस पार्टी मजबूती से अपनी दावेदारी पेश कर रही है। इसी सिलसिले में आज दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमिटी के द्वारा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस का एंथम सॉन्ग लांच किया गया जिसमें बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहें और उन्होंने विधानसभा चुनाव के एंथम सॉन्ग को रिलीज किया।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने एंथम सॉन्ग लांच के मौके पर कहा कि यह गीत प्रत्येक दिल्लीवासियों और कांग्रेसजन के दिल के अंदर दबी टीस को बाहर निकालती है।पिछले दस वर्षों में जिस तरीके से आम आदमी पार्टी

और भारतीय जनता पार्टी ने आम लोगों का खून चूसकर जनता के उम्मीदों पर पानी फेरा है इस गीत के माध्यम से उसे प्रदर्शित करने का काम किया गया है। दिल्ली में कांग्रेस है जरूरी एंथम सॉन्ग में दिल्ली में स्वास्थ्य सुविधाओं की बदहालियों और दर्द को बयान किया गया है।इस गीत में ही आप और भाजपा से दिल्ली वालों की जीत छिपी हुई है। इस देश में छल के आधार पर राजनीतिक सत्ता लाने वाली आम आदमी पार्टी की कलई खोलने का काम इस गाने में किया गया है और भाजपा के द्वारा केंद्रीय सत्ता के माध्यम से कैसे दिल्ली को परेशान किया गया उसको भी रेखांकित किया गया है। प्रत्येक विधानसभा में यह गीत हमारे उम्मीदवारों के आत्मविश्वास और जनता के उम्मीदों को आवाज देंगे। बिहार और उत्तर प्रदेश के लोगों से बिहार कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने मजबूती से चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवारों के पक्ष में मतदान की अपील की।

नेताजी के जयंती पर सैनिक सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

पराक्रम दिवस के रूप में नेताजी की जयंती मनाई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

दरौली, सिवान:– नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के 128 वीं जयंती पर पराक्रम दिवस सह सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन प्रखंड क्षेत्र स्थित सरना मठिया स्थित सत्यम पब्लिक स्कूल परिसर में किया गया। जिसमें पूर्व सैनिक को पुष्प गुच्छ व अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा सरस्वती बंदना व आगत अतिथियों के सम्मान में स्वागत गायन किया। विद्यालय के निदेशक राम अवधेश सिंह द्वारा आगत अतिथियों को अंगवस्त्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाध्यापक सूर्य नारायण सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम को मुख्य अतिथि राजदेव सिंह महाविद्यालय सिवान के प्राचार्य प्रो० अभिमन्यु कुमार सिंह द्वारा नेताजी के जीवनी पर विस्तार पूर्वक बताया गया, विशिष्ट अतिथि ई० पी०के०मल्ल भी नेताजी के बारे में विस्तार से छात्र-छात्राओं को बताया गया। वहीं विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा देशभक्ति गीत, नाटक, कविता आदि का मनमोहक प्रस्तुति कर लोगों का मनमोह लिया। कार्यक्रम में दक्ष नर्सिंग कॉलेज के संस्थापक डॉ०जितेश कुमार सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीनिवास यादव एवं पत्रकार अतुल कुमार श्रीवास्तव, शिक्षाविद आलोक कुमार श्रीवास्तव सरपंच संघ अध्यक्ष बिरेन्द्र सिंह, समाजसेवी सरोज सिंह राणा ,समाजसेवी पवन पांडे सहित काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे।इस कार्यक्रम का आरंभ ई० पीके मल्ल द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया ।विशिष्ट अतिथि द्वारा पूर्व सैनिक अली बाबर साहब ,मुमताज खान, हरेंद्र बैठा ,हरेंद्र सिंह ,वशिष्ठ पांडे ,धर्मेंद्र यादव ,किशोर चंद्र यादव ,भूपेंद्र सिंह ,धर्मनाथ बैठा, श्री किशुन यादव ,विजय भगत इत्यादि लोगों को अंग वस्त्र से सम्मानित किया गया तथा जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल व साड़ी वितरण किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा संस्कृतिक कार्यक्रम सह बाल कवि सम्मेलन का आयोजन कर नेताजी सुभाष चन्द्र बोस को श्रद्धांजली अर्पित की गई ।

कार्यक्रम का संचालन सत्यम पब्लिक स्कूल सरना के प्राचार्य सह निदेशक श्री राम अवधेश सिंह द्वारा किया गया ।

जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों की समीक्षा बैठक हुई आयोजित, डीलरों को दिए कई दिशा-निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड कार्यालय में गुरुवार को जन वितरण प्रणाली के दुकानदारों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी चंदन कुमार ने की। बैठक में उन्होंने सभी डीलरों को निर्देश दिया कि राशन कार्डधारकों को समय पर राशन का उठाव और वितरण सुनिश्चित करें।उन्होंने सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी क्षेत्र से राशन में गड़बड़ी या कम राशन देने की शिकायत मिलती है, तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि सभी डीलर राशन वितरण कर कार्डधारकों का ई-केवाईसी कार्य सुनिश्चित करें। इसके साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि 31 मार्च तक सभी छूटे राशन कार्डधारकों का ई-केवाईसी कार्य पूरी तरह से संपन्न होना चाहिए। मौके पर प्रखंड विक्रेता संघ अध्यक्ष प्रशान्त कुमार सिंह, सुबोध रंजन सिंह, बीटू कुमार सिंह, आशुतोष तिवारी, सुरेश सिंह, मोहन ओझा, उमेश सिंह, बीरबल प्रसाद समेत कई अन्य मौजूद रहें।

25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ कार्यक्रम का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- आयुक्त के सचिव ने बताया की मुख्य सचिव बिहार से प्राप्त निर्देश के आलोक में 25 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर आयुक्त महोदय की अध्यक्षता में राष्ट्रीय मतदाता दिवस संबंधी शपथ कार्यक्रम का आयोजन प्रमंडलीय सभा कक्ष में किया जाना है।

25 जनवरी को 11:00 बजे पूर्वाह्न में कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उक्त अवसर पर सभाकक्ष में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि उप निर्वाचन पदाधिकारी दरभंगा द्वारा बताया गया कि 15वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर 25 जनवरी 2025 को पूर्वाह्न 11:30 बजे जिला स्तरीय समारोह का आयोजन समाहरणालय परिसर लहेरियासराय दरभंगा स्थित भारत रत्न बाबा साहेब डॉ.भीमराव अंबेडकर सभागार में किया जाना है। 25 जनवरी को 11:30 बजे पूर्वाह्न में कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी उक्त अवसर पर सभागार में उपस्थित रहेंगे ।

आज जननायक की प्रतिमा पर सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं पुष्पांजली अर्पित किया जायेगा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

(दरभंगा) :- जिलाधिकारी दरभंगा श्री राजीव रौशन के आदेश के आलोक में समाहरणालय दरभंगा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यालय प्रधान को सूचित जाता है कि 24 जनवरी 2025 को 11:30 बजे पूर्वाह्न में जननायक कपूरी ठाकुर जयंती के अवसर पर कपूरी चौक स्थित जननायक की प्रतिमा पर सामूहिक रूप से माल्यार्पण एवं पुष्पांजली अर्पित किया जायेगा । सभी पदाधिकारियों एवं कार्यालय प्रधान अचूक रूप से उक्त तिथि को ससमय निर्धारित स्थान पर उपस्थित होकर समारोह में भाग लेना सुनिश्चित करेंगे।

ताजपुर के एनएच राजधानी चौक पर 24 जनवरी को 10.30 बजे से बनेगा मानव श्रृंखला- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- बड़ी भागीदारी से मानव श्रृंखला को सफल बनाने को लेकर चलाया गया जनसंपर्क अभियान
- थूककांड के आरोपी बीडीओ को सस्पेंड करने से कम स्वीकार नहीं–माले
- डीएम–एसडीओ के अलावे माले ने स्थानीय अधिकारियों को दिया आवेदन

ताजपुर/समस्तीपुर : - 23 जनवरी 2025 भारत रत्न जननायक कपूरी ठाकुर जीवन भर गरीबों की मान-सम्मान को लेकर लड़ते रहे। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने दलितों-गरीबों की इज्जत-आबरू की रक्षा के लिए कई कदम उठाए जो गरीबों के सम्मानपूर्ण जीवन जीने में मिल का पत्थर साबित हुआ। सम सब के लिए गौरव की बात है कि जननायक कपूरी ठाकुर के कर्मभूमि रहे ताजपुर (1972 तक विधानसभा क्षेत्र था और कपूरी ठाकुर यहीं से चुनाव लड़ते व जीतते थे) से हैं।

लेकिन ताजपुर के बदमिजाज बीडीओ गौरव कुमार ने जेल भेजने का डर दिखाकर बंगरा के चितरंजन कुशवाहा द्वारा फेंका गया थूक को झारू से साफ करवाया, पानी से धुलवाया फिर सार्वजनिक रूप से माफी मंगवाया फिर पुलिस के हवाले कर दिया।इस घटना से कपूरी ठाकुर की धरती ताजपुर अपमानित, शर्मशार और कलंकित हुआ है। सारी घटनाएं सीसीटीवी में दर्ज है।घटना को लेकर ताजपुर वासियों में आक्रोश है। पीड़ित नाबालिग ने जिलाधिकारी को आवेदन भी दिया है। लोग बीडीओ को सस्पेंड करने की मांग को लेकर धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन घटना के सप्ताह भर हो गया न्याय मिलने की बात तो दूर है, किसी अधिकारियों ने मुंह तक नहीं खोला।

इसके खिलाफ न्याय की मांग पर ताजपुर वासी 24 जनवरी को 10.30 बजे से एनएच राजधानी चौक पर मानव श्रृंखला बनाएगी। इसमें भाकपा माले समेत कई संगठनों के लोग भाग लेंगे। माले नेता सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने ताजपुर वासियों से उक्त कार्यक्रम में भाग लेकर सफल बनाने की अपील ताजपुर वासियों से की है।

दूसरी ओर भाकपा माले की एक टीम प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह के अलावे प्रभात रंजन गुप्ता, ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, मो० एजाज, आसिफ होदा, राजदेव प्रसाद सिंह, मो० जुबैर, मो० कयूम आदि ने स्थानी अधिकारियों को उक्त कार्यक्रम एवं मांग से संबंधित आवेदन भी सौंपा। कार्यक्रम की सफलता को लेकर भाकपा माले नेताओं द्वारा क्षेत्र में सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है।

डीएम ने बाजार समिति एवं मेहसौल में बन रहे आर ओ बी का किया निरीक्षण

मो. सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पांडेय ने बाजार समिति सीतामढ़ी का निरीक्षण किया। नवनिर्मित प्रशासनिक भवन एवं बाजार समिति का भी निरीक्षण किया गया। डीएम ने बाजार समिति स्थित कैंटीन एवं अन्य संरचनाओं का सूक्ष्मता पूर्वक निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश अनुमंडल अधिकारी सीतामढ़ी को दिया।अनुमंडल पदाधिकारी संजीव कुमार के द्वारा जिलाधिकारी को बाजार समिति से संबंधित विभिन्न कार्यों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। जिलाधिकारी द्वारा बाजार समिति के निरीक्षण के क्रम में संतोष प्रकट किया गया। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देशित किया कि आगामी चार फरवरी को माननीय मंत्री के आगमन से पूर्व सभी महत्वपूर्ण कार्यों को स– समय निष्पादित करना सुनिश्चित किया जाए। मौके पर जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह,अंचल अधिकारी डॉली झा तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। निमार्णाधीन आर ओ बी का निरीक्षण किया गया।जिलाधिकारी सीतामढ़ी रिची पांडेय ने आज शहर के मेहसौल स्थित आरओबी एवं उसके अप्रोच पथ के निर्माण कार्य के प्रगति का जायजा लिया।एप्रोच पथ निर्माण कार्य के निरीक्षण के क्रम में कार्य में विलंब को लेकर जिलाधिकारी द्वारा कड़ी नाराजगी प्रकट की गई एवं बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि एप्रोच पथ के निर्माण में हो रहा विलंब अत्यंत ही खेदजनक है।उन्होंने स्पष्ट कहा कि जल्द ही कार्य को पूरा पूर्ण करें।उन्होंने कहा कि कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं तय मानकों के अनुरूप हो। किसी भी तरह की गई कोताही पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। निर्देश दिया कि गाडर कास्टिंग लॉन्चिंग का कार्य शीघ्र पूरा किया जाए। ढदउ रोड वर्क में तेजी लाई जाए।इलेक्ट्रिक पोल शिफ्टिंग तथा पाईलिंग के कार्य में तेजी लाई जाए।उन्होंने पुल निर्माण निगम के वरीय पदाधिकारी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि आर ओ बी से संबंधित कार्य पूर्णता की अवधि को लेकर लिखित में जवाब दें कि कार्य कब तक पूर्ण हो पाएगा।वही पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि जल्द ही कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संबंधित एजेंसी को पत्र के माध्यम से चेतावनी भी दी गई है। साथ ही ढदउ सड़क बन रहा है तथा गाडर कास्टिंग का कार्य चल रहा है।उन्होंने बताया कि ओवर ब्रिज के दोनों तरफ 5.5 मीटर चौड़ी ढदउ सड़क का प्रावधान है जो आर ओ बी की लंबाई के समानांतर में दोनों तरफ होगी।उन्होंने जानकारी दी कि जल्द ही निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।मौके पर जिला भू अर्जन पदाधिकारी विकास कुमार ,सदर एसडीओ संजीव कुमार, जिला जन संपर्क पदाधिकारी कमल सिंह, सीनियर प्रोजेक्ट इंजीनियर रूबी रानी ,मुजफ्फरपुर डिविजन,कनीय अभियंता पंकज कुमार,सीओ सदर डॉली झा,एजेंसी पीआरएल के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

उप राष्ट्रपति जगदीप धनकड़ समस्तीपुर आएंगे आज, प्रशासनिक तैयारी मुकम्मल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर की 101 वीं जयंती की सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर ली गई हैं। जयंती समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अलावा केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान, केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भगवत चौधरी, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह के अलावा बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, डिप्टी सीएम विजय सिन्हा और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी शामिल होंगे। जननायक कपूर्री ठाकुर के बेटे केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के साथ ही सभी अतिथि करीब 1 घंटे तक यहां रहेंगे। इस दौरान माल्यार्पण के साथ ही कपूर्री परिचर्चा का भी आयोजन होगा। इधर कमिश्नर ने लिया कार्यक्रम का जायजा। इस बीच दरभंगा कमिश्नरी के आयुक्त डॉक्टर मनीष कुमार, डीआईजी के अलावा डीएम रोशन कुशवाहा, एसपी अशोक मिश्रा समेत वरीय अधिकारियों ने तैयारी का जायजा लिया और आवश्यक निर्देश भी जारी किया, कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति के आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के कार्य प्रबंध किए गये हैं। एक दिन पूर्व से ही कपूर्रीग्राम और आसपास के इलाके में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस वालों की तैनाती कर दी गई है। उपराष्ट्रपति समेत अन्य अतिथियों के लिए चरण कपूर्री फुलेश्वरी महाविद्यालय के बगल में चार हेलीपैड बनाए गये हैं। जहां उपराष्ट्रपति के अलावा राज्यपाल, मुख्यमंत्री के लिए अलग से हेलीपैड का निर्माण कराया गया है। डीएम रोशन कुशवाहा ने बताया कि कार्यक्रम की सभी प्रशासनिक तैयारी पूरी कर दी गई हैं। इस कार्यक्रम में देश के उपराष्ट्रपति समेत कई शख्सियत शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा के तमाम प्रबंध किए गये हैं। सभी के लिए एक प्रोटोकॉल तैयार किया गया है।

राजू साह के द्वादशा अवसर पर दी गई श्रद्धांजलि

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। शहर के गुदरी बाजार निवासी व समाजसेवी राजू साह के द्वादशा के अवसर पर एक उनके तैल्य चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। स्थानीय विधायक सह बिहार विधान सभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि राजू जी बेहद विन्रम तथा मिलनसार थे। वे सदैव गरीब, असहाय एवं जरूरतमंदों को मदद किया करते थे। उन्होंने कहा कि एक लोकप्रिय समाजसेवी के रूप में राजू जी सदैव याद आते रहेंगे। मौके पर जिला राजद प्रवक्ता राकेश कुमार ठाकुर, महेश राय, अर्चना देवी, प्रदीप साह शिवे, कमल किशोर, मनोज जायसवाल, राकेश राज, डॉ अमित कुमार मुन्ना, जिला राजद महासचिव मो परवेज आलम, रवि आनंद, संदीप सरकार आदि मौजूद थे।

लोजपा-(रा) के प्रदेश मुख्यालय में भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर के जयंती के पूर्व संध्या पर आज संकल्प सभा का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोजपा-(रा) के प्रदेश मुख्यालय में भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर के जयंती के पूर्व संध्या पर आज संकल्प सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मनोज कुमार ने किया, संचालन राष्ट्रीय पदाधिकारी ललन साह ने किया। सभा को संबोधित करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव डॉ. सत्यानंद शर्मा ने कहा कि आज हम लोग भारत रत्न जननायक कपूर्री ठाकुर जी का जयंती समारोह संकल्प दिवस के रूप में मना रहें है कौन सा संकल्प आज हम लोग ले रहें है। क्या कपूर्री जी जिस मजलूमों, गरीबों, बेजुबानों पर हो रहें जुल्म के खिलाफ निरंतर संघर्ष करते रहें। आज जिस संघर्ष को हम लोगों के नेता चिराग पासवान चला रहें है। उस संघर्ष को अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ चलायेगा। यदि हम इस संघर्ष को चलाने का संकल्प लेते है तो कपूर्री जी के उस नारा को अंगीकार करना होगा, जिसमें उन्हों ने कहा था कि कबीरा खड़ा बाजार में लिए लुकाठी हाथ जो घर जारे अपना चले हमारे साथ यानी सबकुछ छोड़कर गरीबों, मजलूमों और बेजुबानों के लिए संघर्ष की शुरूआत करें। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमला कुमारी,युवा लोजपा के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार पासवान, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गणेश गुप्ता, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष शंकर शर्मा, पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष विष्णु पासवान, रामभरोस शर्मा, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो. विधानचंद्र भारती, उत्सव सेठ, मुजफ्फर हसन, अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव हसनैन खान, युवा के प्रदेश सचिव अमर पासवान, कैप्टन सिकंदर शर्मा, पार्टी के प्रदेश महासचिव सुनील यादव, गुड़िया शर्मा, दिलीप यादव, सुदीप्त कुमार, नन्द किशोर यादव, शोभा पासवान, रामप्रवेश यादव, सलीम शाही, ललन प्रसाद ताती, मंटू यादव ने संबोधित किया। उक्त आशय की जानकारी पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन पासवान ने दिया।

समाहरणालय परिसर में मनाया गया नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिलाधिकारी रोशन कुशवाहा द्वारा गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर समाहरणालय परिसर में उनके तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। मौके पर अपर समाहर्ता अजय कुमार तिवारी, विशेष कार्य पदाधिकारी महमूद आलम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रजनीश कुमार राय, सहायक सामाजिक सुरक्षा आकाश एवं अन्य उपस्थित पदाधिकारी तथा कर्मियों ने भी नेताजी के तैल चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया।

उत्पाद थाना में नाच गाना और शराब पार्टी पर पुलिस का छापा, इंस्पेक्टर, दारोगा और सिपाही गिरफ्तार

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीएम नीतीश कुमार के आदेश पर लागू पूर्ण शराबबंदी कानून को सफल बनाने की सबसे बड़ी जिम्मेवारी मद्य निषेध एवं उत्पाद विभाग और बिहार पुलिस की है, लेकिन सारण जिले के मशरक थाने में पुलिसकर्मी ही शराब पार्टी करते पाये गये। उत्पाद थाना में शराब पार्टी और नाच गानें करते हुए पुलिस पदाधिकारी और कर्मियों पर छापेमारी कर तीन को गिरफ्तार कर लेने का मामला सामने आया। कारवाई सारण एसपी डॉ कुमार आशीष के द्वारा दिए निर्देश पर मशरक डीएसपी अमरनाथ के नेतृत्व में की गयी। जिसमें सीओ सुमंत कुमार,इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह और थानाध्यक्ष अजय कुमार, अपर थानाध्यक्ष अशोक कुमार के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहें। बताया जाता है कि गिरफ्तार सभी पुलिसकर्मी पकड़ी गयी शराब के साथ उत्पाद विभाग के थाने में ही शराब पार्टी कर रहे थे। गिरफ्तार में उत्पाद इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुनिल कुमार,दारोगा कुंदन कुमार और सिपाही संतोष कुमार हैं। आपको बता दें कि उत्पाद थाना में पदाधिकारियों और पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में महिला डांसर बुलाकर नाच गाना और शराब पार्टी का आयोजन किया जा रहा था उसी दौरान पुलिस पदाधिकारी और जवान शराब पीकर डांस कर रहे थे। किसी अज्ञात शख्स के द्वारा एसपी को सूचना दी गई। इस मामले की सूचना जैसे ही सारण के एसपी डॉ कुमार आशीष को मिली कि डीएसपी मशरक अमरनाथ के नेतृत्व में विशेष टीम ने थाने में छापेमारी की , वहीं छापेमारी के लिए पहुंची पुलिस बल को देख दारुबाज पुलिस जवान और पदाधिकारी इधर उधर भागने लगे और कुछ छत से कूद फरार हो गये पर पुलिस ने मौके से तीन उत्पाद पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया?। ब्रेथ एनालाइजर टेस्ट में दारोगा कुंदन कुमार और सिपाही संतोष कुमार के शराब पीने की पुष्टि हो गई इसके बाद सभी तीनों पुलिसकर्मियों को मशरक थाने के हाजत में बंद कर दिया गया है। मौके 5 लीटर अंग्रेजी बरामद की गई।

सड़क सुरक्षा नियमों का सख़्ती से पालन किया जाए

मो.सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: डीएम रिची पांडेय की अध्यक्षता में आज विमर्श कक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की गई। बैठक में एजेंडावार सभी बिंदुओं पर समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। हिट एंड रन मामले के पीड़ित/ व्यक्ति को लाभ देने के लिए सार्थक पहल किया जाए। इस संबंध में विभिन्न माध्यमों के द्वारा जागरूकता अभियान चलाएं ताकि अधिक आवेदन आ सके और लोगों को लाभ मिल सके। बैठक में मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना की समीक्षा की गई। विश्वनाथपुर चौक से लालू यादव चौक तक की सड़क की चौड़ाई कम है। बावजूद इसके भारी वाहनों का आवागमन जारी रहता है।ऐसे में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि दोनों साइड हाइट गेज शीघ्र लगाना सुनिश्चित किया जाए।बैठक में जिले की सड़कों पर बढ़ते यातायात और सड़क हादसों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सड़क संकेतकों की कमी को जल्द पूरा करने और स्कूलों, बाजारों तथा अन्य भीड़भाड़ वाले इलाकों में ट्रैफिक कंट्रोल के लिए विशेष उपाय करने पर जोर दिया।डीएम ने सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित करने और सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। सड़क सुरक्षा को लेकर स्कूली बच्चों, वाहन चालकों और आम जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाने पर भी सहमति बनी।बैठक के अंत में डीएम ने अधिकारियों से कहा कि वे सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों को गंभीरता से लें और समय-समय पर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
बैठक में सिविल सर्जन, जिला परिवहन पर अधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय, सदर एसडीपीओ के साथ सभी तकनीकी विभाग के पदाधिकारी उपस्थित थे।

अयोध्या में स्थापित प्रभु श्रीराम की प्रतिमा स्थापित होने पर मनाया गया दिवाली

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। अयोध्या में स्थापित प्रभु श्री राम जी की प्रतिमा के एक वर्ष पूर्ण होने के पावन अवसर पर नगर परिषद ताजपुर के डिप्टी चेयरमैन प्रतिनिधि अनिकेत कुमार अंशु के द्वारा नीम चौक महावीर मंदिर में श्री राम जी की प्रतिमा का पूजन किया गया, साज सजावट भजन आदि के साथ संध्या में दीप जलाकर दिवाली भी मनाया गया, इस अवसर पर सैकड़ों की संख्या में स्थानीय श्रद्धालु पूजा में शामिल हुए। इस अवसर पर सुंदरकांड पाठ भी आचार्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में संजीत गुप्ता, लालाबाबू साह, विजय पासवान, सुनील राम, संदीप राज, विशाल कुमार, रंजीत गुप्ता आदि लोग ने नंभरपुर सहयोग किया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

सहकारी बैंक में मेगा कृषि ऋण कैंप का आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

नावकोठी (बेगूसराय) 'सहकार से ही समृद्धि संभव है।उक्त बातें सहकारी बैंक के शाखा मंझौल में मेगा कृषि ऋण कैंप के उद्घाटन के अवसर पर नावकोठी प्रखण्ड सहकारिता प्रसार पदाधिकारी अनिल कुमार चौधरी ने कहा।मैगा कैंप में महेशवाड़ा पैक्स से 8 लाख,पहसारा पश्चिम पैक्स से 12लाख 98 हजार,डफरपुर पैक्स से 9 लाख रुपये मात्र किसानों ने केसीसी नवीकरण करवाया। शाखा प्रबंधक संतोष कुमार,सह सहायक हेमंत कुमार,खजांची संजय कुमार ने सभी अध्यक्षों एवं किसानों को धन्यवाद दिया।कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद जी के तैल चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण कर विधिवत शुरूआत की गई।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पैक्स अध्यक्ष रणवीर कुमार ने कहा कि सहकारी बैंक लोकतंत्र का रक्षक है एवं शोषित व वंचित किसानों को लाभ देने का रास्ता है।कार्यक्रम में सहकारिता प्रसार पदाधिकारी मनीष कुमार,महेशवाड़ा पैक्स अध्यक्ष संजीव कुमार, डफरपुर पैक्स अध्यक्ष राम सिह,कृषक रिंकू देवी,साधु शरण सिंह, रमाकांत पासवान,पुनम देवी,दीपक कुमार, अंकित मिश्रा आदि सैकड़ों कृषक मौजूद थे।

अभिषेक कुमार गुप्ता ने थामा जदयू का दामन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर निगम के वार्ड संख्या 25 से पार्षद आर्य समाज रोड के निवासी अभिषेक कुमार गुप्ता ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यों से प्रभावित होकर एवं उनमें आस्था प्रकट करते हुए जदयू का सदस्यता पुर्व जिला अध्यक्ष सह पुर्व सांसद अश्वमेघ देवी के हाथों ग्रहण किया। जिला अध्यक्ष सह जिला बीस सुत्री उपाध्यक्ष डॉ दुर्गेश राय ने माला एवं पार्टी का पट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया एवं साथ ही पुर्व विधायक सह राष्ट्रीय सचिव विद्यासागर सिंह निषाद ने समस्तीपुर नगर निगम वार्ड संख्या 38 के लगुनियाँ सुर्यकंठ के निवासी धर्मेन्द्र पासवान को सदस्यता दिलाया ओर माला व पार्टी का पट्टा पहनाकर स्वागत किया।इस अवसर पर बधाई देने वालों में जिला महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी सुबोध कुमार सिंह, जिला महासचिव सह मीडिया प्रभारी अनस रिजवान, रामबहादुर सिंह, विजय यादव,धर्मदेव सिंह कुशवाहा, दयानंद ठाकुर, प्रमोद मिलिंद, मनीष कुमार, अरुण पासवान, कोशल, कुशवाहा, रामश्रय प्रसाद सिंह,राजीव सिंह, किशोरी प्रसाद सिंह, ठाकुर राजीव सिंह, ललन महतो, अमित कुमार गुल्लू, अरुण शेखर कुंवर, शवेर्दु कुमार, अशोक पटेल, राजकुमार सिंह, अखिलेश सिंह, कृष्णदेव राय, सुनिल कुशवाहा, जगरनाथ कुंवर, अशरफी सहनी, वृंद साह,छात्र जदयू जिलाध्यक्ष रजा अहमद, डॉ कृष्ण कुमार, राजगीर राम, राजीव मिश्रा, बिरिया देवी, प्रकाश सिंह, अताउर रहमान, डॉ अमित कुमार मुन्ना, कृष्णदेव पासवान, सुरज सहनी, सत्यनारायण राय, रविन्द्र ठाकुर, रामविलास राम, तोहिद अंसारी, अनिल सिंह बाबा, विदेश्वर राय, धर्मेंद्र साह, मनोज सिंह ,राणा विष्णु सिंह, राजकुमार साह, सुजित कुमार, विरेन्द्र कुमार हिटलर, प्रेम पासवान, जमील अख्तर, रामदेव महतो, शंभू ठाकुर, वशिष्ठ राउत, विश्वनाथ सिंह राकेश, राधा देवी,आशा कुमारी,नीरज कुमार, रंजीत कुमार फोजी, सज्जन राय, रंजीत महतो, विद्याकर झा, नरेंद्र भगत, छेदीलाल भरतीया, परमानंद मिश्र, मुकेश राय, शुभकांत ठाकुर, गोल्डी कुशवाहा आदि ने बधाई दिया है।

विद्यालय के चारदीवारी को लेकर डीएम एवं बीईओ को दिया आवेदन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र में स्थित विद्यालय जिसके एक तरफ बागमती की धारा, दूसरी ओर सड़क के किनारे प्राथमिक विद्यालय राजपा स्थापित है।आजादी के 77 साल बीत गये, विद्यालय का भवन तो बना लेकिन बाउंड्री वाल नहीं बनी। छात्र - छात्राओं के पीने के लिए समरसेबल गाड़े गये गुणवत्ताहीन टंकी लगाई गई बाहरी तत्व आकर टंकी में सीमेंट बालू गिट्टी डाल देते हैं। नाइट गार्ड प्राथमिक विद्यालय में नहीं होती है।शिक्षक प्रधानाध्यापक दिन में आते हैं अपने रूटीन के अनुसार छात्रों को पठन - पाठन कराकर घर चले जाते हैं। विद्यालय में नामांकित 99 छात्र छात्र हैं शिक्षकों में प्रधानाध्यापक सहित 6 कार्यरत हैं। प्रधानाध्यापक जीवनेश्वर राय, शिक्षक प्रभात कुमार शर्मा, विकास कुमार, कनक लता कुमारी, सपना कुमारी 5 वर्ग के 6 शिक्षक। इसको लेकर कई बार ग्रामीणों ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए विद्यालय में बाउंड्री वॉल अविलंब बनवाने की मांग की। महीनो बीत गये अब तक चहारदीवारी बनाने के लिए कोई काम नहीं हुआ। जेपी सेनानी पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिव्यांग राधेश्याम ठाकुर, पूजित कुमार ठाकुर, संजय ठाकुर पूर्व सरपंच आदि ने जिला शिक्षा पदाधिकारी सहित जिला पदाधिकारी का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अविलंब विद्यालय में चार दिवारी बनवाने की मांग जताते हुए कहा है कि बागमती का जलस्तर जब बढ़ जाता है तो विद्यालय के पीछे कॉर्नर से छोटे - छोटे छात्रों मैं बड़े हादसा होने की संभावना रहती है।

उर्दू भाषा और साहित्य संरक्षण आंदोलन का कारवां वैशाली पहुंचा

अब्दुस सलाम अंसारी और मोहम्मद रफी का वैशाली में जोरदार स्वागत

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

हाजीपुर/महुआ (वैशाली) उर्दू एक्शन कमेटी बिहार के अध्यक्ष,कौमी तंजीम उर्दू दैनिक के प्रधान संपादक एवं कौमी असातिजह तंजीम बिहार के संरक्षक एसएम अशरफ फरीद एवं अब्दुल सलाम अंसारी सचिव बिहार राज्य मदरसा शिक्षा बोर्ड पटना एवं डॉक्टर विजय कुमार जयसवाल के संरक्षण में उर्दू भाषा एवं साहित्य संरक्षण आंदोलन का कारवां अब्दुल सलाम अंसारी एवं मोहम्मद रफी के मार्गदर्शन में वैशाली पहुंचा तो उर्दू प्रेमियों ने उनका जोरदार स्वागत किया। तहरीक ए तहफुज उर्दू भाषा और साहित्य की एक बैठक नूर अल-कमर लाइब्रेरी, महुआ में आयोजित की गई।जिसमें आंदोलन की ताकत और इसकी सफलता पर चर्चा की गई।इस दौरान जनाब अब्दुल सलाम अंसारी ने कहा कि वह उर्दू के विद्वान नहीं हैं लेकिन उन्हें उर्दू भाषा की सेवा का जुनून है और इस आंदोलन के माध्यम से वह लोगों को जागृत करने आये हैं कि अरबी,फारसी और उर्दू में आजीविका के बेहतर साधन हैं।इसलिए इस भाषा को लेकर काम करना आवश्यक है। श्री अंसारी ने कहा कि मैं विज्ञान का छात्र रहा हूं लेकिन हमने स्कूल में रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, वनस्पति विज्ञान आदि की पढ़ाई उर्दू भाषा में की और फारसी भाषा लेकर बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा उत्तीर्ण की और शिक्षा विभाग में अधिकारी बने।मैं अपनी पहली पोस्टिंग के बाद से ही उर्दू भाषा के शिक्षकों के पुनर्वास के लिए चिंतित हूं। लगभग 3200 में 999 उर्दू शिक्षकों का पुनर्वास किया गया।मुजफ्फरपुर में मैंने स्कूलों से उर्दू बच्चों की जगह मुस्लिम बच्चों की संख्या के आधार पर कुल 1600 शिक्षक पद स्वीकृत किये।जिससे एक बड़ा पुनर्वास संभव हुआ और बड़ी संख्या में अन्य जिलों के लोग भी इसमें शामिल हो गये।उन्होंने यह भी बताया कि मुजफ्फरपुर जिले में रहते हुए उन्होंने शहरी सर्कल के स्कूल मुस्लिम शिक्षकों से भरे हुए थे और लगभग सभी प्रमुख हाई स्कूल और मिडिल स्कूल मुस्लिम प्रधानाध्यापकों से भरे हुए थे। उपनिदेशक माध्यमिक शिक्षा बिहार ने फारसी के लिए लगभग 600, अरबी के लिए 500 और अरबी एवं फारसी भाषा के शिक्षकों की बहाली की थी।कौमी असातिजह तंजीम बिहार और उसके पदाधिकारी खासकर मोहम्मद रफी काफी सक्रिय हैं।जिस उत्साह के साथ मोहम्मद रफी ने आंदोलन का कारवां चलाया है, उसका समर्थन करना जरूरी है क्योंकि मोहम्मद रफी बिल्कुल जमीनी स्तर पर काम करने वाले उर्दू के सेवक हैं।श्री अंसारी ने कहा कि सभी बहाल उर्दू स्कूलों में केवल उर्दू का ही उपयोग किया जाना चाहिए शिक्षक चाहे वे विज्ञान के हों या समाजशास्त्र और गणित के,उर्दू भाषा के जानकार हैं।वहीं कौमी असातिजह तंजीम बिहार व तहफ्फुज ए उर्दू भाषा और साहित्य के राज्य संयोजक श्री मोहम्मद रफी ने कहा कि यह समझने कि जरूरत है कि कौमी असातिजह तंजीम और तहफ्फुज ए भाषा और साहित्य की आवश्यकता क्यों हुई।उन्होंने आंदोलन के उद्देश्यों को स्वतः समझाया।शिक्षकों और उनकी शैक्षिक सेवाओं के साथ-साथ मुस्लिम बच्चों को उर्दू भाषा सीखने में आने वाली सभी समस्याओं का समाधान, उर्दू,अरबी और फारसी भाषा का प्रचार और प्रकाशन कौमी असातिजह तंजीम बिहार का मुख्य उद्देश्य है।कौमी असातिजह तंजीम बिहार द्वारा 10 जनवरी को उर्दू दिवस और गुलाम सरवर के जन्मदिन के मौके पर उर्दू भाषा और साहित्य की रक्षा के लिए शुरू किए गए आंदोलन के दो मुख्य उद्देश्य हैं।पहला हम सरकार से अपनी जायज मांग कर रहे हैं और दूसरी बात, हम लोगों को जागृत कर रहे हैं कि वे अपने अधिकारों को जानें और उन्हें अच्छे तरीके से प्राप्त करने का प्रयास करें।श्री रफी ने यह भी कहा कि उर्दू भाषा के आंदोलन तो चलते रहे हैं लेकिन उर्दू भाषा और साहित्य की रक्षा के आंदोलन में भाषा के साथ साहित्य का भी जिक्र है। एक ओर उर्दू भाषा हमारी आजीविका और धर्म के अस्तित्व के लिए भी आवश्यक है।इसलिए अधिकांश पुस्तकें उर्दू भाषा में उपलब्ध हैं और उर्दू भाषा के साथ साहित्य भी शामिल किया गया है, जिसका अर्थ है हमारी बोली, गिरवी सहन का अर्थ है हमारा समाज ठीक हो जाए ताकि हमारे लोग एक अद्भुत जीवन जी सकें। रफी ने यह भी कहा कि श्री अशरफ फरीद ने इस आंदोलन को प्रायोजित करने की जिम्मेदारी स्वीकार करके उर्दू आबादी को उर्दू के प्रति अपने प्रेम का संदेश दिया है। अब्दुल सलाम अंसारी के बारे में उन्होंने कहा कि आज बिहार में अरबी और फारसी भाषा का बोलबाला है।शिक्षकों के पुनर्वास की जो परंपरा आज स्थापित हुई है।उसके लिए हमने निश्चित रूप से कड़ी मेहनत की, माहौल बनाया और सरकार से मांग भी की लेकिन अगर अब्दुस सलाम अंसारी सचिवालय में नहीं होते तो शायद यह संभव नहीं हो पाता।अपर सचिव ने स्पष्ट रूप से कहा था कि अरबी और फारसी के लिए कोई सीटें नहीं हैं तब श्री अब्दुस सलाम अंसारी ने कहा कि मैं आपको सीटों का विवरण दूंगा 18 अरबी और 96 + 7 फारसी शिक्षकों की बहाली की गई है इतने सारे मुसलमानों और अरबी-फारसी शिक्षकों के घरों में खुशी आई जो मदरसे के छात्र हैं।आंदोलन का यही मकसद है, मुसलमानों के घरों में खुशहाली लाना।उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे हजारों हिंदी स्कूल हैं जहां हमारे लाखों बच्चे अपनी मातृभाषा यानी उर्दू भाषा में शिक्षा से वंचित हैं।हमारे बच्चे स्कूल में उर्दू और अरबी पढ़ते हैं,लेकिन हिंदी स्कूलों के अधिकारी बताते हैं कि ये बच्चे उर्दू भाषा नहीं जानते।श्री रफी ने कहा कि मेरा अनुरोध है कि आप इन बच्चों को एक उर्दू किताब उपलब्ध कराएं और एक प्रश्न पत्र भी दें।इन्हीं बातों के प्रति लोगों को जागृत करने के लिए उर्दू भाषा और साहित्य की रक्षा के लिए आंदोलन की स्थापना की गई है।श्री रफी ने इस बात पर जोर दिया कि उर्दू भाषा और साहित्य का सफल आंदोलन राष्ट्रीय शिक्षक संगठन बिहार के बैनर तले ही संभव है क्योंकि हम सटीक समस्याओं और उनके समाधान के तरीके को जानते हैं।श्री रफी ने उर्दू आबादी से अपील की कि वे उर्दू भाषा और साहित्य की सुरक्षा के लिए आंदोलन के समर्थन में खड़ा होना अपना कर्तव्य समझें यही समय की मांग है।इससे पहले उर्दू एक्शन कमेटी वैशाली के अध्यक्ष मोहम्मद अजीमुद्दीन अंसारी ने कहा कि वैशाली जिला उर्दू के लिए हमेशा काम करता रहा है और आगे भी करता रहेगा।उर्दू के लिए इन लोगों को कभी नहीं भुलाया जा सकता।मैं अभियान का हिस्सा बनकर वैशाली में हर संभव प्रयास करूंगा।इस मौके पर उर्दू एक्शन कमेटी वैशाली के उप सचिव हाफिज सईद तेगी ने उर्दू भाषा के बारे में बेहतरीन अंदाज में कहा कि उर्दू एक ऐसी मीठी भाषा है जिसे कोई नहीं भूला सकता है।वह नहीं भूलेगा,वह नहीं मिटेगा,वह नहीं मिटेगा,वह नहीं मिटेगा, वह नहीं मिटेगा,वह नहीं मिटेगा।उर्दू आंदोलन का भी जिक्र किया और कहा कि मैं वैशाली में उर्दू भाषा और साहित्य के कारवां को हरसंभव सहयोग दूंगा।वहीं उर्दू एक्शन कमेटी वैशाली के सचिव हाफिज तौकीर सैफी ने कहा कि जनाब अब्दुल सलाम अंसारी साहब और जनाब मोहम्मद रफी साहब ने वैशाली जिले में उर्दू के लिए जो आंदोलन शुरू किया है।

बखरी का सरकारी स्कूल बना प्राइवेट स्कूलों के लिए चुनौती झ उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद की सफलता की कहानी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी, बेगूसरायः बखरी प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत स्थित उर्दू उत्क्रमित मध्य विद्यालय चकहमीद ने शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में एक मिसाल कायम करते हुए प्राइवेट स्कूलों को भी पीछे छोड़ दिया है। गुरुवार को गणतंत्र दिवस (26 जनवरी) की तैयारियों के तहत आयोजित अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी में विद्यालय की शानदार व्यवस्थाओं और उपलब्धियों की चर्चा हुई।विद्यालय की उपलब्धियाँ संगोष्ठी में 200 से अधिक अभिभावकों की उपस्थिति इस बात का प्रमाण थी कि यह विद्यालय ग्रामीणों और अभिभावकों के बीच लोकप्रियता हासिल कर चुका है। विद्यालय के शिक्षण व्यवस्था, सीसीटीवी स्मार्ट क्लास, टीवी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के मंच, साफ-सफाई, स्वच्छ वातावरण और पोषण वाटिका जैसे सुविधाओं की सभी ने सराहना की।ग्रामीणों और अभिभावकों ने बच्चों की बेहतरीन शिक्षा और सुविधाओं के लिए विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक एम. एन. रहमानी और उनके शिक्षकों की टीम को धन्यवाद दिया। विद्यालय में मुख्य रूप से मेन गेट का निर्माण और खेल मैदान का फर्श शामिल है। इन कार्यों को पूरा करने की आवश्यकता पर चर्चा की गई।प्रधानाध्यापक एम. एन. रहमानी ने बताया कि विधायक जी द्वारा मेन गेट बनाने की घोषणा की गई थी, लेकिन यह कार्य अब तक अधूरा है। इसी प्रकार, प्रखंड प्रमुख और उप-प्रमुख ने विद्यालय प्रांगण में पक्कीकरण की घोषणा की थी, जो अभी तक पूरी नहीं हुई है अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए ग्रामीणों ने मांग किया है

इंग्लिश एकेडमी स्कूल ने अपना 5वां वार्षिकोत्सव सह नेता जी सुभाष चंद्र बोस जंयती मनाया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय /बरौनी तेघड़ा प्रखंड क्षेत्र स्थित नॉलेज इंग्लिश एकेडमी स्कूल ने अपना 5वां वार्षिकोत्सव सह नेता जी सुभाष चंद्र बोस जंयती मनाया गया समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर महिला आयोग के पूर्व सदस्या रीना चौधरी व विशिष्ट अतिथि के रूप मे शिक्षाविद डा.सच्चिदानंद पाठक व बरौनी नगर परिषद उप चैयरमैन नेहा मेहता हुए।मौजूद वही सम्मानित अतिथि के रूप मे देवनिति राय ने शिरकत किए । कार्यक्रम की शुरूआत सभी अतिथि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित के साथ कार्यक्रम की शरूआत की. रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्टूडेंट्स ने एक से बढ़कर एक आकर्षक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को बहुत ही यादगार बना दिया. छात्र-छात्रा ने एकल नृत्य और सामूहिक नृत्य करके दर्शकों का मन लुभाया. कई छात्र - छात्राओं ने ड्रामा, नाटक प्रस्तुत करके समाज के लोगों को जागरूक किया. पर्यावरण, पेड़ बिजली बचाओ जैसे संदेश संगीत और नाटक के माध्यम से छात्र - छात्राओं ने मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रीना चौधरी ने कहा बच्चों को अच्छा नागरिक बनाने में माता-पिता के बाद शिक्षण संस्थाओं का अहम योगदान होता है शिक्षकों को बच्चे को संस्कारवान बनाने के लिए गुणवत्ता पूर्वक शिक्षा देनी चाहिए इस मौके पर विद्यालय के शिक्षिका रूबी परवीन फुल, खुशबू , मिट्ठू , हर्षिता ,रूपाली रोमन , अंकिता , आरती , आमिर सहित अभिभावक राजीव सिंह , अविनाश सिंह ,राजेश चौधरी ,राहुल सुरेंद्र रजक ,रणवीर सहित अभिभावक व सैकड़ो की संख्या में बच्चे मौजूद थे

सी. एम. कॉलेज, दरभंगा में आईसीएस-एसआर के द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का हुवा आयोजन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

दरभंगा और इसके आसपास के शैक्षणिक और साहित्यिक हलकों के लिए यह एक अच्छी खबर है कि उर्दू भाषा और साहित्य पर मिथिला संस्कृति के प्रभाव विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार 27 फरवरी 2025 को स्थानीय सीएम कॉलेज, दरभंगा में आयोजित किया जाएगा। यह सेमिनार आईसीएसएस आर दिल्ली द्वारा आयोजित किया जा रहा है और इस में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के भाग लेने की उम्मीद है। यह जानकारी प्रोफेसर मुश्ताक अहमद, प्रिंसिपल सीएम कॉलेज, दरभंगा ने दी है. प्रोफेसर अहमद ने बताया कि सी. एम. कॉलेज, दरभंगा के उर्दू विभाग के अध्यक्ष डॉ. खालिद अंजुम उस्मानी इस सेमिनार के संयोजक हैं और उपरोक्त विषय पर उनके प्रस्तुतीकरण को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार डिवीजन (आईसीएसएसआर), नई दिल्ली द्वारा अनुमोदित किया गया है प्रोफेसर अहमद ने कहा कि उर्दू भाषा न केवल एक भाषा है, बल्कि इस भाषा ने दुनिया की विभिन्न संस्कृतियों और सभ्यताओं को भाषाई दृष्टिकोण से भी प्रभावित किया है और इसके प्रभावों को भी स्वीकार किया है। उर्दू भाषा ने क्षेत्रीयता को भी प्रभावित किया है यहां की संस्कृति और सभ्यता ने इसके प्रभावों को स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि सेमिनार की तैयारी को लेकर उर्दू विभाग सी. एम. कॉलेज, दरभंगा के सभी शिक्षकों के साथ बैठक की गयी, जिसमें इस सेमिनार की तिथि 27 फरवरी 2025 तय की गयी है और प्रतिभागियों से संपर्क स्थापित कर अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। बैठक में डॉ. खालिद अंजुम उस्मानी, डॉ. फैजान हैदर, डॉ. शबनम, डॉ. मसरूर हादी शामिल थे। सीएम कॉलेज, दरभंगा के उर्दू विभाग के अनुरोध को स्वीकार करने और इस महत्वपूर्ण शोध विषय पर सेमिनार आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता स्वीकृत करने के लिए कॉलेज प्रबंधन ने आईसीसीआर के प्रति आभार व्यक्त किया है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती राजद कार्यालय मनाई

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

पटना आज राष्ट्रीय जनता दल के राज्य कार्यालय में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जी की जयन्ती प्रदेश उपाध्यक्ष श्री अशोक कुमार सिंह जी की अध्यक्षता में मनायी गई। इस अवसर पर नेताजी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस ने आई.सी.एस. पास करने के बाद अंग्रेजों की हुकुमत में नौकरी नहीं कर देश सेवा में जुट गए। वे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के असहयोग आन्दोलन में सहभागी हुए। उस समय देश में दो धारा काम कर रहा था। एक नरम दल, दूसरा गरम दल दोनों का एक लक्ष्य स्वतंत्रता दिलाने का था। सुभाष चन्द्र बोस गरम दल के नेता थे। वे देश को आजादी दिलाने के लिए ह्यह्यआजाद हिन्द फौज की स्थापना कर अंग्रेजों से लड़ाई लड़े। नेताजी का नारा था दिल्ली चलोह्यह्यजय हिन्द तथा तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगां। उन्होंने युवा पीढ़ी को उत्प्रेरित और आन्दोलित किया। उनके योगदान का भारत ऋणी है इस अवसर पर नेताजी के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में राष्ट्रीय महासचिव बिनु यादव, प्रदेश राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ,एजाज अहमद ,अरुण कुमार यादव, प्रमोद कुमार सिन्हा , प्रदेश महासचिव डॉक्टर कुमार राहुल सिंह, खुर्शीद आलम सिद्दीकी, प्रमोद कुमार राम,भाई अरुण कुमार,संजय यादव ,नंदू यादव, राजेश पाल,प्रदेश सचिव सरदार रणजीत सिंह, उपेंद्र चंद्रवंशी, रीना चौधरी, गणेश कुमार यादव, विमल राय, मो आसिफ आलम,अरविंद कुमार यादव ,राजेश कुमार सिंह, राम रतन यादव, चंदेश्वर प्रसाद सिंह सहित अन्य गणमान्य नेतागण शामिल थे।

48वीं वाहिनी, एसएसबी, जयनगर ने 270 बोतल नेपाली शराब जब्त की

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

48वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, जयनगर के कार्यक्षेत्र अंतर्गत भारत-नेपाल सीमा चौकी अखराघाट के जिम्मेवारी के इलाके में सशस्त्र सीमा बल के जवानों को एक बड़ी कामयाबी मिली है , सीमा चौकी अखराघाट के जवानों ने भारत-नेपाल सीमा स्तम्भ संख्या 292/02 से लगभग 900 मीटर दूर भारतीय क्षेत्र में नाका लगाया हुआ था । रात्रि 19:30 बजे सशस्त्र सीमा बल के जवानों को मोटरसाईकिल पर एक व्यक्ति कुछ सामान लेकर भारतीय क्षेत्र की और आता दिखाई दिया । जैसे ही उसने एसएसबी के जवानों को देखा तो वो सामान और बाईक को छोड़कर भागने लगा, एसएसबी जवानों द्वारा उसका पीछा किया गया लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर वो भाग गया । उसके बाद सामान खोलकर देखा गया तो उसमें देशी नेपाली शराब की 270 बोतल (300 टच्छ) पायी गयी ।

जब्त की गयी मदिरा एवं मोटरसाईकिल को अग्रिम कार्यवाही हेतु साहारघाट थाने के सुपुर्द कर दिया गया है । भारत नेपाल सीमा पर तस्करी रोकने के लिए सशस्त्र सीमा बल लगातार अभियान चला रही है। आने वाले समय में भी इसी प्रकार के अभियान चलाकर सीमा पर होने वाली अवैध गतिविधियों को रोका जाएगा । गोविंद सिंह भण्डारी, कमांडेंट 48वीं वाहिनी जयनगर ने बताया कि भारत नेपाल सीमा पर होने वाली तस्करी और अन्य अपराधों की रोकथाम के लिये विशेष अभियान के माध्यम से निरन्तर प्रयासरत है और अवैध गतिविधियों को रोका जा रहा है और भारत-नेपाल सीमा पर 48वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल जयनगर के द्वारा सतर्कता बढ़ा दी गई है ताकि इस प्रकार की गतिविधियों पर पूर्णरूप से प्रतिबंधित लगाया जा सके ।

प्रभांशु झा के अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय मधुबनी के सभागार में जिला अध्यक्ष प्रभांशु झा के अध्यक्षता में महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती मनाई गई।कार्यक्रम की शुरूआत में सभी नेताओं ने उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उनके बताए हुए सिद्धांत एवं आदर्शों पर चलने का संकल्प लिए। इस अवसर पर सभी नेताओं ने कहा कि आजाद हिंद फौज के संस्थापक एवं महान स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी की जयंती आज पूरा देश मना रहा है। मौके पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस अमर रहे के नारों से जिला कार्यालय गूंज उठा मौके पर जिला महामंत्री देवेंद्र कुमार यादव जिला मीडिया प्रभारी मनोज कुमार मुन्ना पूर्व झंझारपुर प्रभारी जन्मजेय सिंह निव वर्तमान नगर अध्यक्ष सुबोध कुमार चौधरी नगर अध्यक्ष पिंटू रौनियार आईटी सेल जिला संयोजक राजीव झा सहसंयोजक कन्हैया साह नगर महामंत्री आदित्य झा रवि महतो शिव नाथ दास मनीष करण चंदन कुमार राम पुकार ठाकुर सतीश दास सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

बखरी अनुमंडल में अग्नि सुरक्षा को लेकर मॉक ड्रिल और सतर्कता अभियान

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगुसराय) ' अनुमंडल में गुरुवार को अग्निशामक अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा बचाव कार्य के तहत मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। बखरी ,नावकोठी गढ़पुरा के विभिन्न वार्डों में यह ड्रिल आयोजित की गई, जिसमें आग से बचाव के उपायों पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही बाबा हरिगिर धाम के परिसर में स्थित दुकानों और स्टॉल्स में गैस सिलेंडर के सुरक्षित उपयोग और विद्युत उपकरणों के उचित प्रयोग को लेकर जानकारी दी गई।यह अभियान विशेष रूप से कुंभ मेला में गैस सिलेंडर के कारण हुए अग्निकांड के बाद जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से चलाया गया। अग्निशामक कर्मी संतोष प्रधान, धर्मेंद्र कुमार यादव , अमित कुमार ने बताया कि सभी गैस सिलेंडर उपयोगकर्ताओं, दुकानदारों और संस्थाओं को अपने संस्थानों, दुकानों एवं घरों में पोर्टेबल फायर एक्सटिंग्विशर (ABC CO2) रखना अनिवार्य है,

संगीतमय सीताराम नाम संकीर्तन हेतु निकाला गया भव्य कलश शोभा यात्रा

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो. अबु बकर सिद्दीकी

नावकोठी/बेगूसराय/ प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सदर पंचायत नावकोठी में सीताराम संकीर्तन के अवसर पर गुरुवार को 201 कुमारी कन्याओं ने मंगल कलश शोभायात्रा निकाली।इसका उद्घाटन मुखिया संघ के जिला महासचिव,प्रखंड अध्यक्ष व नावकोठी के मुखिया राष्ट्रपति कुमार विड्डू, पूर्व मुखिया रोहित कुमार उर्फ सोनू एवं जिला परिषद प्रतिनिधि डा राजेंद्र शर्मा ने फीता काटकर किया।नावकोठी वार्ड संख्या तीन में पंचमुखी हनुमान मंदिर स्थित यज्ञ स्थल से कलश शोभा यात्रा सीताराम पुस्तकालय होते हुए,बाजार का भ्रमण करते हुए,सिद्ध पीठ मां काली स्थान पहुंची।मां काली के दरबार से आशीर्वाद प्राप्त कर कुमारी कन्याएं बूढ़ी गंडक नदी से पवित्र जल को कलश में भरकर शोभायात्रा यज्ञ स्थल पर पहुंचकर कलश को रखा गया।वैदिक विधि विधान से मंत्रोच्चार के साथ जल भरा कलश की पूजा अर्चना की गई।इसके उपरांत सीताराम संगीतमय संकीर्तन अष्टयाम यज्ञ प्रारंभ किया गया।इसके साथ- साथ नावकोठी कलाली एवं डफरपुर में भी सीताराम संकीर्तन अष्टयाम किया जा रहा है।इसमें स्थानीय कीर्तन मंडली के अलावे लगभग आधा दर्जन बाहरी मंडली भाग लिया।इस यज्ञ में पुरोहित की भूमिका में मुरारी पाठक हैं जबकि यजमान की भूमिका में बिरजू ठाकुर हैं।पुरोहित मुरारी पाठक ने कहा कि यज्ञ करने से वायु और वातावरण शुद्ध होती है।सीताराम नाम भगवान राम और माता सीता का संयुक्त रूप है। सीताराम नाम का संकीर्तन करने से व्यक्ति सांसारिक मोह को छोड़कर भवसागर पार कर जाता है।जो निरंतर सीताराम का जाप करते हैं उनके लिए कुछ भी दुर्लभ नहीं रह जाता है। इस यज्ञ को सफल बनाने में संतोष महतो,अजय साहनी,रामकुमार महतो, अर्जुन ठाकुर,विकास कुमार ठाकुर,रविंद्र ठाकुर आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीतामढ़ी में 25 जनवरी वर्ग 8 तक स्कूल बंद

सीतामढ़ी । जिले में अत्यधिक ठंड और कम तापमान की स्थिति को देखते हुए डीएम रिची पाण्डेय ने बच्चों के स्वास्थ्य और जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना को लेकर आगामी 25 जनवरी तक कक्षा आठवीं तक के वर्ग संचालन पर प्रतिबंध लगा दिया है। डीएम ने जारी आदेश में कहा है कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत सभी निजी एवं सरकारी स्कूलों में आगामी 25 जनवरी तक पठन-पाठन स्थगित रहेगा। जबकि कक्षा नवमी से लेकर 12वीं तक के वर्ग का संचालन का समय सुबह 9 बजे से 3:30 बजे तक संचालित की जा सकेगी,वही बोर्ड परीक्षा से संबंधित शैक्षणिक गतिविधियों का संचालन इससे मुक्त रहेगा।

तेजस्वी बोले-सीएम महिलाओं को शर्मसार करने वाले बयान देते हैं

बिना पेपर लीक नहीं होता एक भी एग्जाम, रिटायर्ड अधिकारियों की मदद से चल रही सरकार

आरा। बिहार सरकार को 3 से 4 लोगों ही चला रहे हैं। सीएम नीतीश कुमार थक चुके हैं। रिटायर्ड अधिकारियों की मदद से सरकार चल रही है। इस सरकार के पास न कोई विजन है और न ही ब्लू प्रिंट। अब नीतीश कुमार लगातार महिलाओं को शर्मसार करने वाले बयान दे रहे हैं। इससे बिहार का चेहरा देश और दुनिया के सामने झुक जाता है। ये बातें बुधवार को नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने भोजपुर में कही। तेजस्वी यादव इन दिनों कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद यात्रा पर हैं। आरा शहर के निजी होटल में नारी शक्ति संवाद कार्यक्रम में वे शामिल हुए। कार्यक्रम से पहले तेजस्वी यादव ने आरा सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 'राज्य के विकास के लिए ब्लू प्रिंट तैयार किया जा रहा है। विधानसभा चुनाव से पहले जनता के बीच इस ब्लू प्रिंट को जारी करेंगे। हमारी सरकार बनी तो नौकरियों की भरमार होगी। रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएंगे। सूबे में उद्योग स्थापित किए जाएंगे।' बिना पेपर लीक नहीं होती एक भी परीक्षा तेजस्वी ने कहा कि 'हमारी 17 महीने की सरकार थी, तब बिहार में 5 लाख नौकरियां में से साढ़े तीन लाख नौकरियां दी। हमारी सरकार के दौरान कोई पेपर लीक नहीं होता था। एनडीए की जब भी सरकार बनती है, तब बिहार में मैट्रिक, इंटर की परीक्षा के लेकर BPSC एग्जाम तक पेपर लीक होता है। अब एनडीए की डबल इंजन सरकार है, तब जेपी गोलंबर पर छात्रों की लाठी डंडों से पिटाई की जाती है। अब फॉर्म भरने पर जीएसटी लगा दिया गया है। आप समझ सकते हैं कि छात्र-छात्राएं पढ़ते भी है, कंपीटिशन की तैयारी भी करते हैं और धांधली होने पर परीक्षा रद्द कर दी जाती है।' क्यों नहीं बिहार को दिलवा रहे विशेष राज्य का दर्जा? तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में 20 साल से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और 11 साल से केंद्र में एनडीए की सरकार में है। हम लोगों का बहुत पुराना मुद्दा बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिलवाने का है, ताकि राज्य को विशेष पैकेज मिले। यही बात नीतीश कुमार भी कहते आ रहे हैं। नीतीश कुमार तो केंद्र की सरकार में शामिल है तो विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिलवा रहे हैं। मुख्यमंत्री दो अरब 25 करोड़ 78 लाख रुपए खर्च कर प्रगति यात्रा पर निकले हैं, लेकिन वो इस यात्रा के दौरान अपने कार्यकर्ता, नेता या फिर जनता से नहीं मिल रहे हैं। यात्रा के दौरान अधिकारी जो उन्हें दिखाते हैं, नीतीश कुमार देखते हैं। तेजस्वी ने कहा कि हमने पर भी ट्वीट किया था कि प्रगति यात्रा में क्या दुर्गति हुई है, इस दुर्गति में वह अपना प्रगति ढूंढ रहे हैं।' 200 यूनिट बिजली होगी फ्री, 1500 रुपए मिलेगा वृद्धा पेंशन तेजस्वी ने कहा कि 'माई बहन योजना के तहत बिहार के लाभुकों को 2500 रुपए प्रति माह दिया जाएगा। प्रत्येक उपभोक्ता को 200 यूनिट तक बिजली मुफ्त देंगे। सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत 400 रुपए की जगह प्रतिमाह 1500 रुपए का भुगतान करेंगे।' उन्होंने कहा कि बिहार में हम लोगों ने जातीय गणना करवाया था। जातीय गणना की रिपोर्ट में 94 लाख ऐसे परिवार है, जिनकी आय 6 हजार रुपए से कम है। इन्हीं सब फीडबैक के आधार पर तय किया था कि हमारी सरकार जब बनेगी तब माई-बहन मान योजना के तहत हर महीने महिलाओं के खाते में 2500 रुपए देंगे।'

संक्षिप्त डायरी

भभुआ के पूर्व विधायक डॉ प्रमोद सिंह का निधन

कैमूर। के भभुआ से तीन बार विधायक रहे डॉक्टर प्रमोद सिंह की मौत मंगलवार की रात सांस की तकलीफ के कारण हो गई। उन्हें सांस लेने में परेशानी होने के साथ ही ठंड लगने की बात भी सामने आई है। वहीं अस्पताल ले जाने के दौरान उनकी मौत हो गई। मालूम हो कि जदयू पार्टी से वह 3 बार विधायक बने थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने परिजनों से बात कर शोक संवेदना व्यक्त की है। श्रम संसाधन मंत्री संतोष सिंह ने मौके पर पहुंचकर श्रद्धांजलि भी दी है। उन्होंने कहा कि डॉ प्रमोद सिंह पार्टी से ऊपर उठकर आम जनता की सेवा करते थे। डॉ सिंह की अचानक मौत होने से राजनीतिक गलियारों और कैमूर जिले में शोक की लहर है। उनके निधन से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। श्रम मंत्री संतोष सिंह ने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा दल परिवार के साथ खड़ा है।

तेंदुए के बच्चे को ग्रामीणों ने पकड़ा

मोतिहारी। के रामगढ़वा प्रखंड स्थित अमोदेई गांव में एक तेंदुए का बच्चा मिलने से हड़कंप मच गया। सुबह के समय जब ग्रामीण खेतों की ओर जा रहे थे, तब उन्हें अमोदेई बगीचे के पास एक तेंदुए का बच्चा दिखाई दिया। कड़ाके की ठंड में कांप रहे इस शावक का वजन 10 किलोग्राम था। ग्रामीणों ने साहस का परिचय देते हुए शावक को सुरक्षित पिजड़े में रखा और उसे आग के पास बैठाकर ठंड से बचाया। बच्चे की स्थिति सामान्य होने के बाद ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची मोतिहारी वन विभाग की टीम ने तेंदुए के बच्चे को अपनी देखरेख में ले लिया। तेंदुए के मां के मौजूद होने की आशंका ग्रामीणों को आशंका है कि आसपास के क्षेत्र में तेंदुए का कोई और बच्चा या उसकी मां मौजूद हो सकती है। इस कारण लोगों में दहशत का माहौल है। वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में गश्त तेज कर दी है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। फिलहाल, शावक वन विभाग की निगरानी में सुरक्षित है और उसकी देखभाल की जा रही है।डीएफओ राज कुमार शर्मा ने बताया कि रामगढ़वा में जो जानवर मिला है वह जंगली कैट है। तेंदुआ का बच्चा कभी अपनी मां से दूर नहीं जाता है। मां को पकड़ कर जंगल में छोड़ने की तैयारी की जा रही है।

दूध से भरी पिकअप-जीप की टक्कर, 2 की मौत

गोपालगंज। में एक सड़क हादसा हुआ है। इसमें दो लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हो गए। घटना कुचायकोट थाना क्षेत्र के सेमरा सासामुसा मार्ग पर खजूरी गांव के पास की है। दूध से लदी पिकअप और एक जीप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों वाहन पलट गए। हादसे में जीप में सवार गोपालपुर थाना क्षेत्र के ढेबवां गांव निवासी मौलादीन (50) और बंजरिया गांव निवासी जोगिंदर मांझी (55) की मौके पर ही मौत हो गई। जोगिंदर माझी एक केस की तारीख पर कोर्ट जा रहे थे। जबकि, मौलादीन अपनी बीमार बेटी से मिलने अस्पताल की ओर जा रहे थे। ये दोनों जीप पर सवार होकर जा रहे थे। घायलों को अस्पताल में कराया भर्ती घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची।

घायलों को तत्काल कुचायकोट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। हादसे के दौरान जीप में सवार यात्रियों के बीच चीख पुकार मच गई थी।थानाध्यक्ष आलोक कुमार ने बताया कि सड़क हादसे में 2 लोगों की जान गई है। कुछ लोग जख्मी है। मामले की जांच की जा रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। हादसे की खबर सुनते ही मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। परिवार के सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

हाई स्पीड बाइक पर कपल का खतरनाक स्टंट

मुजफ्फर।पुरमुजफ्फरपुर में हाई स्पीड बाइक पर युवक-युवती का खतरनाक स्टंट का वीडियो सामने आया है। तीन अलग-अलग वीडियो में युवक और युवती एक से एक खतरनाक स्टंट करते दिख रहे हैं। हालांकि, अब तक कपल की पहचान नहीं हो पाई है। मुजफ्फरपुर पुलिस इन दोनों को तलाश कर रही है। कपल का जो वीडियो सामने आया है, वो पताही एयरपोर्ट का बताया जा रहा है। हाई स्पीड बाइक पर कपल स्टंट कर रहे है तो दूसरी बाइक से वीडियो शूट किया है।लड़का हाई स्पीड बाइक को तेज रफ्तार में चला रहा है। इस दौरान लड़की बाइक के पेट्रोल टंकी पर बैठी है और उसका चेहरा लड़के की ओर है। दोनों ने हेलमेट भी नहीं पहना है। वीडियो में दिख रहा है कि लड़का तेज रफ्तार में बाइक भगा रहा है, इसी दौरान वह बाइक का अगला पहिया हवा में उठा देता है और लड़की विक्ट्री साइन दिखा रही है। दूसरे वीडियो में लड़की हाथ में पिस्टल लेकर चलती दिख रही है। बैकग्राउंड में हरियाणवी गाना 'जेल करावेगी, रे छोरी, जेल करावेगी' बज रहा है यह वीडियो चलती ट्रेन पर शूट किया गया है। इस वीडियो में लड़की ट्रेन से बाहर की ओर झूलती दिख रही है, जबकि लड़का उसके सामने ट्रेन के अंदर खड़ा दिख रहा है।ग्रामीण SP विद्यासागर ने बताया कि 'वीडियो में दिख रहा लड़का और लड़की कहां का रहने वाला है।

बच्ची के पेट से निकला एक किलो बाल का गुच्छा

डॉक्टर बोले- 7 साल से खा रही थी, पेट ब्लॉक था; खाना भी छोड़ चुकी थी

मुजफ्फरपुर। में 9 साल की बच्ची के पेट से करीब डेढ़ किलो बालों का गुच्छा निकला है। वह साहेबगंज क्षेत्र की रहने वाली है। पेट में दर्द की शिकायत होने पर परिजन उसे SKMCH लेकर आए थे। मंगलवार को सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक में बच्ची को भर्ती किया गया। पेट का एक्स-रे किया गया। इसमें डॉक्टर्स को कुछ दिखाई दिया। इसके बाद सीटी स्कैन कराया गया जिसमें बालों गुच्छा दिखा। बच्ची में खून की कमी थी, पहले उसे खून चढ़ाया गया। इसके बाद पेडियाट्रिक सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. आशुतोष कुमार के नेतृत्व में ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद उसके पेट से करीब डेढ़ किलो के बाल का गुच्छा निकला। बच्ची के पिता मजदूरी का काम करते हैं। 7 साल से बाल खा रही थी बच्ची डॉ. आशुतोष कुमार ने बताया, 'पिछले 7 साल से वह बाल खा रही थी। यह ट्राइकोटिलोमेनिया नामक मनोरोग बीमारी है। मरीज को मनोरोग के डॉक्टर से भी दिखाया जाएगा। पिछले 15 दिनों से बच्ची खाना नहीं खा पा रही थी।' लगातार बाल खाने से गुच्छा बन गया थाडॉ. आशुतोष कुमार ने बताया, 'बालों खाने के बाद समस्या ये है कि ये बॉडी के अंदर चिपक जाता है। शरीर में कहीं से भी इसे निकलने का रास्ता नहीं मिल पाता। समय के साथ एक-एक बाल करके गुच्छा बन जाता है। ये पेट को ब्लॉक कर देता है।' 'बीते 15 दिन से बच्ची खाना नहीं खा पा रही थी। केवल लिक्विड ले रही थी। खाना खाने के बाद उसे उल्टी होती थी। उनके परिजन ने कहीं दूसरे अस्पताल में इसकी जांच भी करवाई थी। वहां ऑपरेशन कराने में वो सक्षम नहीं थे। इसके बाद मुझसे संपर्क किया गया।' 'मंगलवार को ऑपरेशन हुआ है। पेशेंट अब स्टेबल है। वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया है। फिलहाल 4-5 दिन उसे हम खाना नहीं देंगे। अंडर ऑब्जर्वेशन रखेंगे। पेट के ऊपर लंबा चीरा लगा है। टांका भरेगा उसके बाद ही खाना देंगे।' ऑपरेशन करने वाली टीम में चाइल्ड सर्जन डॉ. नरेंद्र, एनेस्थीसिया के डॉ. नरेंद्र शामिल थे। परिजनों ने बताया, 'बच्ची के पेट में कई महीनों से दर्द था। उसे भूख में नहीं लग रही थी। खाना खाने पर उल्टी कर देती थी। इसके बाद डॉक्टर से दिखाया गया। पिछले 3-4 दिन से बेटी के पेट में तेज दर्द उठने लगा। निजी अस्पताल में ऑपरेशन कराने में सक्षम नहीं हुए जिसके बाद SKMCH में उसे भर्ती कराया। फिलहाल बच्ची स्टेबल है।'

मणिपुर में बना रहेगा बी.जे.पी जे.डी.यू का साथ

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष ने समर्थन वापस लिया था, हाईकमान ने घंटेभर में फैसला पलटा

पटना। नीतीश कुमार की पार्टी JDU के मणिपुर के प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी की नेतृत्व वाली सरकार से समर्थन वापस लिया था। पार्टी हाईकमान ने घंटेभर के अंदर ना सिर्फ उनके फैसले को पलट दिया, बल्कि प्रदेश अध्यक्ष विरेन सिंह को पद से भी हटा दिया। बुधवार को शाम साढ़े 4 बजे JDU के मणिपुर के अध्यक्ष ने समर्थन वापस लेने का ऐलान किया था। कुछ ही देर बाद JDU के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद मीडिया के सामने आए और समर्थन वापसी का खंडन किया। उन्होंने कहा- 'NDA को हमारा समर्थन जारी रहेगा।' प्रसाद ने कहा कि 'मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत किए बिना पत्र जारी किया था। यह अनुशासनहीनता है। हम मणिपुर सरकार के साथ राज्य के लोगों की सेवा करना जारी रखेंगे।' साल 2022 में हुए चुनाव में भाजपा ने 60 में से 32 सीटें जीती थीं। JDU के 6 विधायक जीते थे। इसमें से 5 विधायक BJP के साथ चले गए थे। तीन निर्दलीय विधायकों का भी सरकार को समर्थन है। बिहार में इसी साल विधानसभा चुनाव भी होने हैं। केंद्र के साथ बिहार सरकार में भी भाजपा और JDU सहयोगी पार्टियां हैं। कांग्रेस ने कहा- मणिपुर में सरकार को खुद इस्तीफा दे देना चाहिए था कांग्रेस प्रवक्ता ज्ञान रंजन ने प्रतिक्रिया दी है। ज्ञान रंजन ने कहा कि मणिपुर में जो हालात है, जिस तरह से वहां पर जुल्म ढाया गया। वहां की सरकार को तो खुद इस्तीफा दे देना चाहिए था। इसके बाद वहां राष्ट्रपति शासन लागू करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि आज तक प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए। आरजेडी ने कहा- मणिपुर के विधायक ने साहसी कदम उठाया है

जदयू के मणिपुर की बीजेपी सरकार से समर्थन वापस लेने की खबर सामने आते ही आरजेडी का ने प्रतिक्रिया दी थी पार्टी के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा था कि 'JDU विधायक ने मणिपुर में सरकार से अपना समर्थन वापस लेने का फैसला लेकर भाजपा और नरेंद्र मोदी के प्रति अविश्वास जताया है। इस तरह की स्थिति का निर्माण पूरे देश में होने जा रहा है। भाजपा जिस तरह की राजनीति करती रही है और जैसी उनकी नीयत रही है, वैसे में इस तरह का परिणाम सामने आना ही था। मणिपुर के विधायक ने साहसी कदम उठाया है।'

बर्तन व्यवसायी की सड़क हादसे में मौत

कैमूर। में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बर्तन व्यवसायी की मौत हो गई। कुदरा थाना क्षेत्र के घटांव गांव निवासी रविंद्र शाह अपना रोजमर्रा का काम निपटाकर घर लौट रहे थे। इसी बीच पुसौली के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान स्वर्गीय गंगा साह के बेटे रविंद्र शाह के रूप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही परिजन घायल रविंद्र को अनुमंडल अस्पताल मोहनिया ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। मृतक के बड़े भाई मुन्ना शाह ने बताया कि रविंद्र ग्रामीण इलाकों में घरेलू बर्तन बेचने का काम करते थे। दुर्घटना उस समय हुई जब वे सड़क पार कर रहे थे। कुदरा थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि परिजनों ने मृतक का शव थाना लाया, जहां से पंचनामा की कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भभुआ भेज दिया गया। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और अज्ञात वाहन की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि दोषी वाहन चालक को जल्द से जल्द पकड़ा जाएगा।

पढ़ाई के प्रेशर में 12वीं के छात्र ने किया सुसाइड

किशनगंज। के पानीबाग इलाके में एक छात्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है। 12वीं कक्षा का छात्र 4 दिन से किराए के कमरे में रह रहा था। मृतक की पहचान पोठिया प्रखंड के गेवड़ालोटी निवासी मजहरुल इस्लाम (21) के रूप में हुई है। मजहरुल परीक्षा की तैयारी के लिए महज 5 दिन पहले ही किशनगंज आया था। वो पढ़ाई के प्रेशर में था। घटना का पता तब चला जब उसके पिता ने बुधवार को उसे फोन किया। 15 बार लगातार कॉल करने पर भी बेटे ने फोन नहीं उठाया। कॉल रिसीव नहीं करने पर मृतक के पिता ने पड़ोस में रहने वाले मनीसुल हक को फोन कर जानकारी दी कि उनका बेटा कॉल रिसीव नहीं कर रहा है। पड़ोस के रहने वाले युवक ने उसके कमरे की जांच की। दरवाजा बंद होने पर झांककर देखा गया तो छात्र फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।फांसी के फंदे से लटक रहा था छात्र पड़ोसी मनीसुल हक ने बताया कि मजहरुल को उसके पापा ने सुबह में कॉल किया था। उसने उठाया नहीं, तो उन्होंने मुझे कॉल किया। कहा कि बच्चा सुबह से फोन नहीं उठा रहा है। मेरी उससे बात करा दो। दरवाजा खटखाया, वो खोल ही नहीं रहा था। झांक कर देखे तो लड़का फांसी से लटक रहा था। मैंने उसके पेरेंट्स को भी बताया और नीचे अंकल को बताया। 5 दिन से मजहरुल यहां पर रह रहा था।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा घटना की सूचना मिलते ही टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची।

फ्लिपकार्ट गोदाम में 77 सेकेंड में डकैती का सीसीटीवी विजुअल

एक ने काउंटर से निकाले 4.95 लाख रुपए, बाकी अपराधियों ने गन प्वाइंट पर कर्मियों को बंधक बनाया

मुजफ्फरपुर। में फ्लिपकार्ट के गोदाम में डकैती का 77 सेकेंड का सीसीटीवी विजुअल सामने आया है। जिसमें देखा जा सकता है अपराधी पिस्टल लेकर ऑफिस में घुसे और कर्मियों को धमकाने लगे। अपराधियों ने अपने चेहरे को ढंककर रखा है। लाल कपड़ा में एक अपराधी काउंटर से पैसे निकालकर अपने झोले में रख रहा। बाकी अपराधी पिस्टल की नोक पर कर्मियों को बंधक बनाए हुए है। इसी बीच ऑफिस में अलार्म बज गया। जिसके बाद एक कर्मी को अपराधी ने गोली मार दी, उनकी मौत हो गई थी। मामला दो दिन पहले का है जिसका सीसीटीवी फुटेज आज यानी बुधवार को सामने आया है। सदर थाना क्षेत्र के खबरा शिव मंदिर के पास गोदाम से डकैत 4.95 लाख रुपए लूट गए थे। जल्दी ही सभी अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी सिटी एसपी विश्वजीत दयाल ने कहा कि पुलिस एक साक्ष्य के आधार पर जांच कर रही है। घटना के खुलासे के लिए विशेष टीम का गठन किया गया है। टीम ने कई संदिग्ध को हिरासत में लिया है, उनसे पूछताछ की जा रही है। वैज्ञानिक अनुसंधान भी किया जा रहा है। जिसके आधार पर पुलिस को कई अहम जानकारी मिली है। जल्द ही सभी अपराधियो की गिरफ्तारी की जाएगी। 3 बाइक पर 9 अपराधी हथियार के साथ आए थे दरअसल, मुजफ्फरपुर मे बीते सोमवार को फ्लिपकार्ट गोदाम में 8 मिनट में डकैती हुई थी। 3 बाइक पर 9 अपराधी हथियार के साथ आए थे। गोदाम के अंदर मौजूद 19 स्टाफ को अलग-अलग जगहों पर बंधक बनाकर लूटपाट की। फ्लिपकार्ट गोदाम में काम करने वाले राजीव कुमार ने बताया था कि अपराधी कह रहे थे शांति से रहो, अंदर घुसो सब...फिर 9 से 10 बदमाशों ने हम सभी को कैश रूम में बंद कर दिया। बदमाश कैसे अंदर आए, इसे लेकर हमें कोई भनक नहीं लगी। हम लोग करीब 19 लोग अलग-अलग जगहों पर खड़े थे। कोई डिलीवरी ले रहा था, कोई कैश जमा कर रहा था।' वारदात को अंजाम देने के बाद अपराधी हथियार लहराते हुए फरार हो गए। वारदात सदर थाना क्षेत्र के खबरा स्थित फ्लिपकार्ट के गोदाम में रात 9 बजे के बाद की है। वहीं, मरने वाले की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के सिलौट गांव के 45 साल के प्रभात कुमार मिश्रा के रूप में हुई थी।CCTV में कैद हुई वारदात, पहचान की कोशिश जारी भागने के दौरान अपराधी कई जगह पर सीसीटीवी में कैद हुए हैं। एक फुटेज में दिख रहा है कि बाइक सवार अपराधियों की एक बाइक स्टार्ट नहीं हुई, जिसके बाद काफी देर तक बाइक को अपराधी धक्का देकर स्टार्ट करने की कोशिश करते रहे, लेकिन आखिर में जब बाइक स्टार्ट नहीं हुई, तो अपराधी बाइक को घटनास्थल पर ही छोड़कर फरार हो गए।

रहस्यों से भरा है उत्तराखंड का ये खूबसूरत हिल स्टेशन, कहा जाता है

परियों का देश

उत्तराखंड को देवभूमि कहा जाता है और इस राज्य में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक कई बेहतरीन जगहें हैं। इस राज्य की खूबसूरती को पास से देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से भी टूरिस्ट्स की अच्छी खासी तादाद आती है। लेकिन कई बार हम सभी इस खूबसूरत जगहों के पीछे छिपे रहस्यों को जानकर हैरान रह जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी शहर के शोर-शराबे से दूर किसी शांत वातावरण में सुकून के दो पल बिताना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उत्तराखंड की एक ऐसी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जो बेहद खूबसूरत होने के साथ-साथ रहस्यमयी भी है।

जन्नत से की जाती है तुलना

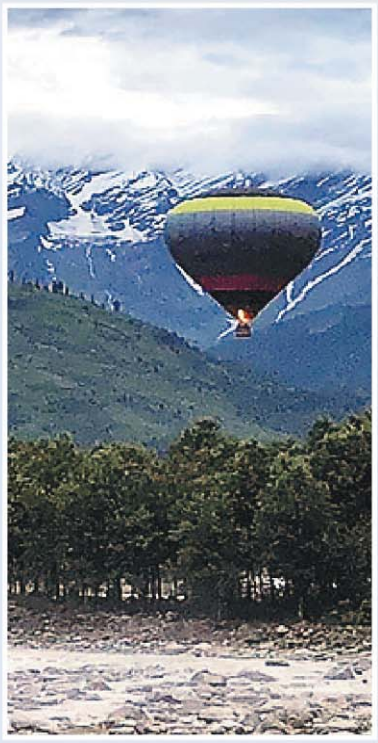

उत्तराखंड में स्थित इस छोटे से हिल स्टेशन की खूबसूरती की तुलना स्वर्ग से की जाती है। इस हिल स्टेशन का नाम खैट पर्वत है। खैट पर्वत को परियों का देश भी माना जाता है। ऐसे में आप भी बेहद कम बजट में उत्तराखंड के गढ़वाल जिले में स्थित थात गांव के इस हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करने के लिए आ सकते हैं।

रहस्यों के लिए भी फेमस है ये जगह

यहां पर रहने वाले स्थानीय लोगों की मानें, तो इस जगह पर परियां दिखती हैं। बताया जाता है कि इस जगह पर नजर आने वाली परियां थात गांव की रक्षा भी करती हैं। तो वहीं कुछ लोग इन परियों को योगिनियां और वनदेवियां भी कहते हैं। वहीं इस गांव के पास स्थित खैटखाल मंदिर को भी बेहद रहस्यमयी माना जाता है।

यहां जून में लगता है मेला

आपको बता दें कि इस गांव में जून के महीने में मेले का आयोजन किया जाता है। हरियाली से घिरा ये गांव आपका तनाव दूर करने में सहायक हो सकती है। वहीं अगर आप चाहें तो यहां पर कैंपिंग भी कर सकते हैं। हालांकि इस बेहद खूबसूरत गांव में शाम को 7 बजे के बाद कैंप से बाहर निकलने की परमिशन नहीं है। इसके अलावा यहां पर म्यूजिक बजाने पर भी रोक है, माना जाता है कि परियों को शोर-शराबा पसंद नहीं है।

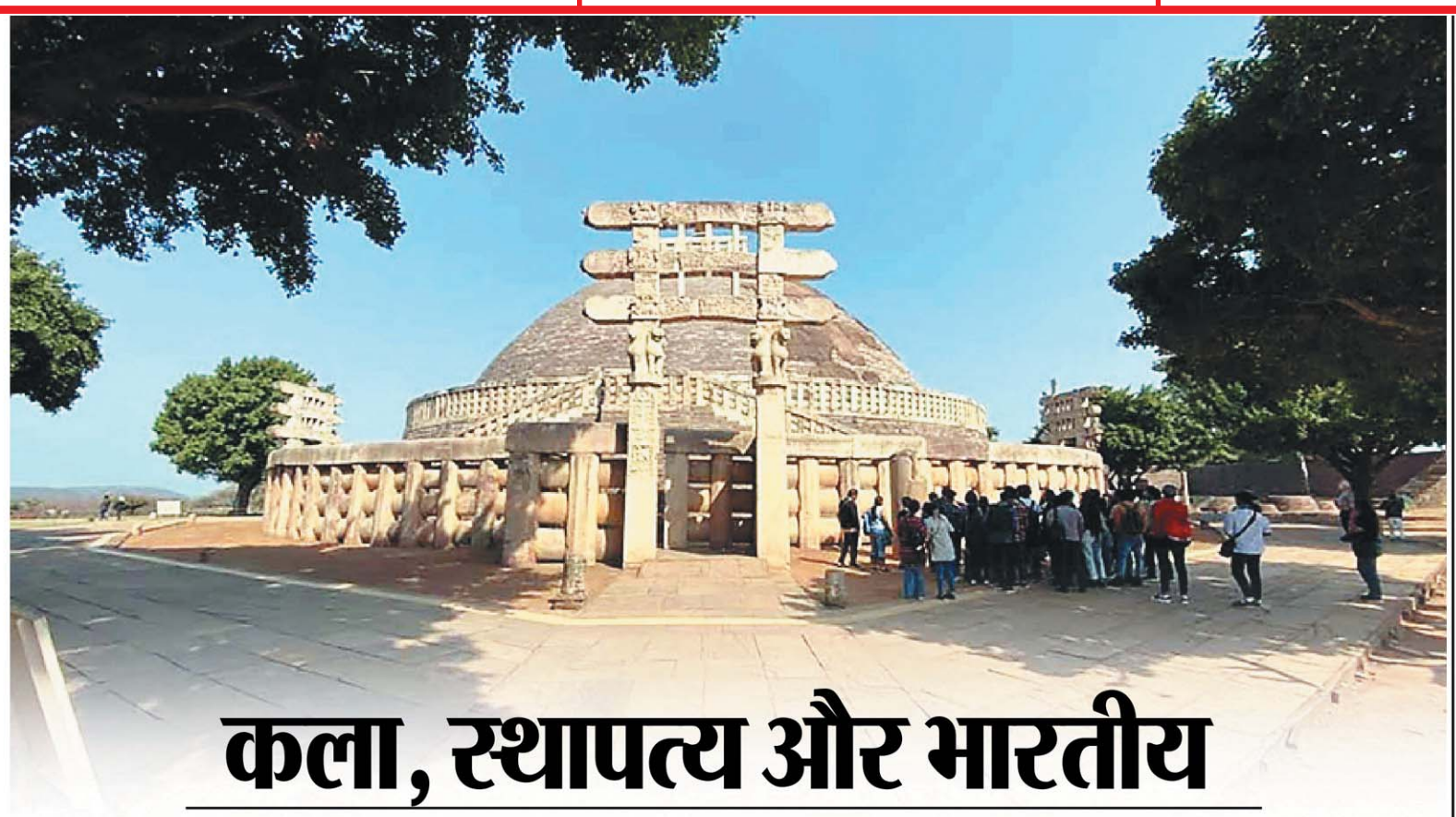

कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल है सांची

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था।

भारत का इतिहास और संस्कृति विश्वभर में प्रसिद्ध है, और इस सांस्कृतिक धरोहर का एक अद्वितीय उदाहरण मध्यप्रदेश के सांची में देखने को मिलता है। सांची एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है, जो अपनी प्राचीन स्तूपों, मठों, और बौद्ध अवशेषों के लिए प्रसिद्ध है। यह स्थल विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए महत्वपूर्ण है और यहाँ के ऐतिहासिक स्मारक भारतीय स्थापत्य कला और संस्कृति के अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। सांची को यूनेस्को द्वारा 1989 में विश्व धरोहर स्थल के रूप में मान्यता प्राप्त हुई थी, जो इसे और भी खास बनाता है।

सांची का इतिहास

सांची का इतिहास बहुत ही प्राचीन है और यह बौद्ध धर्म के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ स्थित सांची स्तूप को सम्राट अशोक ने तीसरी शताबदी ईसा पूर्व में बनवाया था। सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म को प्रचारित करने के लिए सांची को एक प्रमुख स्थल के रूप में विकसित किया था। इसके अलावा, यहाँ के अन्य स्तूप, मठ, और विहार भी बौद्ध धर्म के प्रचार-प्रसार से जुड़े हुए हैं। सांची का इतिहास भारत के प्राचीन धर्म और संस्कृति को दर्शाता है, और यहाँ के स्मारक बौद्ध धर्म के महत्वपूर्ण केंद्र माने जाते हैं।

सांची के प्रमुख आकर्षण

सांची स्तूप

सांची का प्रमुख आकर्षण सांची स्तूप है, जिसे सम्राट अशोक ने अपने शासनकाल के दौरान बनवाया था। यह स्तूप बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे विश्वभर से श्रद्धालु और पर्यटक देखने आते हैं। स्तूप की दीवारों पर बौद्ध धर्म से संबंधित चित्रण और उकेरे गए दृश्य अत्यंत प्रसिद्ध हैं। यह स्तूप बुद्ध की जीवन गाथाओं को चित्रित करता है और इसे भारतीय स्थापत्य कला का उत्कृष्ट उदाहरण माना जाता है।

विक्रमादित्य का स्तूप

यह स्तूप सांची के प्रमुख स्तूपों में से एक है और इसमें बुद्ध के अवशेष रखे गए थे। इसे विक्रमादित्य के नाम से भी जाना जाता है। यह स्तूप संरचनात्मक रूप से बहुत आकर्षक है और यहाँ की दीवारों पर बौद्ध धर्म के प्रतीकों और चित्रों को देखा जा सकता है।

अशोक स्तंभ

सांची में सम्राट अशोक द्वारा स्थापित एक विशाल स्तंभ स्थित है, जो बौद्ध धर्म के प्रचार और सम्राट अशोव के धार्मिक योगदान को दर्शाता है। इस स्तंभ पर अशोक के शिलालेख उकेरे गए हैं, जो उस समय के शासन और बौद्ध धर्म के प्रति उनके समर्पण को व्यक करते हैं।

विहार और मठ

सांची में कई मठ और विहार भी हैं, जो प्राचीन बौद्ध साधकों और भिक्षुओं के रहने के स्थल रहे हैं। इन मठों और विहारों का स्थापत्य और धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यहाँ पर बौद्ध धर्म के अनुयायी ध्यान और साधना करते थे।

सांची संग्रहालय

सांची संग्रहालय बौद्ध कला और संस्कृति का एक प्रमुख स्थल है। इस संग्रहालय में सांची से प्राप्त प्राचीन मूर्तियाँ, स्तूपों के अवशेष, शिलालेख और अन्य धार्मिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाती हैं। यहाँ आकर पर्यटक सांची के ऐतिहासिक महत्व को गहरे से समझ सकते हैं।

उदयगिरी गुफाएँ

सांची से कुछ किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरी गुफाएँ प्राचीन हिन्दू और बौद्ध कला के अद्भुत उदाहरण हैं। ये गुफाएँ भगवान विष्णु, शिव और बुद्ध के अद्वितीय चित्रण से सुसज्जित हैं।

सांची का धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व

सांची का धार्मिक महत्व विशेष रूप से बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए अत्यधिक है। सम्राट अशोक द्वारा स्थापित स्तूप और अन्य स्मारक बौद्ध धर्म के आस्था और अनुशासन के प्रतीक माने जाते हैं। सांची न केवल एक धार्मिक स्थल है, बल्कि यह भारतीय कला, स्थापत्य, और संस्कृति का भी प्रमुख केंद्र है। यहाँ की वास्तुकला और मूर्तियों में उस समय की सामाजिक और धार्मिक जीवनशैली का चित्रण किया गया है, जो भारतीय इतिहास और संस्कृति के अध्ययन में अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सांची कैसे पहुंचें?

वायु मार्ग- सांची का नजदीकी हवाई अड्डा भोपाल में स्थित है, जो लगभग 46 किलोमीटर दूर है। भोपाल से सांची तक टैक्सी या बस द्वारा आसानी से पहुँच सकते हैं।

रेल मार्ग- सांची का नजदीकी रेलवे स्टेशन सांची रेलवे स्टेशन है, जो यहाँ से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। भोपाल, दिल्ली, मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों से सांची के लिए ट्रेन सेवाएँ उपलब्ध हैं।

सड़क मार्ग- सांची प्रमुख शहरों से सड़क मार्ग द्वारा अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। भोपाल, गुना, और उज्जैन जैसे शहरों से सांची के लिए नियमित बस सेवाएँ और टैक्सी उपलब्ध हैं।

सांची का मौसम

सांची का मौसम पूरे साल अच्छा रहता है, लेकिन सबसे आदर्श समय यहाँ यात्रा करने के लिए सर्दियों (नवंबर से फरवरी) का होता है। इस समय का मौसम ठंडा और सुखद होता है, जो यात्रा के लिए उपयुक्त है। गर्मियों में तापमान थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन नर्म मौसम और वायु की ठंडक यहां की यात्रा को सुखद बना देती है।

सांची भारतीय इतिहास, संस्कृति और बौद्ध धर्म का अद्भुत संगम है। यहाँ के स्तूप, मठ, और संग्रहालय न केवल बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए एक तीर्थ स्थल हैं, बल्कि कला, स्थापत्य और भारतीय संस्कृति के प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल हैं। सांची की यात्रा से आपको न केवल धार्मिक शांति और मानसिक संतुलन मिलेगा, बल्कि भारतीय प्राचीन कला और संस्कृति का भी अनमोल अनुभव होगा। अगर आप ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों में रुचि रखते हैं, तो सांची एक आदर्श गंतव्य है।

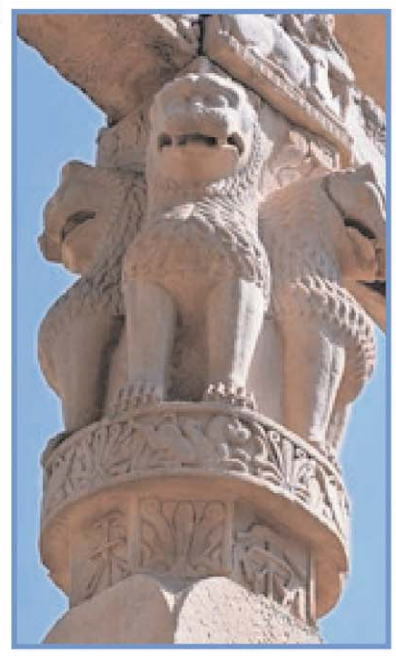

शिमला और कश्मीर से कम खूबसूरत नहीं ये ऑफबीट हिल स्टेशन, पर्यटकों की नहीं मिलेगी भीड़

घूमने के शौकीन लोग अक्सर छुट्टियां मिलते ही घूमने का प्लान बना लेते हैं। अक्सर घूमने का प्लान आते ही लोगों के मन में सबसे पहले हिल स्टेशनों के ऑप्शन पर ध्यान जाता है। हिल स्टेशन पर जाना अधिकतर लोगों को इसलिए भी पसंद होता है कि वह शहर की भीड़भाड़ से दूर सुकून के कुछ पल बिता सकें। लेकिन कई फेमस हिल स्टेशनों पर पर्यटकों की भारी भीड़ पहुंचती है। अगर आप भी शिमला-मनाली, मसूरी और धर्मशाला आदि हिल स्टेशनों पर जाना चाहते हैं, तो यहां बहुत ज्यादा ट्रैफिक और भीड़ होती है। हालांकि कुछ हिल स्टेशन ऐसे भी हैं, जो कश्मीर, शिमला या मनाली से कम नहीं और लोग इनके बारे में अधिक जानते भी नहीं। ऐसे में अगर आप भी किसी ऐसे हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं, जहां पर पर्यटकों की भीड़ कम होती है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको उन ऑफबीट हिल स्टेशनों के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर पर्यटकों की ज्यादा भीड़ नहीं पहुंचती है। हिमाचल प्रदेश में कुल्लू जिले की सैंज घाटी में एक बेहद खूबसूरत गांव है। इस गांव का नाम शांघड़ है। बता दें कि इस गांव के नजारे स्विट्जरलैंड की तरह हैं। इसी वजह से इस गांव को कुल्लू का खज्जियार या भारत का दूसरा मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है।

शांघड़

यहां के मैदान में हरे-भरे पेड़ और अद्भुत चीड़ के पेड़ों और रंग-बिरंगे छोटे घरों का नजारा बिलकुल विदेशी पर्यटन जैसे लगता है। शांघड़ में आप शंगचुल महादेव मंदिर, शांघड़ मीडोज, बरशानगढ़ झरना और रैला गांव में लकड़ी से बना टावर मंदिर है। इस जगह पर आप मन की शांति और सुंदर दृश्यों का नजारा देख सकते हैं।

ऐसे पहुंचे

शांघड़ जाने के लिए आप अपने शहर से अंबाला, चंडीगढ़ या जोगिंदर नगर रेलवे स्टेशन पहुंचे। फिर सड़क मार्ग से मनाली जाएं। इसके बाद शांघड़ पहुंचने के लिए मनाली से सैंज का सफर स्थानीय बस से कर सकते हैं। इसके अलावा आप कुल्लू हवाई अड्डा पहुंचकर भंतर से सैंज के लिए टैक्सी या बस पकड़ सकते हैं।

कनातल

यदि आप छिपे हुए खूबसूरत हिल स्टेशनों की तलाश में हैं, तो उत्तराखंड के कनातल हिल स्टेशन पर जा सकते हैं। कनातल में सीमित सैलानी आते हैं और प्राकृतिक नजारों का लुत्फ उठाने के लिए और भीड़-भाड़ से दूर सुकून के दो पल बिताने के लिए यहां पहुंच सकते हैं। यहां पर आप कैंपिंग और ट्रैकिंग कर सकते हैं। यह हिल स्टेशन देहरादून से 78किमी की दूरी पर है। मसूरी से कनातल 38 किमी और चंबा से 12 किमी दूर यहां पर पहुंचना बहुत आसान है।

ऐसे पहुंचें

कनातल हिल स्टेशन की सैर के लिए देहरादून रेलवे स्टेशन से आगे बस का सफर कर सकते हैं। अगर आप मसूरी या चंबा में हैं, तो आप भी टैक्सी या स्थानीय बस से कनातल की सैर कर सकती हैं।

कलगा गांव

ट्रैकिंग के शौकीन लोगों को कलगा गांव जाना चाहिए। यहां पर कलगा-बुनबुनी-खीरगंगा ट्रैक बेहतर ऑप्शन हो सकता है। बता दें कि इस 28 किमी लंबे ट्रैक को पूरा करने में 3 दिन का समय लग सकता है। यह गांव और ट्रैक हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में पार्वती घाटी में पुलगा डैम के पास स्थित है। ट्रैकिंग के अलावा आप यहां पर पहाड़ी की चोटी से मणिकर्ण घाटी का अद्भुत नजारा दिखता है। तो वहीं सूर्यास्त के बाद यहां का नजारा काफी मनमोहक होता है।

ऐसे पहुंचे कलगा

कुल्लू जिले के भुंतर तक सड़ और हवाई मार्ग से जा सकते हैं। यहां से हवाई अड्डे से 25 किमी की दूरी पर मणिकर्ण है। जहां के लिए बहुत आसानी बस या टैक्सी मिल जाती है। मणिकर्ण से महज 10 किमी की दूर कलगा गांव है। जहां से ट्रैक शुरू होता है।

पीएलआई : एसी-एलईडी लाइट्स बनाने वाली 24 कंपनियों का चयन, 3,516 करोड़ का करेंगी निवेश

नईदिल्ली, एजेंसी। व्हाइट गुड्स के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत एयर कंडीशनर (एसी) और एलईडी लाइट्स बनाने वाली 24 कंपनियों का चयन किया गया है। इन कंपनियों ने 3,516 करोड़ के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।

तीसरे दौर में मिले 38 आवेदन- वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन के तीसरे दौर में 38 आवेदन मिले। आवेदनों पर विचार के बाद 18 नई कंपनियां चुनी गईं। इनमें एसी कंपोनेंट बनाने वाली 10 और आठ एलईडी लाइट्स निर्माता कंपनियां शामिल हैं। इन्होंने 2,299 करोड़ की निवेश प्रतिबद्धता जताई है। इसके अलावा, छह मौजूदा लाभार्थी कंपनियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड

करने के लिए अस्थायी रूप से चुना गया है।

इसके लिए 1,217 करोड़ का अतिरिक्त निवेश होगा। कुल मिलाकर, इन वस्तुओं के लिए योजना के तहत 84 कंपनियां 10,478 करोड़ का निवेश लाने वाली हैं। इससे 1,72,663 करोड़ मूल्य का उत्पादन होगा। अक्तूबर, 2024 में तीसरे दौर में 38 कंपनियों ने 4,121 करोड़ के निवेश प्रस्ताव के साथ आवेदन किया था।

देश में ही बनेंगे कलपुर्जे- एसी के लिए कम्प्रेसर, कॉपर ट्यूब व हीट एक्सचेंजर जैसे कंपोनेंट अब देश में ही बनेंगे।?एलईडी लाइट्स के लिए एलईडी चिप पैकेजिंग, लाइट मैनेजमेंट सिस्टम व कैपेसिटर के लिए मेटलाइज्ड फिल्म का विनिर्माण भी होगा।

संक्षिप्त समाचार

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड- 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही और नौ महीने के लिए वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने क्यू3 एफवाय25 के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। क्यू3 एफवाय25 के लिए शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत की मजबूत वायओवाय वृद्धि के साथ 1,908 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग प्रॉफिट 2,802 करोड़ रहा। एनआईएम 5.17 प्रतिशत और शुद्ध ब्याज आय 23 प्रतिशत की वायओवाय वृद्धि करते हुए 4,228 करोड़ दर्ज हुई। क्यू3-2025 में जमा की लागत 4.63 प्रतिशत रही, जो क्यू3-2024 में 4.34 प्रतिशत थी। सीआरएआर 166 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि के साथ 21.98 प्रतिशत रहा। क्यू3-2025 के लिए संपत्ति पर रिटर्न (आरओए) 29 बीपीएस वृद्धि के साथ 1.99 प्रतिशत दर्ज किया गया, जो क्यू3-2024 में 1.70 प्रतिशत था। इक्विटी पर रिटर्न (आरओई) 20.13 प्रतिशत रहा (56 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि)। शुद्ध एनपीए 0.18 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 0.34 प्रतिशत था। सकल एनपीए 3.57 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 4.69 प्रतिशत था। पीसीआर 99.47 प्रतिशत रहा, जो 31 दिसंबर, 2023 को 99.17 प्रतिशत था।

सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन: सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की प्रेरक कहानी ने शार्क्स को किया प्रभावित!

मुंबई, एजेंसी। शार्क टैंक इंडिया में शांतिलाल जे. सावनी अपने परिवार के सदस्यों, राम और जगरूत के साथ अपनी पारिवारिक विरासत सावनी हेरिटेज कंजर्वेशन को पेश करने के लिए तैयार हैं। इस पिच में परंपरा और दृढ़ता की झलक मिलेगी। मुंबई में स्थित यह व्यवसाय तीन पीढ़ियों से भारत के सांस्कृतिक धरोहर स्मारकों के संरक्षण में जुटा है। इस ऐतिहासिक सफर की शुरुआत शांतिलाल ने एक साधारण राजमिस्त्री के रूप में की थी। उनके विज़न और कारीगरी को परिवार ने आगे बढ़ाया और आज सावनी परिवार हेरिटेज रेस्टोरेशन समुदाय में सबसे सम्मानित नामों में से एक बन चुका है। सावनी परिवार की महत्वाकांक्षा उनकी विरासत जितनी भव्य है–वर्ष 2030 तक 1,000 स्मारकों को संरक्षित करने का लक्ष्य। पारंपरिक तकनीकों और टिकाऊ सामग्रियों में अपनी महारत के बल पर, उन्होंने अब तक 300 स्थलों का सफलतापूर्वक पुनर्निर्माण किया है, जिनमें मुंबई का प्रतिष्ठित ओपेरा हाउस भी शामिल है। अपनी प्रोजेक्ट्स की प्रामाणिकता बनाए रखने के लिए वे खुद टाइल्स, ईंटें और अन्य सामग्री तैयार करते हैं। शार्क टैंक इंडिया पर उनका पिच देना वाकई प्रेरणादायक रहा।

इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 तथा राज्य में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटरों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ की साझेदारी

लखनऊ, एजेंसी। यात्रा में सहायता प्रदान करने वाले टेक-इनेबल्ड लीडर इंडिया असिस्ट ने महाकुम्भ 2025 के दौरान और इसके बाद भी लाखों यात्रियों को यात्रा का उत्कृष्ट अनुभव प्रदान करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत इंडिया असिस्ट प्रयागराज में महाकुम्भ क्षेत्र में टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर (पर्यटन जानकारी केन्द्र) संचालित कर रहा है, साथ ही इस तरह के टूरिस्ट इन्फोर्मेशन सेंटर रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डे पर भी स्थापित किए गए हैं। श्री हरीश खत्री, संस्थापक, इंडिया असिस्ट ने इस साझेदारी पर उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, ''भारत विभिन्न अनुभवों और संस्कृति के खजाने का देश है और महाकुम्भ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक एकता का अविश्वसनीय संगम है। इस साझेदारी के माध्यम से हम चाहते हैं कि मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालु आत्मविश्वास के साथ मेले का सहज अनुभव पा सकें। आधुनिक टेक्नोलॉजी और मानवीय सहयोग के साथ हम सुनिश्चित करते हैं कि हर आगंतुक को यात्रा के दौरान हर ज़रूरी मार्गदर्शन और सहयोग मिले।

अब गो फर्स्ट नहीं भरेगी उड़ान, संपत्तियां बेचकर चुकाएगी कर्ज; 54 विमानों का पंजीकरण रद्द

नईदिल्ली, एजेंसी। जेट एयरवेज के बाद वित्तीय संकट में फंसी विमानन कंपनी गो फर्स्ट भी अब उड़ान नहीं भर सकेगी। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने सोमवार को 17 साल तक करोड़ों लोगों को हवाई सफर कराने वाली गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है। इसका मतलब है कि कंपनी को अपनी संपत्तियां बेचकर कर्ज चुकानी होगी। वित्तीय समस्याओं के कारण विमानन कंपनी ने मई, 2023 में स्वैच्छिक रूप से दिवालिया समाधान प्रक्रिया के लिए आवेदन किया था। गो फर्स्ट का परिचालन तीन मई, 2023 यानी करीब दो साल से बंद है।

एनसीएलटी ने 15 पन्नों के आदेश में कहा, वह कंपनी गो एयरलाइंस (इंडिया) लि. के परिसमापन का आदेश दे रहा है। अब कर्जदाताओं की

समिति (सीओसी) को अपने गठन के बाद और समाधान योजना की पुष्टि से पहले किसी भी समय गो फर्स्ट के परिसमापन का निर्णय लेने का अधिकार है।

एनसीएलटी ने कहा, कॉरपोरेट देनदार के परिसमापन के प्रस्ताव को सीओसी ने 100 फीसदी वोटिंग के साथ मंजूरी दी थी। इसलिए, सीओसी के वाणिज्यिक विवेक में हस्तक्षेप करने की कोई योग्यता नहीं दिखती है। इससे दो महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर, 2024 को दिवालिया कार्यवाही मामले में बड़ा फैसला देते सुनाते हुए जेट एयरवेज के परिसमापन का आदेश दिया था। जेट एयरवेज ने आखिरी बार अप्रैल, 2019 में उड़ान भरी थी।

आगे नहीं बढ़ पाई कर्ज समाधान प्रक्रिया

दिवालिया समाधान प्रक्रिया के दौरान कम-से-कम दो बोलीदाता स्पाइसजेट के प्रमुख अजय सिंह के साथ बिजी बी एयरवेज और शारजाह स्थित विमानन कंपनी स्काई वन सामने आए थे। यात्रा पोर्टल ईजमाईट्रिप के सह-संस्थापक निशांत पिट्टी बिजी बी एयरवेज में बहुलांश शेयरधारक हैं। हालांकि, कर्ज समाधान प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाई थी। इसके बाद एनसीएलटी ने गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया है।

54 विमानों का पंजीकरण रद्द

दिवालिया प्रक्रिया के दौरान नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने गो फर्स्ट के 54 विमानों का पंजीकरण भी रद्द कर दिया। विमानन कंपनी ने 20(5-06 में मुंबई से अहमदाबाद के लिए पहली उड़ान के साथ घरेलू परि ालन शुरू किया था। 2018-19 में अंत राष्ट्रीय उड़ान शुरू की थी।

परिसमापक नियुक्त, 75 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

एनसीएलटी ने दिनकर तिरुवनंदपुरम वेंकटसुब्रमण्यम को परिसमापक (लिक्विडेटर) नियुक्त किया है, जिन्हें कॉरपोरेट देनदार के वित्तीय मामलों की जांच जारी रखने के लिए कहा गया है। आदेश के मुताबिक, परिसमापक को परिसमापन प्रक्रिया के दौरान उनके निपटान के लिए लंबित आवेदनों का भी पालन करना होगा। परिसमापन को 75 दिन के भीतर एनसीएलटी को एक प्रारंभिक रिपोर्ट देनी होगी।

आईपीओ से पहले टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे बड़ी टेलिकॉम कंपनी रिलायंस जियो आने वाले दिनों में टैरिफ बढ़ाने की तैयारी में है। हिंदू बिजनसलाइन की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि कंपनी अगले फाइनेंशियल ईयर में आईपीओ से पहले टैरिफ बढ़ा सकती है। कंपनी ने पिछले साल जून में टैरिफ में 25 फीसदी इजाफा किया था। इसे लिस्टिंग से पहले 5जी सर्विसेज को मॉनीटाइज करने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि रिलायंस जियो का आईपीओ इस फाइनेंशियल ईयर में आ सकता है। उससे पहले कंपनी अपना एवरेज रेवेन्यू पर यूजर बढ़ाना चाहती है। कंपनी के करीब 48 करोड़ सब्सक्राइबर हैं।

हालांकि सूत्रों ने कहा कि रिलायंस जियो इस बार टैरिफ में पिछली बार की तरह बड़ी बढ़ोतरी नहीं करेगी। यह बढ़ोतरी केवल प्रीमियम कैटगरी तक ही सीमित रह सकती है ताकि कंपनी का सब्सक्राइबर बेस प्रभावित न हो। पिछले साल जून में टैरिफ में बढ़ोतरी के बाद दूसरी तिमाही में कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या में गिरावट आई थी जबकि तीसरी तिमाही में 13 लाख सब्सक्राइबर बढ़े। दिसंबर तिमाही में कंपनी के सब्सक्राइबर्स की संख्या 48.2 करोड़ थी।

कब आएगा आईपीओ- इससे पहले खबर आई थी कि रिलायंस जियो के आईपीओ की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कंपनी का आईपीओ 35,000 से 40,000 करोड़ रुपये का हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक इसमें ऑफर ऑफ सेल के साथ-साथ ताजा शेयर भी जारी किए जाएंगे। यह आईपीओ साल की दूसरी छमाही में आ सकता है। कंपनी में विदेशी निवेशकों की 33 प्रतिशत हिस्सेदारी है। रिलायंस ने साल 2020 में अबू धाबी इनवेस्टमेंट फंड, केकेआर, मुबादला और सिल्वर लेक जैसे विदेशी फंड्स से 18 अरब डॉलर जुटाए थे। कई ब्रोकरेज का कहना है कि रिलायंस जियो की वैल्यूएशन 100 अरब डॉलर हो सकती है। लेकिन कंपनी की नजर 120 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर है।

क्यू3 रिजल्ट के बाद रॉकेट बना कंपनी का शेयर, बदहाली में किया मालामाल

नईदिल्ली, एजेंसी। सनटेक रिएल्टी के शेयरों में आज 11 प्रतिशत से अधिक तेजी देखने को मिली है। बीएसई में कंपनी के शेयर बढ़त के साथ 535.05 रुपये के लेवल पर खुला था। कुछ देर के बाद कंपनी के शेयरों का भाव बीएसई में 11.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी 546 रुपये के लेवल पर खुला था। बता दें, कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह मजबूत तिमाही नतीजों को माना जा रहा है।

रेवन्यू में 281 प्रतिशत की उछाल- दिसंबर तिमाही के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 162 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी के रेवन्यू में 281 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखने को मिली है। पिछले वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 42 करोड़ रुपये रहा था। सालाना आधार पर कंपनी में 426

प्रतिशत का इजाफा हुआ था। टैक्स भुगतान के बाद कंपनी का प्रॉफिट 537 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में कंपनी का पैट 43 करोड़ रुपये रहा था। बता दें, एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट लॉस 10 करोड़ रुपये का रहा था।

कंपनी का प्री-सेल्स सालाना आधार पर 40 प्रतिशत बढ़ा है। दिसंबर तिमाही में प्री सेल्स 635 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले दिस दिसंबर तिमाही में प्री सेल्स 455 करोड़ रुपये रहा था।

एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया

मुंबई। हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है।

टाटा ावर ने ओडिशा में अत्याधुनिक विद्युत ितरण प्रौद्योगिकी केंद्र शुरू किया

भुवनेश्वर , एजेंसी। टाटा पावर और ओडिशा सरकार के संयुक्त उद्यम टी ीसीओडीएल ने आज भुवनेश्वर में एक अत्याधुनिक विद्यु वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र का अनावरण किया है। वितरण नेटवव प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता में यह एक बहुत बड़ा परिवर्त कारी कदम है।इस केंद्र का उद्घाटन ओडिशा सरकार के माननी उपमुख्यमंत्री श्री के.वी. सिंह देव ने किया। इस अवसर पर ुख्य सचिव, ओडिशा सरकार, श्री मनोज आहूजा; सीईओ ओ र एमडी, टाटा पावर, डॉ प्रवीर सिन्हा; अध्यक्ष टीएंडडी, श्री संज बंगा; टाटा पावर के नेतृत्व वाली ओडिशा डिस्कॉम - टीपीसीओडीएल, टीपीएसओडीएल, टीपीडब्ल्यूओडीए और टीपीएनओडीएल के सीईओ और सरकार और टाटा ावर के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

यह अत्याधुनि प्रौद्योगिकी केंद्र उन्नत परिचालन प्रौद्योगिकी (ओटी) और सूच ना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणालियों को 24×7 पावर सिस्टम कं ाल सेंटर (पीएससीसी) के साथ एकीकृत करता है। यह राज्य भर में निर्बाध संचालन सुनिश्चित करते हुए बिजली वितरण ेटवर्क के लचीलापन को सुधारने में मदद करेगा।

उद्घाटन के अव सर पर ओडिशा के माननीय उपमुख्यमंत्री और ऊर्जा मंत्री श्री क.वी. सिंह देव ने कहा, बिजली वितरण प्रौद्योगिकी केंद्र अ डिशा को वितरण उत्कृष्टता का केंद्र बनाने में एक महत्वपूर्ण कद म है। उन्नत बुनियादी ढांचे और प्रौद्योगिकियों के साथ, यह केंद्र ाज्य के लिए विश्वसनीय बिजली सुनिश्चित

करता है। यह भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा इकोसिस्टम के लिए हमारे दृष्टिकोण को दर्शाता है जो उपभोक्ताओं और उद्योगों दोनों का समर्थन करता है। मैं ओडिशा में बिजली वितरण को मज़बूत करने के लिए टाटा पावर की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। इस केंद्र में उन्नत वितरण प्रबंधन प्रणाली है, ताकि बढ़ी हुई नेटवर्क विश्वसनीयता और सटीक परिचालन नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके। भौगोलिक सूचना प्रणाली तकनीक परिसंपत्ति प्रबंधन और उपभोक्ता इंडेक्सिंग को सुव्यवस्थित करती है, जबकि उपयोगिता डेटा स्ट्रीम जीआइएस, बिलिंग और मीटर प्रबंधन के निर्बाध एकीकरण के माध्यम से ऊर्जा ऑडिट को स्वचालित करती है। मौसम की रियल-टाइम मॉनिटरिंग और सैटेलाइट कम्युनिकेशन कनेक्टिविटी और परिचालन निरंतरता को और मज़बूत करते हैं।

वोक्हार्ट हॉस्पिटल, नागपुर के न्यूरोसर्जन ने पहली बार दुर्लभ स्पाइन विकार से पीड़ित बच्चे की मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव मॉनिटरिंग-गाइडेड सर्जरी की

सतना, एजेंसी। नागपुर क्षेत्र में जटिल पेडियाट्रिक स्पाइन विकृति के लिए पहली बार मल्टीमोडैलिटी इंट्राऑपरेटिव न्यूरोमॉनिटरिंग गाइडेड सर्जरी सफलतापूर्वक की गई, जो उन्नत न्यूरोलॉजिकल उपचार में महत्वपूर्ण साबित हुई। इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने वोक्हार्ट सुपरस्पेशियलिटी हॉस्पिटल्स, नागपुर को मध्य भारत में अत्याधुनिक चिकित्सा उपचार का प्रमुख केंद्र बना दिया है। एक 3 साल के बच्चे को चलने में कठिनाई और मल/मूत्र पर नियंत्रण खोने की शिकायत के साथ वोक्हार्ट हॉस्पिटल लाया गया। उसके रीढ़ की हड्डी में असामान्य झुकाव (जिसे स्कोलियोसिस कहा जाता है) और दोनों पैरों में ऑर्थोपेडिक विकृति (बायलैटरल क्लब फीट) भी थी। उसकी एमआरआई और सीटी स्कैन से एक जटिल असामान्यता का पता चला, जिसमें रीढ़ की हड्डी दो भागों में विभाजित थी और इसके बीच एक हड्डी की नोक थी और निचले हिस्से में फैटी ट्यूमर था और रीढ़ की हड्डी का निचला सिरा सामान्य से नीचे स्थित था। इस विकृति को डायस्टेमेटोमाइलिया विद हेमिकॉर्ड एंडिंग इनटू कंटिग्यूस डोर्सल लिपोमा एंड टेथर्ड फिलम टर्मिनाले विद फैटी इन्फिल्ट्रेशन कहा जाता है, (यानी डायस्टेमेटोमाइलिया जिसमें हेमीकॉर्ड का अंत सन्निहित पृष्ठीय लिपोमा और फैटी इन्फिल्ट्रेशन के साथ टेथर्ड फिलम टर्मिनल में होता है) जो एक बहुत ही दुर्लभ विकार है।

आईआईएम रायपुर ने युवासंगम चरण-5 के तहत असम के लिए छत्तीसगढ़ प्रतिनिधिमंडल के सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का किया सफल समन ाय

रायपुर , एजेंसी। भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने असम विश्वविद्यालय, सिलचर के सहयोग से भारत सरकार की प्रमुख पहल ए क भारत श्रेष्ठ भारत के तहत युवासंगम चरण-5 के अंतर्गत पांच दिवसीय स सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस पहल के तहत छत्तीसगढ़ के 45 छात्रों को असम में एक व्यापक सांस्कृतिक और शैक्षिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे विविधता में एकता की भावना को ोत्साहित किया गया और जन-से-जन संपर्क को बढ़ावा मिला। कार्यक्रम की शुरुआ त असम विश्वविद्यालय, सिलचर में गर्मजोशी भरे स्वागत के साथ हुई, जहाँ छत्त सगढ़ के प्रतिनिधियों ने संवादात्मक सत्रों, परिसर भ्रमण और सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम के सफल समापन पर बोलते हुए भा.प्र.सं. रायपुर के नि शक प्रो. राम कुमार ककानी ने कहा, यह आदान-प्रदान कार्यक्रम छत्तीसगढ़ और सम के बीच एकता और साझा विकास की भावना का प्रतीक है।

शिखर धवन और ओरी ने एमेजॉन एमएक्स प्लेयर को सर्वश्रेष्ठ ओटीटी सुपरहिट जोड़ी का ताज पहनाया और इसके नवाचारी ब्रांड अभियान के लिए साथ मिलाकर काम किया

मुंबई, एजेंसी। हाल ही में एमेजॉन द्वारा एमएक्स प्लेयर की प्रमुख परिसंपत्तियाँ के अधिग्रहण के बाद, यह सेवा भारत में मुफ्त मनोरंजन को फिर से परिभाषित करने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें असाधारण पहुंच और विशाल कंटेंट लाइब्रेरी शामिल है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए, स्ट्रीमिंग सेवा ने पिछले सप्ताहांत एक रोमांचक अभियान शुरू किया, जिसमें यह बताया गया कि एमेजॉन और एमएक्स प्लेयर की जोड़ी स्ट्रीमिंग क्षेत्र में सुपरहिट जोड़ी है। इस अभियान में मशहूर क्रिकेटर शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी को एक मजेदार अभियान के लिए साथ लाया गया।

अभियान पर अपने विचार साझा करते हुए, अरुणा दरयानानी, हेड - मार्केटिंग, प्रोडक्ट और टेक, अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने कहा, हमारा नवीनतम अभियान सभी भारतीयों को मुफ्त में प्रीमियम गुणवत्ता वाला कंटेंट उपलब्ध कराने के अमेज़न एमएक्स प्लेयर के दृष्टिकोण को प्रदर्शित करता है। क्रिकेट आइकन शिखर धवन और सोशल मीडिया सेंसेशन ओरी को साथ लाकर, हमारा उद्देश्य हमारी विशाल कंटेंट लाइब्रेरी को उजागर करना है, जिसे देश भर के दर्शक बिना किसी लागत के आनंद ले सकते हैं! यह अभियान अच्छे भाव को प्रस्तुत करता है तथा बेहतरीन विषय-वस्तु, नवीन विपणन और रणनीतिक साझेदारियों की पेशकश के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

शिखर धवन ने इस अभियान का हिस्सा बनने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, मनोरंजन में, क्रिकेट की तरह, लोगों को एक साथ लाने की ताकत होती है। इस अभियान के लिए अमेज़न एमएक्स प्लेयर के साथ सहयोग करना बेहद आनंददायक था। शिखर × ऑरी स्पॉट की ऊर्जा और मज़ा कॉन्टेजियस हैं। यह देखकर अद्भुत लगता है कि एमेजॉन एमएक्स प्लेयर लाखों भारतीयों के लिए मुफ्त मनोरंजन को नए रूप में परिभाषित कर रहा है, और इस यात्रा का हिस्सा बनकर मैं बेहद रोमांचित हूं।

ओरी ने साझा किया, इस कैंपेन का हिस्सा बनना वाकई शानदार अनुभव था। शिखर × ओरी स्पॉट के लिए शिखर के साथ जोड़ी बनाना वास्तव में जोड़ी की वाइब्स को सामने लाता है और इसका कॉन्सेप्ट बहुत ही नया और मज़ेदार है। एमेजॉन एमएक्स प्लेयर सचमुच कुछ अनोखा पेश कर रहा है, और मैं दर्शकों को इस अभियान और इसके अद्भुत कंटेंट से जुड़ते हुए देखने के लिए बहुत उत्साहित हूँ।

दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025 की नो माही के लिए शानदार आय की रिपो र्ट दी

मुंबई, एजेंसी। दावणगेरे शुगर कंपनी लिमिटेड जो अपनी उत्पाद श्रृंखला को चीनी से परे बढ़ाकर सतत ऊर्जा और इथेनॉल समाधानों में विस्तार कर रही है, ने 18 जनवरी 2025 को आयोजित बोर्ड बैठक में 31 दिसंबर 2024 को समाप्त तिमाही और नौ महीनों के लिए कंपनी के अनऑडिटेड फाइनैन्शल रिजल्ट को मंजूरी दी।

दिसंबर की तिमाही के लिए कुल आय बढ़कर 7,358.37 लाख हो गई, जो 3,977.63 लाख (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) थी, जो मुख्य रूप से संचालन से राजस्व में तेज वृद्धि के कारण हुई, जो 3,932.93 लाख से बढ़कर 7,317.75 लाख हो गई। परिणामस्वरूप, कर पूर्व लाभ 178.91 लाख (वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही) से बढ़कर 746.04 लाख (वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही) हो गया, जो मजबूत परिचालन प्रदर्शन को दर्शाता है। यह व्यावसायिक प्रदर्शन में क्वार्टर-ऑन-क्वार्टर सुधार का संकेत देता है।

31 दिसंबर 2024 को समाप्त नौ महीनों के लिए संचालन से राजस्व 15,928.09 रुपये पर था। शुद्ध में 2024 को समाप्त नौ महीनों के 768.48 लाख से 40त वृद्धि कर 1,076.14 लाख हो गया।

आगे चलकर कंपनी इथेनॉल में संभावित मूल्य वृद्धि का लाभ उठाने की योजना बना रही है।

बी-हेवी गुड़ चीनी उत्पादन का एक उप-उत्पा है जो इथेनॉल बनाने के लिए उपयोग किया जाता है और सी-हेवी गुड़ चीनी रिफाइनरियों का एक उप-उत्पाद है जो इथेन बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

सितंबर 2024 में, इसके बोर्ड ने 1 रुपये प्रति शेयर के अंकित मूल्य के इक्विटी शेयरों के राइट्स इश्यू के म ध्यम से फंड जुटाने को मंजूरी दी, जो अधिकतम 400 करो तक हो सकती है।

नये भारत के लिये बालिकाओं की बंद खिड़कियां खुलें

राष्ट्रीय बालिका दिवस

ललित गर्ग

स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी हिंसक एवं त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। राष्ट्रीय बालिका दिवस का अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है,

जहां पांव में पायल, हाथ में कंगन, हो माथे पे बिंदिया, इट हैपन्स ओनली इन इंडिया- जब भी कानों में इस गीत के बोल पड़ते है, गर्व से सीना चौड़ा होता है। जब नवरात्र के दिनों में कन्याओं को पूजित होने के स्वर सुनते हैं तब भी शकुन मिलता है लेकिन जब उन्हीं कानों में यह पड़ता है कि इन पायल, कंगन और बिंदिया पहनने वाली बालिकाओं के साथ कैसे अत्याचार, यौन-शोषण इंडिया क्या करता है, तब सिर शर्म से झुकता है। भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरूआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन समाज में लड़कियों के खिलाफ लैंगिक असमानता, रूढ़िवादिता, भेदभाव, यौन-शोषण और हिंसा की मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डालता है, बालिकाओं को सशक्त बनाता है और शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व का संदेश देता है। बालिकाओं की बन्द खिड़कियां खुलें, तभी नया भारत-सशक्त भारत बन सकेगा।

सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम ह्यउज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनानाह्न है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन कई प्रभावी सरकारी योजनाओं के बावजूद भारत में बालिकाओं की स्थिति चिन्ताजनक है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे. चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र

प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। यह आंकड़ा सबसे निम्न स्तर पर मौजूद राजस्थान के बराबर है। तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी तस्वीर बहुत बेहतर नहीं है। बालिकाओं की घटती संख्या एक गंभीर चिन्ता का विषय है।

हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि 21वीं सदी तक आते-आते बालिकाओं एवं महिलाओं की जिंदगी में बहुत बदलाव आए हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए अब हालात पहले से ज्यादा खराब हो चुके हैं। कहने को भले ही लड़कियां हर मामले में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हो, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है लेकिन उनके सामने हर रोज एक लंबी चुनौती भी खड़ी है। भारतीय बालिकाओं एवं महिलाओं की समस्याएं केवल सामाजिक अधिकारों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि कार्यस्थलों और घरों में भी वह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रभावित होती हैं। बालिकाओं एवं महिलाओं की सोच में भले ही पिछले कुछ सालों की तुलना में बदलाव आए हों लेकिन मर्दों की सोच और रवैये में कुछ खास फर्क नजर नहीं आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि सड़क पर छोटे कपड़े पहनकर चलने में लगभग हर महिला ही असुरक्षित महसूस करती है। चीरहरण करती आंखें, अंजाने में छूने वाले हाथ और सीटियों की गूंज का सामना किसी लड़के को नहीं बल्कि लड़की को ही हर रोज करना पड़ता है। कुछ घरों में आज भी लड़कों की तुलना में लड़कियों के साथ अलग व्यवहार किया जाता है। वह कैसे बोलती है, कैसे कपड़े पहनती है, अपना जीवन जीने का तरीका किस तरह चुनती है, भले ही इन बातों से उसे कोई फर्क नहीं पड़ रहा हो लेकिन उसके आसपास रहने वाले लोग इससे असुरक्षित वातावरण महसूस करने लगते हैं। ज्यादातर लोगों ऐसा मानना है कि एक बालिका को मिलनसार होना चाहिए। उसे हमेशा ही समझौता करना चाहिए। भले ही वह बातें उसे नुकसान क्यों न पहुंचा रही हों।

जन्म से पहले ही पता चल जाए कि बच्ची पैदा होगी तो ये उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम ह्यबेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओह्न का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लग रहा है। यह दाग ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है। लेकिन प्रश्न है कि हम कब बेदाग होंगे? अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है। वे पढ़ाई में अपने झंडे भले ही गाड़ दें, लेकिन उन्हें आगे बढ़ने से रोकने की क्रूरताएं कई तरह की हैं। उसका मुख्य कारण है सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। शताब्दियों से हम साल में दो बार नवरात्र महोत्सव मनाते हुए कन्याओं को पूजते हैं। लेकिन विडम्बना देखिये कि सदियों की पूजा के बाद भी हमने कन्याओं को उनका उचित स्थान और सम्मान नहीं दे पाये हैं। इन त्रासद, अमानवीय एवं विडम्बनापूर्ण नारी अत्याचार की बढ़ती घटनाओं के होते हुए मां दुर्गा को पूजने का क्या अर्थ है?

बालिकाओं के साथ होने वाली त्रासद एवं अमानवीय घटनाएं -निर्भया कांड, नितीश कटारा हत्याकांड, प्रियदर्शनी मट्टू बलात्कार व हत्याकांड, जेसिका लाल हत्याकांड, रुचिका मेहरोत्रा आत्महत्या कांड, आरुषि मर्डर मिस्ट्री की घटनाओं में पिछले कुछ सालों में इंडिया ने कुछ और ऐसे मौके दिए जब अहसास हुआ कि भ्रूण में किसी तरह नारी अस्तित्व बच भी जाए तो दुनिया के पास उसके साथ और भी बहुत कुछ है बुरा करने के लिए। बहशी एवं दरिन्दे लोग ही बालिकाओं को नहीं नोचते, समाज के तथाकथित ठेकेदार कहे जाने वाले लोग और पंचायतें, तथाकथित राम-रहीम जैसे धर्मगुरु भी बालिकाओं की स्वतंत्रता एवं अस्मिता को कुचलने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं, स्वतंत्र भारत में यह कैसा समाज बन रहा है, जिसमें महिलाओं की आजादी छीनने की कोशिशें और उससे जुड़ी हिंसक एवं त्रासदीपूर्ण घटनाओं ने बार-बार हम सबको शर्मसार किया है। राष्ट्रीय बालिका दिवस का अवसर इन त्रासद एवं क्रूर स्थितियों पर आत्म-मंथन करने का है, क्योंकि बालिकाओं एवं महिलाओं के समावेश, न्याय व सुरक्षा की स्थिति को बताने वाले वैश्विक शांति व सुरक्षा सूचकांक के 177 देशों में भारत का 128वां स्थान है। एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के विरूद्ध अपराध में राष्ट्रीय औसत 66.4 है। राजधानी दिल्ली का स्थान 144.4 अंकों के साथ सर्वोच्च है। माना जाता है कि 90 प्रतिशत यौन उत्पीड़न जान-पहचान के व्यक्ति ही करते हैं। यानी बालिकाएं अपने ही घर या परिचितों के बीच सबसे ज्यादा असुरक्षित है।

संपादकीय

ड़ॉलर की साख

अमेरिका में राष्ट्रपति पद की शपथ ग्रहण करते ही ड़ोनाल्ड़ ट्रंप के आक्रामक तेवर नजर आने लगे हैं। उन्होंने धमकी दी कि ब्रिक्स समूह के देश अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए अमेरिकी ड़ॉलर की बजाय किसी दूसरी मुद्रा को लाने के लिए कोई कदम उठाते हैं तो उन पर 100प्र. शुल्क लगाएंगे। ब्रिक्स देशों में भारत के साथ रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्त्र, इथोपिया, इंड़ोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और ईरान शामिल हैं। ट्रंप ने चेतावनी दी है कि न तो वे ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी ड़ॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे। उनके रुख से शेयर बाजार गोता लगाते हुए सात महीने के निचले स्तर पर बंद हुआ। ड़ॉलर की निर्भरता को लेकर तमाम देश वैश्विक वित्तीय व्यवस्था को लेकर सशंकित रहते हैं। ड़ॉलर पर निर्भरता से मुक्त होने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भारत लगातार स्थानीय मुद्राओं के प्रयोग की बात दोहराता रहा है। रूस पिछले ब्रिक्स सम्मेलन में स्पष्ट तौर पर कह चुका है कि ड़ॉलर का प्रयोग हथियार के तौर पर हो रहा है। हालांकि ट्रंप ने अपने भाषण में किसी देश का नाम लिए बगैर चेतावनी दी है। वे अपने दूसरे कार्यकाल में पहले के मुकाबले ज्यादा आक्रामक हैं। अमेरिका फर्स्ट नीति को लेकर चुनावी भाषणों में ही उन्होंने तेवर दिखाने शुरू कर दिए थे। दुनिया जानती है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति के इकोनॉमी को लेकर किए गए तमाम दावे भ्रामक और गलत पाए गए हैं जिसकी लगातार आलोचना होती रही है। अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। मगर अंदेशा है कि ट्रंप की कुछ नीतियां पिछले राष्ट्रपति जो बाइड़न से भिन्न हो सकती हैं। हालांकि ट्रंप पाकिस्तान को लेकर कड़ा रुख रखते हैं और उसे धोखेबाज और आतंकवादियों को पनाह देने वाला देश बताते रहे हैं जो भारत के पक्ष में जाता है। वह चीन के खिलाफ भी टैरिफ लगाने की धमकी दे चुके हैं जबकि वहां के राष्ट्रपति से उनकी करीबी बढ़ती दिखरही है जिसका असर भारत-जापान जैसे देशों पर पड़. सकता है। चूंकि ट्रंप बड़े. उद्योगपति हैं, इसलिए वे ट्रेड़ और निवेश को लेकर मुखर है। ट्रंप की नीतियों के प्रति राजनीतिक विश्लेषक पहले ही अंदेशा जता चुके हैं। अमेरिकी ड़ॉलर की साख को वैश्विक आर्थिक बाजार में लगने वाला कोई भी झटका उनकी अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती साबित हो सकता है। अर्थव्यवस्था के मसले में जो भी मुल्क मजबूत हो रहे हैं, वे सब अंकल सैम के लिए खतरा साबित हो सकते हैं।

चिंतन-मनन

जो हो रहा है उसके जिम्मेदार हम स्वंय हैं

हम मनुष्यों की एक सामान्य सी आदत है कि दुःख की घड़ी में विचलित हो उठते हैं और परिस्थितियों का कसूरवार भगवान को मान लेते हैं। भगवान को कोसते रहते हैं कि हे भगवान हमने आपका क्या बिगाड़ा जो हमें यह दिन देखना पड़ रहा है। गीता में श्री कृष्ण ने कहा है कि जीव बार-बार अपने कर्मों के अनुसार अलग-अलग योनी और शरीर प्राप्त करता है। यह सिलसिला तब तक चलता है जब तक जीवात्मा परमात्मा से साक्षात्कार नहीं कर लेता। इसलिए जो कुछ भी संसार में होता है या व्यक्ति के साथ घटित होता है उसका जिम्मेदार जीव खुद होता है। संसार में कुछ भी अपने आप नहीं होता है। हमें जो कुछ भी प्राप्त होता है वह कर्मों का फल है। इश्वर तो कमल के फूल के समान है जो संसार में होते हुए भी संसार में लिप्त नहीं होता है। ईश्वर न तो किसी को दुःख देता है और न सुख।

इस संदर्भ में एक कथा प्रस्तुत है? गौतमी नामक एक वृद्धा ब्राह्मणी थी। जिसका एक मात्र सहारा उसका पुत्र था। ब्राह्मणी अपने पुत्र से अत्यंत स्नेह करती थी। एक दिन एक सर्प ने ब्राह्मणी के पुत्र को डंस लिया। पुत्र की मृत्यु से ब्रह्मणी व्याकुल होकर विलाप करने लगी। पुत्र को डंसने वाले सांप के ऊपर उसे बहुत प्रोध आ रहा था। सर्प को सजा देने के लिए ब्राह्मणी ने एक सपेरे को बुलाया। सपेरे ने सांप को पकड़ कर ब्राह्मणी के सामने लाकर कहा कि इसी सांप ने तुम्हारे पुत्र को डंसा है, इसे मार दो।

ब्राह्मणी ने संपरे से कहा कि इसे मारने से मेरा पुत्र जीवित नहीं होगा। सांप को तुम्ही ले जाओ और जो उचित समझो सो करो। सपेरा सांप को जंगल में ले आया। सांप को मारने के लिए सपेरे ने जैसे ही पत्थर उठाया, सांप ने कहा मुझे क्यों मारते हो, मैंने तो वही किया जो काल ने कहा था। सपेरे ने काल को ढूंढा और बोला तुमने सर्प को ब्राह्मणी के बच्चे को डंसने के लिए क्यों कहा। काल ने कहा ब्राह्मणी के पुत्र का कर्म फल यही था। मेरा कोई कसूर नहीं है। सपेरा कर्म के पहुंचा और पूछा तुमने ऐसा बुरा कर्म क्यों किया। कर्म ने कहा मुझ से क्यों पूछते हो, यह तो मरने वाले से पूछो मैं तो जड़ हूं। इसके बाद सपेरा ब्राह्मणी के पुत्र की आत्मा के पास पहुंचा। आत्मा ने कहा सभी ठीक कहते हैं। मैंने ही वह कर्म किया था जिसकी वजह से मुझे सर्प ने डंसा, इसके लिए कोई अन्य दोषी नहीं है।

एक्टर के हर एक्ट पर सवाल करती सियासत

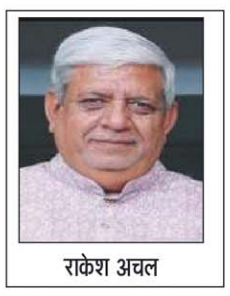

राकेश अचल

सैफ अली खान एक अभिनेता हैं इसलिए उनकी हर गतिविधि क्या अभिनय होती है ? ये सवाल हमने-आपने नहीं बल्कि महाराष्ट्र के सियासतदानों ने उठाया है। सैफ पर हमला ही अब सियासी मुद्दा हो गया है। किसी को यकीन ही नहीं हो रहा कि जानलेवा हमले के बाद सैफ मात्र 3 दिन में तंदुरुस्त होकर अपने घर आ सकते हैं। क्योंकि आम आदमी तो कम से कम एक पखवाड़े तक पलंग नहीं छोड़ सकता। आम आदमी में किसी अभिनेता जितनी कूबत ही नहीं होती।

मैं अक्सर कहता हूँ कि हमारे मुल्क में सियासत मुद्दों पर नहीं होती,सियासत बेसिर -पैर की होती है। और जब होती है तो होती ही चली जाती है। सियासत का ये चरित्र बदलना आसान नहीं है। ये कलिकाल की नहीं मोदी युग की देन है और इसके लिए किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। अभिनेता सैफ अली खान की अस्पताल से छुट्टी के बाद प्रदेश सरकार के एक मंत्री नितेश राणे ने सवाल उठाए हैं। उनका मानना है कि सैफ पर हमला संदिग्ध हो सकता है। राणे ने राजनीतिक नेताओं पर पक्षपात का आरोप लगाते हुए हिंदू कलाकारों की उपेक्षा की बात कही और बढ़ते बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुद्दे पर चिंता जताई । अब ये राणे कौन से नेता हैं ,ये बताने की जरूरत नहीं है।

सैफ के ऊपर सवाल खड़े करने वाले राणे अकेले नहीं है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने एक बड़ सवाल खड़ा किया है. उन्होंने हमले की घटना क जिक्र करते हुए इतनी जल्दी ठीक होने पर कहा वि सैफ को 16 जनवरी की घटना के बारे में बताना चाहिए। निरुपम भले ही दलबदलू किन्तु अनुभवी नेत हैं इसलिए उन्होंने अपना सवाल बड़ी ही नजाकत वे साथ किया है। निरुपम ने कहा कि 16 जनवरी क सैफ अली खान के साथ जो कुछ भी हुआ, वह बेहद चिंताजनक है. हम परिवार के साथ हैं. सैफ क अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और बाहर वह ऐसे दिखे हैं जैसे वह शूटिंग करने के लिए फिट हैं. यह देखना आश्चर्यजनक है. डॉक्टरों ने कहा था कि चाकू उनकी पीठ में 2.5 इंच तक घुस गया था, जिसके लि छह घंटे का ऑपरेशन करना पड़ा. चिकित्सकीय रू से इतनी जल्दी ठीक होना कैसे संभव है ?

भाजपा पहले ही सैफ पर हमले को अंतर्राष्ट्रीय मुद्द बना चुकी है ,क्योंकि महाराष्ट्र की पुलिस ने सैफ प हमले के आरोप में जिस आरोपी को पकड़ा है व संयोग से बांग्लादेशी है। भाजपा के लिए बांग्लादेश घुसपैठिये चुनावी मुद्दा रहे हैं ,ये बात और है कि के में भाजपा की सरकार ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्र शेख हसीना को बाकायदा सरकारी मेहमान बनाक शरण दी हुई है। बांग्लादेश के लोग भी इससे हैरत में हैं और भारतीय जनता पार्टी के लोग भी,लेकि भाजपा का कोई नेता अपने पंत प्रधान से हसीना वे बारे में सवाल करे कैसे ? भाजपा में तो सवाल करना ही राष्ट्रद्रोह माना जाता है ,बल्कि यूं कहिये कि घोषित गैरजमानती अपराध है।

नेशनल कांफ्रेंस के सदर और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ फारुख अब्दुल्ला ने सैफ के जल्द ठीक होने पर तो कोई बात नहीं की लेकिन उन्होंने सैफ के कथित हमलावर के बहाने पूरे बांग्लादेशियों को अपराधी माने जाने की निंदा की है। उनका कहना है कि किसी एक व्यक्ति की गलती का ठीकरा पूरे देश पर नहीं फोड़ा जा सकता। लेकिन डॉ अब्दुल्ला की नसीहत भाजपा वाले या शिव सेना वाले क्यों मानने लगे ? भाजपा और शिव सेना के नेता और कार्यकर्ता खुद अपने दिल की ही नहीं मानते। इन पार्टियों के नेताओं को न सैफ पर भरोसा है और न चिकित्सा विज्ञान पर। ये देह की जीवनशक्ति के बारे में भी कुछ नहीं जानते। ये लोग केवल और केवल हिन्दू और मुसलमान जानते हैं। इन सभी का काम इसी अल्प जानकारी से चल जाता है। सैफ अली के माता-पिता से इस देश की आधी से अधिक आबादी का जुड़ाव है ,और ये जुड़ाव स्वाभाविक है ,इस जुड़ाव की वजह हिन्दू-मुसलमान नहीं है। सैफ के पिता नबाब पटौदी एक बेहतरीन क्रिकेट खिलाड़ी थे और सैफ की माँ शर्मिला टैगौर एक बेहतरीन अदाकारा। इस जोड़ी की अपनी-अपनी उपलब्धियां हैं ,इसमें किसी राजनीतिक दल का कोई योगदान नहीं है। हम जिस पीढ़ी से आते हैं उस पीढ़ी के लिए नबाब पटौदी और शर्मिला टैगौर देश के लिए गर्व का विषय रहे है। इस जोड़ी ने यदि मोदियुग में शादी की होती तो मरहूम नबाब साहब के खिलाफ लव जिहाद का मामला चल रहा होता। पटौदी और टैगौर की सनातन सैफ अली और उनकी पत्नी भी देश की एक पीढ़ी में लोकप्रिय अभिनेता रहे हैं ,इसलिए कम से कम आम आदमी तो सैफ की रिकवरी को लेकर कोई सवाल नहीं करना चाहेगा ,लेकिन नेतागण नहीं मानने वाले। कहते हैं न -कुछ तो लोग कहेंगे,लोगों का काम है कहना भाजपा और शिवसेना के लोग इस बात से भी खुश हैं की सैफ के दिन अच्छे नहीं चल रहे हैं। सैफ के लिए एक और बुरी खबर और आई है। सैफ अली खान के पटौदी परिवार की 15,000 करोड़ रुपये की संपत्ति सरकार शत्रु संपत्ति अधिनियम के तहत अपने नियंत्रण में ले सकती है। बता दें कि ये संपत्ति मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित है। दरअसल, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक अहम फैसला देते हुए 2015 में इन संपत्तियों पर लगाए गए रोक को हटा दिया है। कोर्ट के इस फैसले के बाद शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 के तहत इन संपत्तियों के अधिग्रहण का रास्ता खुल गया है। ध्यान रखिये की मप्र में भाजपा की सरकार है जो हिन्दू-मुसलमान करने में माहिर ह। जाहिर है की प्रदेश की भाजपा सरकार का दिल इस घटना से बल्लियों उछल रहा होगा। भाजपा का बस चले तो वो देश के तमाम मुसलमानों की सम्पत्ति को शत्रु सम्पत्ति घोषित कर जब्त कर ले। लेकिन खुदा गंजों को नाखून नहीं देता। हमारे नेताओं को भगवान सद्बुद्धि दे।

बहरहाल हम सियासत के लिए किसी के स्वास्थ्य को हथियार बनाये जाने के खिलाफ है। इस मामले में आप अपने मन से पूछिए ,शायद सही जबाब मिल जाये। क्योंकि सच्चाई से साक्षात्कार कोई सियासी दल,कोई धर्म नहीं करा सकत। दिल ही सच का अहसास करा सकता है। खुदा हाफिज।

देश में प्रतिबंधित क्यों नहीं हो रही जानलेवा 'चाईना डोर'

निर्मल रानी

विश्व के सबसे बड़े बाजार के रूप में अपनी पहचान रखने वाले भारत में चीन जैसे पड़ोसी देश के अनगिनत उत्पाद पटे पड़े हैं। शायद ही कोई क्षेत्र ऐसा हो जिससे संबंधित सामग्री चीन निर्मित न कर रहा हो और भारत सहित पूरी दुनिया को उनकी आपूर्ति न कर रहा हो। छोटी से छोटी मामूली चीजों से लेकर बड़ी से बड़ी और भारी से भारी वस्तुएं चीन द्वारा निर्मित कर भारत भेजी जा रही हैं। मिसाल के तौर पर जहाँ चीन निर्मित मोबाईल फोन लैपटॉप व कंप्यूटर आदि भारतीय बाजार में भरे पड़े हैं वहीँ चाईना की रंग बिरंगी लाईट्स दीपावली, नववर्ष जैसे अनेक अवसरों पर पूरे देश में अपनी रंगबिरंगी छटायें बिखेरती हैं। सजावट, मशीनरी, कांच, पत्थर, प्लास्टिक, खिलौना, कपड़ा, बर्तन, क्रॉकरी, फर्नीचर, हार्डवेयर, आतिशबाजी, धार्मिक सामग्री, देवी देवताओं भगवानों के चित्र, फोटो फ्रेम, नजर बट्टू, कंठी माला टोपी तस्बीह मुसल्ला मेडिकल व सर्जिकल सामग्री जैसी तमाम क्षेत्रों से सम्बंधित सामग्रियों का निर्माण व इनकी आपूर्ति चीन द्वारा भारत सहित पूरे विश्व में की जाती है। इन्हीं चीन निर्मित सामग्रियों में कुछ सामग्री ऐसी भी हैं जिनका इस्तेमाल करना लोगों की जान से खिलवाड़ करने जैसा है। ऐसी ही मनोरंजन से जुड़ी एक सामग्री है 'चाईना डोर'। 'चाईना डोर ' का प्रयोग पतंगबाजी में किया जाता है। और भारत पूरे विश्व में पतंगबाजी के लिये प्रसिद्ध है। वसंत पंचमी जैसे अनेक त्योहारों पर तथा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर और इसके अलावा छुट्टियों के दिनों में तमाम लोग अपने फुर्सत के लम्हे पतंगबाजी कर बिताना चाहते हैं। चीन जहाँ भारत को तरह तरह की रंग बिरंगी छोटी बड़ी पतंगें निर्यात करता है वहीँ पतंग उड़ने में प्रयोग किया जाने वाला डोर /मांझा भी चीन से ही आता है। दरअसल पतंगबाजी में प्रयुक्त मांझा जो भारत में भी बनता है उसमें भी कुशाग्रता अथवा धार पैदा करने के लिये उसमें पिसे हुये कांच का पाउडर मिलाया जाता है। और भारत में चाईना डोर के आने की शुरूआत से पहले भी पतंग उड़ाने वाले मांझे में उलझकर अनेक लोग जख़्मी हो जाते थे। परन्तु आखिरकार वह भारतीय मांझा टूट जाया करता था। लेकिन जबसे भारतीय बाजार में चाइनीज मांझों ने अपनी दस्तक दी है तब से तो पतंगबाजी मनोरंजन से अधिक दहशत भरे व जानलेवा मनोरंजन के रूप में जाना जाने लगा है। हालत यह हो गयी है कि शायद ही कोई दिन ऐसा होता हो जिस दिन देश के किसी न किसी कोने से चाईना डोर के चलते होने वाले हादसों की खबरें न आती हों। दरअसल चाईना डोर में प्रयुक्त धागा किसी ऐसी सामग्री का बना हुआ तेज धार वाला धागा है जो किसी व्यक्ति, वाहन पशु पक्षी से उलझने के बावजूद खिंचने पर आसानी से टूटता नहीं। पिछले दिनों हद तो यह हो गयी कि 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन ही अकेले गुजरात में ही 6 लोग पतंगबाजी में मर गये। आश्चर्य तो यह कि स्वयं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी मकर संक्रांति के अवसर पर उसी दिन गुजरात में ही स्थानीय लोगों के साथ पतंग उड़ाने का आनंद लिया। उन्होंने उत्तरायण पर्व (मकर संक्रांति) के अवसर पर शहर के मेमनगर इलाके में शांतिनिकेतन अपार्टमेंट की छत पर पतंग उड़ाई। पूरे देश में उसी दिन चाईना डोर से अनेक लोगों की मौत हो गयी। इसका तीखापन, धार व मजबूती ऐसी है कि आजके दौर में दुपहिया व चारपहिया वाहनों में इस्तेमाल होने वाले फाईबर या प्लास्टिक के बने बम्पर, लेग गॉर्ड अथवा अन्य एसेसरीज को भी यह काट देता है। जाहिर है ऐसे में प्राणियों का बचने का सवाल ही नहीं है। उदाहरणार्थ गत दिनों लुधियाना में एक मोर के गले में यही प्लास्टिक टाइप चाइना डोर फँस गयी जिससे उसकी मौत हो गयी। समाचार यह भी है कि यह मांझा सुचालक होता है जिसके कारण इसमें करेंट प्रवाहित हो जाता है। चाईना डोर से करंट लगने से भी कई मौतें हो चुकी हैं। गले, कलाई और हाथों की नस कटना और अत्यधिक रक्त प्रवाह के चलते मौत होने की तो अनेकानेक घटनाएं घटित हो चुकी हैं।

पिछले दिनों अमृतसर व जालंधर में एक ही दिन में घटी दो अलग अलग घटनाओं में 19 वर्षीय पवनदीप व 45 वर्षीय की मौत हो गयी। इन दोनों की मौत चाईना डोर से गले में सांस की नस कट जाने के कारण हुई। इस मामले में दोनों ही जगह पुलिस द्वारा कुछ अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकददमा दर्ज किया गया है। सवाल यह है कि किस पर चलना चाहिये हत्या का मुकद्दमा? इस तरह के हादसों का जिम्मेदार कौन हो सकता है? ऐसी खतरनाक सामग्री बेचने वाला? इसे खरीद कर इस्तेमाल करने वाला? या फिर इसका निर्माण व आपूर्ति करने वाला? कोई भी हो परन्तु कम से कम इस से उलझकर अपनी जान गंवाने वाला बेगुनाह तो हरगिज नहीं हो सकता? चाईना डोर /मांझे से कटकर जान गंवाने की खबरें दशकों से हमारे देश के अखबारों में सुर्खियों में रहती हैं। अब तो यह जानलेवा मांझा दुकानों के अलावा ऑन लाइन भी उपलब्ध है। परन्तु सरकार की तरफ से इस दिशा में कोई कदम उठाने का कोई समाचार नहीं है।

जनता को उसके हाल पर छोड़ने की यह कुछ ऐसी ही मिसाल है जैसे कि कहीं मेनहोल का ढक्कन खुला पड़ा है या सड़कों पर गड्ढे हैं तो उसके चलते होने वाले किसी भी हादसे या मौत की जिम्मेदारी सरकार की नहीं होती बल्कि मरने या घायल होने वाला ही अपनी गलती सहर्ष स्वीकार कर या तो यमराज के हमराह चला जाता है या अस्पतालों के चक्कर लगता रहता है और लाखों रुपए के चक्कर में पड़ जाता है। परन्तु सरकार को केवल अपने रोड टैक्स और कमेटी टैक्स से ही वास्ता है। हाँ यदि आपसे टैक्स भरने में देर हो गयी तो जुरमाना वसूलना जरूर सरकार का काम है, सड़कों गड्ढों मेनहोल आदि को दुरुस्त व सुचारु रखना हरगिज नहीं? सरकार को चाहिये कि आम लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाली ऐसी जानलेवा सामग्रियों को तत्काल रूप से प्रतिबंधित करे। ऐसी सामग्रियों पर लगने वाले सीमा शुल्क अथवा जी एस टी से अधिक जरूरी है आम लोगों की जान सुरक्षित करना। पशु पक्षियों की जान बचाने की कोशिश करना तथा चाईना डोर /मांझे के चलते होने वाली दुर्घटनाओं को टालना। इसलिये सरकार को तत्काल प्रभाव से देश में चाईना डोर /मांझे के आयात को प्रतिबंधित कर देना चाहिये। आश्चर्य है कि इतनी मौतों व दुर्घटनाओं के बावजूद अभी तक जानलेवा 'चाईना डोर' प्रतिबंधित क्यों नहीं हो रही है?

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार। मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

आराध्या की परवरिश को लेकर बोले अभिषेक बच्चन

बेटी की परवरिश और अपने निजी जीवन को लेकर अभिषेक बच्चन ने बात की है। उन्होंने कहा कि माता पिता हमेशा सबसे अच्छे शिक्षक हों जरूरी नहीं है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अभिषेक बच्चन ने पैरेंटिंग को लेकर अपना दृष्टिकोण पर विचार साझा किया। साथ ही उन्होंने युवा पीढ़ी की बदलती मानसिकता पर भी अपने विचार बताए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि माता-पिता सबसे अच्छे शिक्षक हैं या नहीं। मैं इस पर कुछ नहीं कह सकता हूं। मुझे लगता है कि हमारी भावनाएं आड़े आती हैं। हमारे बच्चों की यह इच्छा कि वे सब कुछ सही करें और सफल हों और खुद को चोट न पहुंचाएं ऐसा नहीं हो सकता। हम अपने बच्चों के लिए जो सोचते हैं, उससे उन्हें भी नुकसान पहुंच सकता है।

माता-पिता से सीख मिली

अभिषेक बच्चन ने कहा कि मैंने अपने माता-पिता से जो कुछ भी सीखा उसे समझा। वह उनके व्यवहार को देखकर है, जरूरी नहीं कि उन्होंने मुझे जो बताया है, उससे ही सीखा है।卐 अभिषेक बच्चन ने कहा कि मेरे माता पिता ने हमेशा मुझे अपने फैसले खुद लेने की स्वतंत्रता दी। मैं खुद ये सोचता हूं, कि अगर परिस्थिति में मेरे पापा होते तो क्या करते। उसी हिसाब से मैं भी चीजें करता हूं।

परवरिश के लेकर बोले अभिषेक

आराध्या की परवरिश को लेकर अभिषेक ने कहा, मुझे लगता है कि आज की जनरेशन वाकई बहुत अलग है। उन्हें किसी भी तरह की पहले से चली आ रही चीजों को जरूरी समझने की जरूरत नहीं है, जैसे हम करते आ रहे हैं। उन्हें लगता है कि वे ये काम बस इसलिए नहीं कर सकते कि उनके माता पिता ने ये काम नहीं किया या मना किया। वे हमेशा कुछ नया करने की कोशिश करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं मानता हूं कि अगर माता पिता हैं, या कोई उम्र में बड़ा है तो जरूरी नहीं कि वह सही सलाह दे या हर बात का सही जवाब ही दें।

इस फिल्म में नजर आए अभिषेक बच्चन

वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिषेक बच्चन को हाल ही में आई फिल्म आई वांट टू टॉक में देखा गया। हालांकि, यह फिल्म फैंस पर अपना कुछ खास जादू नहीं चला सकी थी। आई वांट टू टॉक अब ओटीटी पर भी रिलीज हो चुकी है। इसकी घोषणा खुद सुजीत सरकार ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की।

फिल्म धूम धाम में प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं यामी गौतम

प्यार, हंसी और शादी की रस्मों से सजी फिल्म धूम धाम ओटीटी पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म में यामी गौतम प्रतीक गांधी के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म का निर्देशन ऋषभ सेठ ने किया है। फिल्म का प्रोडक्शन आदित्य धर और लोकेश धर ने किया है। फिल्म 14 फरवरी यानी वैलेंटाइन डे पर रिलीज होने वाली है।

ऐसी है फिल्म की कहानी

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की जोड़ी को फिल्म में देखा जाने वाला है। ये कहानी है कोयल और वीर की। वीर एक मम्मा बॉय है जो कि एक एनिमल डॉक्टर भी है। वहीं, यामी गौतम के किरदार कोयल चुलबुली सी लड़की है। फिल्म का टीजर आज नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ है। इसमें कोयल और वीर की लव स्टोरी में ड्रामा और कॉमेडी की मिली जुली झलक दिखाई दे रही है। फिल्म को लेकर आदित्य धर ने कहा कि

वह कुछ अलग और मनोरंजक बनाना चाहते थे। जहां हंसी, एक्शन और रोमांस शामिल हो। फिल्म में फैंस को यामी और प्रतीक की जोड़ी देखने को मिलने वाली है।

इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

यामी गौतम और प्रतीक गांधी की फिल्म धूम धाम ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने वाली है। ओरिजन फिल्म की निर्देशक रुचिका कपूर शेख ने कहा, धूम धाम एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जो शादी के दिन कुछ अलग सी ही चीजें लेकर आता है। इस फिल्म के जरिए हम अपने दर्शकों का मनोरंजन कर सकेंगे।

बॉलीवुड में करियर बनाना चाहते हैं यशवर्धन

बॉलीवुड स्टार किड्स का फिल्मों में आना कोई नई बात नहीं है। हाल ही में रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी और अजय देवगन के भतीजे अमन देवगन ने फिल्म आजाद के जरिए अपना बॉलीवुड डेब्यू किया। हालांकि बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई, लेकिन फिल्म में राशा का डांस और अभिनय प्रशंसकों को बेहद पसंद आया। वहीं अब गोविंदा के बेटे यशवर्धन भी बॉलीवुड फिल्मों में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं।

गोविंदा के बेटे यशवर्धन आहूजा और बाबिल एक फिल्म में साथ काम सकते हैं। कथित तौर पर यशवर्धन आहूजा, साई राजेश द्वारा निर्देशित आगामी अनाम रोमांटिक ड्रामा में नजर आ सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म में एक और स्टार किड भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आ सकता है। दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान हैं।

पिता के नक्शेकदम पर यशवर्धन

दरअसल, कथित तौर पर फिल्म निर्माता अपनी रोमांटिक फिल्म के लिए नए चेहरा चाहते हैं, जिसके चलते बाबिल खान और यशवर्धन आहूजा को कास्ट करने की योजना बनाई जा रही है। अल्लू अरविंद और एसकेएन फिल्म्स के सहयोग से मधु मंटेना द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन साई राजेश करेंगे, जो कलर फोटो, हृदय कलेयम और बेबी जैसी बेहतरीन तमिल फिल्मों के लिए प्रसिद्ध हैं।

धूम 4 की स्टार कास्ट फाइनल? अभिषेक बच्चन को विक्की कौशल ने किया रिप्लेस

बॉलीवुड की एक्शन ड्रामा फिल्म धूम 4 को लेकर अटकलें लगाई जा रही है कि इस फिल्म में नई स्टार कास्ट को फाइल कर लिया है। अभिषेक बच्चन और उदय चोपड़ा के रोल में कथित तौर पर इस बार बॉलीवुड के ये स्टार्स नजर आएंगे। धूम 4 में विक्की कौशल इस फ्रैंचाइजी में शामिल हो सकते हैं और अभिषेक की जगह ले सकते हैं। धूम 4 में रणबीर कपूर मुख्य खलनायक की भूमिका में होंगे। हालांकि जूनियर बच्चन की जगह कोई और ले सकता है, लेकिन उदय चोपड़ा की जगह कौन ले सकता है? मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्की कौशल ने वाईआरएफ के प्रमुख आदित्य चोपड़ा से मुलाकात की, जिन्होंने अभिनेता को दो प्रोजेक्ट्स में कास्ट करने के लिए कहा है, जिनमें से एक धूम 4 है। विक्की को अभिषेक बच्चन (एसीपी जय दीक्षित) की पुलिस वाले की भूमिका मिलेगी। धूम 4 के अलावा, विक्की को आलिया भट्ट की अल्फा में भी देखा जा सकता है। बहरहाल, अभी तक इसे लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

हॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियों के बराबर हैं बॉलीवुड की सबसे स्टाइलिश अदाकारा मौनी रॉय

मौनी रॉय को भारत की सबसे स्टाइलिश स्टार्स में से एक के रूप में तेज़ी से उभरना सरप्राइज से कम नहीं है। प्रेस इवेंट में चमकदार उपस्थिति से लेकर लंदन फैशन वीक में धूम मचाने और यहां तक कि इबीसा में आकर्षक हॉलिडे लुक पेश करने तक, मौनी की फैशन यात्रा ग्लोबल ट्रेंड और व्यक्तिगत आकर्षण का एक बेहतरीन मिश्रण दर्शाती है। जो चीज़ उन्हें अपने कई समकालीनों से अलग करती है, वह अपने विशिष्ट, फैशन-फ़ॉरवर्ड सौंदर्य के प्रति सच्चे रहते हुए सहजता से हॉलीवुड-स्तर के ग्लैमर को प्रसारित करने की उनकी क्षमता है। चाहे वह बोल्ड मोनोक्रोम सूट, रॉकिंग स्ट्रक्चर्ड कॉउचर गाउन, या जीवंत वेकेशन वियर को अपनाना हो, मौनी की पोशाक पसंद हमेशा सही केंद्र पर होती है। विस्तार पर उनकी पैनी नज़र, त्रुटिहीन एक्सेसरीज़ का चयन, और क्या काम करता है इसकी सहज समझ उन्हें हर जगह महिलाओं के लिए स्टाइल प्रेरणा बनाती है।

सहज फैशन - मौनी रॉय की फैशन पसंद सोफेस्टिकेशन, टाइमलेस और कॉन्टेंप्रोरी स्वभाव के बीच एक आदर्श संतुलन दर्शाती है। चाहे वह रेड कार्पेट इवेंट हो या इबीसा में छुट्टी पर एक आकस्मिक दिन, उनका लुक शानदार, ठाठदार और हमेशा अंतरराष्ट्रीय रुझानों के साथ तालमेल में होता है, जो उन्हें अपने साथियों के बीच अलग बनाता है।

हॉलीवुड आइकॉन के बराबर रेड कार्पेट ग्लैमर - कान्स के ग्लैमर को उजागर करने वाले शानदार गाउन से लेकर हॉलीवुड के सर्वश्रेष्ठ संरचित एलबीडी तक, मौनी की रेड कार्पेट उपस्थिति अनुग्रह और शिष्टता में एक मास्टरक्लास होते है। वह सुनिश्चित करती हैं कि उनका लुक विश्व स्तर पर प्रासंगिक और इंस्टाग्राम-योग्य हो।

रुझानों के प्रति एक साहसी दृष्टिकोण - हॉलीवुड के ट्रेंडसेटरों की तरह, मौनी प्रेस मीट, मूवी स्क्रीनिंग और डेट नाइट्स में फैशन-फ़ॉरवर्ड शैलियों के साथ प्रयोग करने में निडर हैं। उन्होंने विविध सौंदर्यशास्त्र को अपनाने में अपनी बहुमुखी प्रतिभा और आत्मविश्वास का प्रदर्शन करते हुए, बोल्ड मोनोक्रोमैटिक पावर सूट से लेकर अलौकिक लहंगे तक सब कुछ सफलतापूर्वक किया है।

बेदाग स्टाइल और बारीकियों पर ध्यान - मौनी अपने लुक को सटीकता के साथ तैयार करती हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर चीज़-बाल और मेकअप से लेकर पोशाक समन्वय तक - सहजता से फिट बैठता है और एक कहानी कहता है। विस्तार पर उनका बहुत ध्यान और उच्च गुणवत्ता वाली टेलरिंग के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें हॉलीवुड के अभिजात वर्ग की तुलना में एक शानदार बढ़त देती है।

साउथ फिल्म कन्नप्पा में महादेव के किरदार में नजर आएंगे अक्षय कुमार

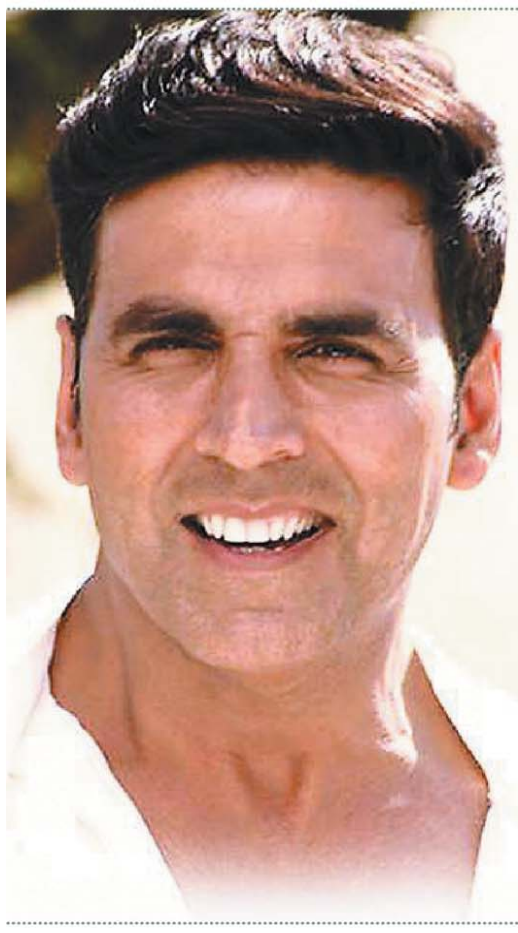

साउथ फिल्म कन्नप्पा का एलान पिछले साल हुआ था। फिल्म से लगातार हर एक अभिनेता का लुक सामने आ चुका है। विष्णु मांचू से लेकर माता पार्वती के किरदार में काजल अग्रवाल का लुक भी सामने आ चुका है। वहीं आज कुछ ही देर पहले अक्षय कुमार का महादेव के रुद्र अवतार में लुक जारी किया गया है। इस लुक के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट भी सामने आ गई है। इन दिनों अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म स्काई फोर्स को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच आज फिल्म निर्माताओं ने साउथ फिल्म कन्नप्पा से अक्षय कुमार के लुक का एक पोस्टर जारी किया है, जिससे साफ हो गया है कि अक्षय कुमार फिल्म में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे।

कन्नप्पा मूवी से अक्षय कुमार का फुल लुक सामने आ चुका है। वह कन्नप्पा में महादेव की भूमिका में नजर आएंगे। पोस्टर में खिलाड़ी कुमार एक हाथ में त्रिशूल और एक हाथ में डमरू लिए हुए नजर आ रहे हैं। साथ ही उनके माथे पर भस्म लगी हुई है। भगवान शिव के अवतार में उन्हें एक बार फिर से देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हैं। इस फिल्म से पहले अक्षय फिल्म ओ माय गॉड में भगवान शिव की भूमिका निभा चुके हैं। अक्षय कुमार ने कन्नप्पा से अपना लुक शेयर करते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, कन्नप्पा के लिए महादेव की पवित्र आभा में कदम रखते हुए। इस महाकाव्य कथा को जीवंत करने का गौरव प्राप्त हुआ है। भगवान शिव इस दिव्य सफर में हमारा मार्गदर्शन करें। ओम नमः शिवाय।

मोहन बाबू निर्मित कन्नप्पा में लीड रोल में विष्णु मांचू निभा रहे हैं। भगवान शिव पर आधारित पौराणिक फिल्म में प्रभास, अक्षय कुमार, मोहनलाल, सरथकुमार, मधु, मोहन बाबू, काजल अग्रवाल और ब्रह्मनंदन जैसे सितारे अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म इसी साल 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दलपति 69 के बाद एक और फिल्म करेंगे विजय? आधिकारिक घोषणा का इंतजार

दलपति विजय इन दिनों अपनी आगामी फिल्म दलपति 69 को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, पहले यह जानकारी सामने आई थी कि इस फिल्म को पूरी करने के बाद वह फिल्मों से संन्यास ले लेंगे, लेकिन अब जानकारी के अनुसार दलपति 70 भी आ सकती है, जिसने प्रशंसकों की उत्सुक्ता को और अधिक बढ़ा दिया है।

विजय की अगली फिल्म का नाम दलपति 70 हो सकता है?

कथित तौर पर पिछले साल विजय ने अपने प्रशंसकों से कहा था कि दलपति69 के सिनेमाघरों में आने के बाद वह फिल्में छोड़ देंगे और सक्रिय राजनीति में अधिक समय बिताएंगे। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दलपति 69 के बाद दलपति70 में भी नजर आ सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो यह विजय के प्रशंसकों के लिए बहुत बड़ी सौगात होगी। पिछले कुछ दिनों से, अटकलें लगाई जा रही हैं कि विजय अपनी 70वीं फिल्म में अभिनय करने पर विचार कर रहे हैं। जाहिर है, अभिनेता ने अपने द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम निर्देशक वेंकट प्रभु से अपने अगले प्रोजेक्ट के लिए स्क्रिप्ट लिखने के लिए कहा है। तमिल प्रोडक्शन हाउस 7 स्क्रीन स्टूडियो, जिसने विजय की मास्टर और लियो को बनाया था, दलपति 70 को बनाएगा। कहने की जरूरत नहीं है कि विजय के प्रशंसक चल रही चर्चा से बहुत खुश हैं, और वे इस आगामी परियोजना के बारे में आधिकारिक घोषणा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अंडर-19 विश्व कप: भारत ने श्रीलंका को हराया, सुपर सिक्स में जगह पक्की

कोलकाता (एजेंसी)। कुआलालंपुर सलामी बल्लेबाज जी तृषा की 49 रन की पारी और तेज गेंदबाजों की नई गेंद से शानदार गेंदबाजी से भारत ने यहां श्रीलंका पर 60 रन की एकतरफा जीत के साथ ग्रुप ए में शीर्ष पर रहते हुए आईसीसी अंडर-19 टी20 महिला विश्व कप के सुपर सिक्स में प्रवेश किया।

बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में त्रिशा ने 44 गेंदों की पारी में पांच चौके और एक छक्का लगाया जिससे भारत को नौ विकेट पर 118 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। मिथिला विनोद (10 गेंद में 16 रन) और वीजे जोशीथा (नौ गेंद में 14 रन) ने आखिरी ओवरों में तेजी से रन बनाए। इसके बाद तेज गेंदबाज जोशीथा (17 रन पर दो विकेट) और शबनम शकील (नौ रन पर दो विकेट) ने शुरुआती चार ओवर में दो-दो विकेट झटक कर श्रीलंका का स्कोर चार विकेट परनौ रन कर दिया।

अगले ओवर में कप्तान मनुडी नानायककारा के रन आउट होने से उसकी 12 रन तक आधी टीम पवेलियन पहुंच गई।श्रीलंका की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 58 रन ही बना सकी। भारत ने ग्रुप चरण के अपने अभियान को तीन मैचों में तीन जीत के साथ खत्म किया। श्रीलंका के लिए रश्मिका सेवांडी (12 गेंद में 15 रन) ही दोहरे अंक में रन बना सकी।

वह अच्छी लय में दिख रही थी लेकिन जरूरी रन रेट को कम करने के लिए पारुणिका सिसोदिया (सात रन पर दो विकेट) की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में मिथिला विनोद को कैच देकर आउट हो गई। आयुषी शुक्ला (13 रन पर एक विकेट) और मलेशिया के खिलाफ पांच रन पर पांच विकेट लेने वाली वैष्णवी शर्मा (चार ओवर में तीन रन पर एक विकेट) ने भी श्रीलंका के बल्लेबाजों को रन बनाने का मौका नहीं दिया।

लक्ष्य सेन का अंतरराष्ट्रीय सर्किट में संघर्ष जारी, इंडोनेशिया मास्टर्स से बाहर हुए

जकार्ता (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन का अंतरराष्ट्रीय सर्किट में संघर्ष जारी है और वह बृहस्पतिवार को यहां इंडोनेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जापान के केंटा निशिमोटो से हारकर बाहर हो गए।

भारत के 10वीं रैंकिंग के खिलाड़ी लक्ष्य को निशिमोटो से 16-21 21-12 21-23 से पराजय मिली। इससे पहले ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की मिश्रित युगल जोड़ी को भी दूसरे दौर में हार का मुंह देखना पड़ा। इस भारतीय जोड़ी को बढ़त बनाने के बावजूद मलेशिया के पांग रोन हू और सु यिन चेंग की जोड़ी से 21-18 15-21 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता सेन ने मैच में खराब शुरूआत की और पहला गेम गंवा बैठे। उन्होंने दूसरा गेम जीत कर अच्छी वापसी की लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने 7 विकेट से जीता पहला टी-20, अभिषेक शर्मा के धुआंधार 79 रन

कोलकाता (एजेंसी)। भारत ने इंग्लैंड को पहले टी-20 में 7 विकेट से हरा दिया। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में भारत ने बॉलिंग चुनी। इंग्लिश टीम 132 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। भारत ने तेजी से बैटिंग की और 12.5 ओवर ही 3 विकेट के नुकसान पर टारगेट हासिल कर लिया। भारत से ओपनर अभिषेक शर्मा ने 34 गेंद पर 79 रन बनाए। उन्होंने पारी में 8 छक्के और 5 चौके लगाए। उन्हें आदिल रशीद ने लॉन्ग ऑफ पर हैरी ब्रूक के हाथों कैच कराया। अभिषेक शर्मा ने जैमी ओवर्टन के खिलाफ 9वें ओवर की पहली बॉल पर छक्का लगाया। इसी के साथ उन्होंने 20 गेंद पर अपनी फिफ्टी भी पूरी कर ली। अभिषेक ने अपने टी-20 करियर की दूसरी फिफ्टी लगाई। वे एक सेंचुरी भी लगा चुके हैं। बॉलिंग में वरुण चक्रवर्ती ने 3 विकेट लिए। इंग्लैंड से जोस बटलर ने 68 रन बनाए, जोफ्रा आर्चर को 2 विकेट मिले। भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली, दूसरा मैच 25 जनवरी को चेन्नई में खेला जाएगा।

रणजी ट्रॉफी में विफल रहे रोहित, यशस्वी और शुभमन

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल रणजी ट्रॉफी के अपने पहले ही मैच में विफल रहे हैं। इनका प्रदर्शन कितना खराब था, इसका अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि ये तीनों मिलकर 11 रन ही बना पाये। रोहित और यशस्वी जहां मुम्बई की ओर से खेल रहे हैं, वहीं शुभमन पंजाब के कप्तान हैं। हाल के ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारतीय टीम की खराब बल्लेबाजी के कारण क्रिकेट बोर्ड ने सभी खिलाड़ियों के लिए रणजी में खेलना अनिवार्य कर दिया था। रोहित करीब एक दशक बाद आजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली मुंबई मुम्बई की ओर से रणजी मैच में जम्मू और कश्मीर के खिलाफ खेलने उतरे। मुम्बई की । पारी की शुरुआत करते हुए यशस्वी तीसरे ही ओवर में आउट हो गए। वह तेज गेंदबाज औकिब नबी डार का शिकार बने। यशस्वी 8 गेंदों पर एक चौके की सहायता से केवल 4 रन बना पाये। वहीं कप्तान रोहित भी 19 गेंदों पर 3 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। रोहित का विकेट उमर नजीर मीर ने लिया। इसके अलावा पंजाब की ओर से कर्नाटक के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए शुभमन भी 8 गेंदों में केवल 4 रन ही ना पाये, ये रन उन्हें चौके से मिले थे। गेंदबाज अभिलाश शेट्टी ने उन्हें आउट किया। रोहित इंग्लैंड के खिलाफ छह फरवरी से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। ऐसे में उनके इस कमजोर प्रदर्शन से टीम प्रबंधन की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। रोहित के अलावा शुभमन और यशस्वी के भी असफल होने से भारतीय टीम की बल्लेबाजी की पोल खुल गयी है।

चैम्पियंस ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए तैयार हैं सभी खिलाड़ी : हार्दिक पंड्या

दुबई ।भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं।हार्दिक ने अन्य क्रिकेटरों मोहम्मद नबी, फिल साल्ट, शादाब खान और शाहीन शाह अफरीदी के साथ टूर्नामेंट के एक प्रमोशनल एड में कहा कि खिलाड़ी इसमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तैयार हैं।हार्दिक ने कहा कि भारतीय टीम इस टर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज करने उतरेगी। चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन अगले माह पाकिस्तान में किया जाएगा हालांकि भारतयी टीम अपने मुकाबले हाइब्रिड मॉडल के तहत ही दुबई में खेलेगी।भारतीय टीम ने साल 2013 में इंग्लैंड में आयोजित इस टूर्नामेंट को जीता था जबकि 2002 में वह मेजबान श्रीलंका के साथ संयुक्त विजेता रही थी।हार्दिक ने कहा कि आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी की वापसी से क्रिकेट को काफी बढ़ावा मिलेगा। यह एकदिवसीय प्रारूप को और प्रासंगिक बनाता है। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट से प्रशंसकों और खिलाड़ियों में खेल को लेकर उत्साह आता है। उन्होंने आईसीसी के एक वीडियो में कहा कि इसमें भारतीय टीम क्रिकेट के अपने विशिष्ट कौशल का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है।इसके साथ ही अपने प्रदर्शन से हर खिलाड़ी ट्रॉफी को फिर से घर लाने के लिए प्रतिबद्ध है।इस टूर्नामेंट का शुरुआती मैच पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच 19 फरवरी को कराची में होगा। वहीं भारतीय टीम 20 फरवरी को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी।यह वीडियो चैम्पियंस ट्रॉफी और 'सफेद जैकेट हासिल करने के लिए सब कुछ दांव पर लगाने वाले खिलाड़ियों के सामने आने वाली चुनौतियों को दिखाता है।

ऑटोग्राफ लेने वाला नहीं, ऑटोग्राफ देने वाला बनने की कोशिश करो : कपिल देव की स्कूली बच्चों को सलाह

गुरुग्राम ।भारत के पूर्व महान हरफनमौला कपिल देव ने बृहस्पतिवार को यहां एक निजी स्कूल में बच्चों के साथ बातचीत में उन्हें ऑटोग्राफ (हस्ताक्षर) मांगने वाले बनने से बचने और ऑटोग्राफ देने वाले बनने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। भारत के 1983 विश्व कप विजेता कप्तान ने इस दौरान छात्रों के साथ मैदान पर समय भी बिताया।

उन्होंने बल्लेबाजी में हाथ आजमाते हुए अपने अंदाज में स्क्वायर कट भी लगाए।इस 66 साल के पूर्व दिग्गज ने छात्रों को दिए अपने संदेश में कहा, 'छात्रों के व्यक्तित्व के विकास के लिए खेल एक जरूरी साधन है लेकिन उसे पढ़ाई की कीमत पर तवज्जो नहीं मिलनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'आपको कभी मेरा ऑटोग्राफ नहीं मांगना चाहिए बल्कि खुद को इतना अच्छा बनाना चाहिए कि एक दिन आप खुद उस पर हस्ताक्षर कर सकें।' कपिल की इस बात पर छात्रों ने खूब तालियां बजाई। कपिल ने पत्रकारों को बताया कि वह उत्साही छात्रों से आश्चर्यचकित थे।उन्होंने कहा, 'मैं बेहद उत्साहित और खुश हूं कि मैं छोटे बच्चों और उभरते खिलाड़ियों के साथ अच्छा समय बिता सका।मुझे यह अवसर देने के लिए मैं स्कूल प्राधिकरण को धन्यवाद देता हूं।'

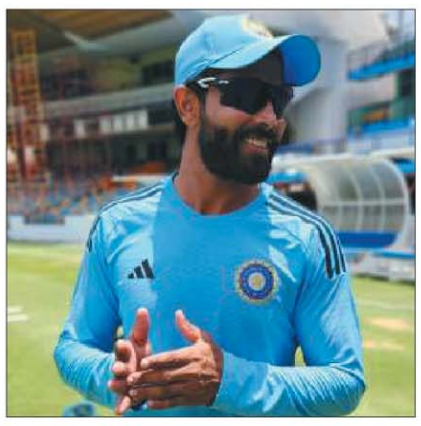

रणजी ट्रॉफी : जडेजा ने दिल्ली के खिलाफ पांच विकेट लिए

नई दिल्ली ।आज से यहां शुरु हुए रणजी ट्रॉफी सत्र में सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा ने पहली पारी में घातक गेंदबाजी करते हुए दित्ली के खिलाफ पांच विकेट लिए।जडेजा की बेहतरीन गेंदबाजी से ही सौराष्ट्र ने दिल्ली को पहली पारी में 188 रन पर समेट दिया।दिल्ली की ओर से कप्तान आयुष बदोनी ने अर्धशतक लगाया। वहीं सौराष्ट्र की ओर से जडेजा ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 35वीं बार 5 विकेट ।जडेजा ने 17.4 ओवर में 66 रन देकर 5 विकेट लिए। उन्होंने सनत सांगवान, यश ढुल, आयुष बदोनी, हर्ष त्यागी और नवदीप सैनी के विकेट लिए। इस मैच में दिल्ली की टीम पहले बल्लेबाज करने मैदान पर उतरी। दिल्ली की ओर से कप्तान ऋषभ पंत भी रन बनाने में असफल रहे। ऋषभ 10 गेंद में एक ही रन बनाकर पेवेलियन लौट गये।पहले दिन के खेल में जडेजा की गेंदबाजी के सामने दिल्ली के बल्लेबाज विफल रहे। पांच विकेटों के साथ ही जडेजा के अब फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 547 विकेट हो गए हैं।उनके अब 547 विकेट हो गये हैं और वह 550 के विकेट से केवल तीन विकेट दूर हैं।जडेजा ने अंतिम बार रणजी ट्रॉफी मुकाबला 2023 में तमिलनाडु के खिलाफ खेला था।

टाटा स्टील चेस: भारत के नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी बने डी गुकेश, वर्ल्ड रैंकिंग में भी हुआ इजाफा

मुंबई (एजेंसी)। वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। उन्होंने पांचवें राउंड के मुकाबले में बुधवार को विजक आन जी को मात दी। इस जीत से गुकेश को डबल फायदा हुआ। इस दौरान वह न सिर्फ भारत के नंबर वन खिलाड़ी बने बल्कि उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में भी चौथा स्थान हासिल किया। गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोई टूर्नामेंट खेल रहे हैं।

गुकेश ने पांचवें राउंड के मैच जर्मनी के विंसेंट केमार को मात दी जो कि कुछ महीने पहले तक उनकी ही टीम का हिस्सा थे। सिंगापुर में हुई वर्ल्ड चैंपियनशिप में गुकेश का सामना चीन के डिंग लिरेन था। इस चैंपियनशिप की तैयारी के लिए गुकेश ने जो टीम तैयारी की थी उसमें विंसेंट भी शामिल थे। उन्होंने गुकेश को वर्ल्ड चैंपियन बनाने में काफी मदद की।

गुकेश ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में कोशिश की थी कि वह लिरेन के खिलाफ मैचों को लंबा खींचे। वह चाहते थे कि लिरेन थक जाएं। विंसेंट ने भी बुधवार को गुकेश के खिलाफ यही प्रयोग अपनाया। उन्होंने कोशिश की और मैच को लंबा खींचा। वह शुरू से ही मजबूत पॉजिशन में नहीं ते लेकिन वह मैच को खींचकर 72वें मूव तक ले गाए। दोनों की बीच 6 घंटे लंबा मैच चला।

गुकेश को विंसेंट के बाद अपने एक और साथी का सामना करना है। पेंटाला हरिकृष्णा भी गुकेश की वर्ल्ड चैंपियनशिप टीम का हिस्सा थे। गुकेश सातवें राउंड में उनका सामना करने उतरेंगे। गुकेश के लिए हालांकि, ये कोई मुश्किल की स्थिति नहीं है। वह अपने विपक्षी को लेकर एक खिलाड़ी के तौर पर देखते हैं। उन्होंने टूर्नामेंट से पहले कहा था कि विंसेंट और हरिकृष्णा का सामना करना उनके लिए खास होगा। गुकेश ने कहा कि, एक बार जब मैं बोर्ड पर पहुंच जाता हूं तो आमतौर पर मुझे प्रतिद्वंद्वी की परवाह नहीं होती, चाहे वह एक अच्छा दोस्त हो या कोई और। ये हमेशा की तरह व्यवसाय होगा। पिछले साल के दौरान हमारे बीच एक मजबूत रिश्ता बना। मुझे खुशी है कि वे इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं।

दिव्यांग क्रिकेटर से मिले बटलर , बल्ले पर ऑटोग्राफ दिया

कोलकाता ।इंग्लैंड की टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान जोस बटलर को लेकर एक विडियो सोशल मीडिया पर आया है।इसमें बटलर भारतीय क्रिकेट टीम से हुए टी20 मुकाबले से पहले एक दिव्यांग प्रशंसक से मिलते और उसके ऑटोग्राफ देते नजर आ रहे हैं।बटलर ने व्हीलचेयर पर रहने वाले इस प्रशंसक और दिव्यांग क्रिकेटर धर्मवीर पाल से बात कर उसके बल्ले पर हस्ताक्षर किए।इसके लिए लोगों ने इंग्लैंड के कप्तान की जमकर प्रशंसा की है।सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो में दिखता है कि बटलर धर्मवीर के पा जाकर उससे बात करते देखते हैं। वीडियो की शुरूआत बटलर के रूम में जाने से पहले धर्मवीर की ओर मुड़ने से होती है।बटलर ने उनसे बात कर ऑटोग्राफ दिया।इससे धर्मवीर की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।धर्मवीर ने अपनी हिम्मत और पदर्शन के आधार पर दिव्यांग के तौर पर भारतीय टीम में जगह बनाकर अपनी पहचान बनायी है।

भारत में स्पिन खेलना बड़ी चुनौती, इससे निपटने का तरीका ढूंढना होगा : हार के बाद बोले बटलर

कोलकाता(एजेंसी)। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने यहां पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भारत के खिलाफ सात विकेट से मिली करारी हार के बाद कहा कि भारतीय परिस्थितियों में स्पिनरों को खेलना चुनौती बनी रहेगी और उनके बल्लेबाजों को पांच मैच की श्रृंखला में वापसी करने के लिए इससे निपटने का तरीका ढूंढना होगा।

इंग्लैंड की टीम बुधवार को यहां पहले बल्लेबाजी करते हुए वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई की स्पिन तिकड़ी के सामने 132 रन आउट हो गई। भारत ने केवल 12.5 ओवर में लक्ष्य हासिल करके श्रृंखला में शुरुआती बढ़त बनाई। बटलर ने यहां ईडन गार्डन्स में मैच के बाद कहा, 'हम उस तरह का खेल नहीं खेल पाए जैसा कि खेलना चाहते थे। उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की।'

उन्होंने कहा, 'हमारे कुछ बल्लेबाज पहली बार उनके कुछ गेंदबाजों का सामना कर रहे थे। उनके प्रदर्शन पर गौर करना अच्छा होगा। हर कोई अच्छा खेलना चाहता है और उन पर दबाव बनाना चाहता है। हम बड़ा स्कोर बनाना चाहते हैं जिसका हम बचाव कर सकें।'

इंग्लैंड के कप्तान ने स्वीकार किया कि स्पिन भारत में लगातार चुनौती बनी रहेगी और उन्होंने अपनी टीम से इससे निपटने के लिए व्यक्तिगत रणनीति तैयार करने का अनुरोध किया। बटलर ने कहा, 'हमारे पास वास्तव में अच्छे खिलाड़ी हैं और हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ उन्हें स्पिन का काफी सामना करना पड़ेगा। हमारा मानना है कि हमें प्रत्येक मैच में कम से कम तीन स्पिनर का सामना करना पड़ेगा। हमें उन पर दबाव बनाने के लिए अपनी व्यक्तिगत रणनीति के साथ खेलना होगा।'

हार के बावजूद बटलर ने कहा कि इंग्लैंड क्रिकेट के अपने आक्रामक ब्रांड से नहीं हटेगा जो 2015 से उनकी पहचान रही है। उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट में हम हमेशा आक्रामक खेल खेलने का प्रयास करते हैं। ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि

2015 के बाद । हमारा सीमित ओवरों की क्रिकेट में खेलने का यही तरीका र ा है और हम वास्तव में कभी इससे पीछे नहीं हटे हैं।'

चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट : वाटसन

सिडनी ।पूर्व ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर शेन वाटसन ने कहा है चैम्पियंस इस टूर्नामेंट से विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने का अवसर मिल जाएगा।भारतीय टीम चैम्पियंस ट्रॉफी के अपने मुकाबले दुबई में खेलेगी।वाटसन ने कहा कि चैम्पियंस ट्रॉफी दो एकदिवसीय विश्व कप के बीच चार साल के अंतर को को कम करने का अच्छा रास्ता है।उन्होंने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी विश्व क्रिकेट में सबसे अहम टूर्नामेंट है क्योंकि एकदिवसीय विश्व कप चार साल में एक बार होता है। यह उस इंतजार को कम करता है और इससे इससे टेस्ट क्रिकेट और टी20 के बीच संतुलन बनता है। । एकदिवसीय क्रिकेट को इस तरह के टूर्नामेंट से ऊर्जा मिलती रहती है क्योंकि यह काफी अच्छा प्रारूप है।वाटसन ने कहा, 'हम टी20 के बाद भी एकदिवसीय क्रिकेट को बनाये रखना चाहते हैं, इसलिए चैम्पियंस ट्रॉफी अहम है।इसमें सिर्फ 8 टीमें खेलती है और हर गेंद महत्वपूर्ण होती है।इसमें आपको लगातार अच्छा खेलना होता है वरना बाहर होने का खतरा बना रहता है।भारतीय टीम ने साल 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी जीती थी पर उस समय विराट कोहली और रोहित शर्मा अच्छे फार्मू में थे।अभी होनो ही खराब दौर से गुजर रहे हैं।वाटसन ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि खराब दौर विराट और रोहित के प्रभाव पर कोई असर डालेगा।दुबई में हालात अलग होंगे और एकदिवसीय में वे खुलकर खेल सकेंगे।कोहली वैसे भी एकदिवसीय में अन्य प्रारुपों से बेहतर खेलते हैं। ।वाटसन ने कहा, 'चैम्पियंस ट्रॉफी में रोहित के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में होने की संभावना है।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान सुरक्षा के इंतजाम, 15000 जवानों की होगी तैनाती, सड़कों पर होगी आर्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले महीने 19 फरवरी से पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज होना है। सुरक्षा के कारण टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी। जबकि अन्य 7 टीमें अपने सभी मैच पाकिस्तान में ही खेलेगी। वहीं अब इस टूर्नामेंट में सुरक्षा तैयारियों को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की तैयारियां पूरी ना होने के कारण आलोचनाओं में घिरा रहा है। ऐसी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आती रही हैं जिनमें कराची, लाहौर और रावलपिंडी के मैदानों में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था तक दुरुस्त नहीं हुई है। वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सुरक्षा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है।

वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान इस टूर्नामें के लिए सुरक्षा के लिए 15 हजार सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने वाला है। एक पाकिस्तानी चैनल के मुताबिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने लाहौर और रावलपिंडी मैदानों की सुरक्षा के लिए 12,564 पुलिस कर्मियों की तैनाती का प्लान बनाया है। लाहौर में कुल 7,618 और रावलपिंडी में 4,535 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा स्पेशल ब्रांच के 411 अधिकारी सारे सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालेंगे। सुरक्षा व्यवस्था केवल मैदानी इलाकों के लिए नहीं बल्कि आसमान में भी आर्मी सुरक्षा व्यवस्था का खास ख्याल रखेगी। पुलिस कर्मी होटल से लेकर मैदान के रास्तों पर कैमरा फिट कर रही है। हर तरह से खिलाड़ियों की सुरक्षा का इंतजाम किया जा रहा है।

बता दें कि, पाकिस्तान 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है। साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर सुरक्षा कारणों से लगातार सवाल उठते रहे हैं। लाहौर और रावलपिंडी के लिए सुरक्षा कर्मियों की संख्या सामने आ चुकी है लेकिन कराची को लेकर अभी तक अपडेट सामने नहीं आया है। बता दें कि, इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आएगी। बीसीसीआई ने हाइब्रिड मॉडल की मांग

की थी, जिसके तहत टीम इंडिया के सारे मैच दुबई में र ले जाएंगे।

पॉप सिंगर आमिर तातालू को ईशनिंदा के आरोप में मिली सजा-ए-मौत

-चोरी छिपे तुर्की में रह रहा था, 2023 में गिरफ्तार कर ईरान को सौंपा

तेहरान। ईरान की कोर्ट ने मशहूर पॉप सिंगर आमिर तातालू नाम से मशहूर अमीर हुसैन मघसूदलू को सजा-ए-मौत की सजा सुनाई है। कोर्ट ने उसे ईशनिंदा के आरोप में दोषी ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने ईशनिंदा समेत अन्य अपराधों के लिए पूर्व में दी गई पांच साल की जेल की सजा पर अभियोजक की आपत्ति स्वीकार कर ली है। इसलिए उन्हें अब सजा-ए-मौत की सजा सुनाई गई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले को फिर से खोला गया। जब जांच की गई तो सरकार की ओर से कही बात सही पाई गई। पॉप सिंगर आमिर तातालू पर पैगंबर साहब का अपमान करने का दोषी पाया गया है। इसलिए उसे मौत की सजा सुनाई गई है। यह फैसला अंतिम नहीं है और इसके खिलाफ अभी भी अपील की जा सकती है। 37 साल के आमिर तातालू 2018 से तुर्की के इस्तांबुल में छिपकर रह रहे थे, लेकिन तुर्की पुलिस ने दिसंबर 2023 में उन्हें गिरफ्तार कर ईरान को सौंपा था। तब से वह ईरान में हिरासत में हैं। आमिर तातालू को卐वेश्यावृत्ति卐 को बढ़ावा देने के लिए भी 10 साल की सजा सुनाई थी। उन पर इस्लामी गणराज्य के खिलाफ 'दुष्प्रचार' करने और 'अश्लील सामग्री' शेयर करने का आरोप था। रैप, पॉप और आर एंड बी के कंपोजीशन के लिए मशहूर टैटू गायक को पहले भी कई आरोप लगाए गए थे। आमिर तातालू ने 2017 में ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी के साथ एक अजीबोगरीब टेलीविजन चर्चा की थी। बाद में रईसी की एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। 2015 में तातालू ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम के समर्थन में एक गाना भी बनाया था जो बाद में 2018 में डोनाल्ड ट्रम्प के पहले अमेरिकी राष्ट्रपतित्व काल के दौरान सामने आया।

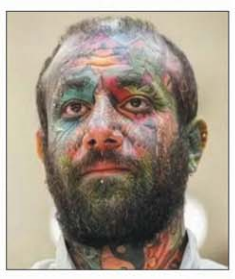

दोस्ती या दुश्मनी दोनों में दो कदम आगे है इजरायल, 3 के बदले 90 फिलिस्तीनी कैदियों को किया रिहा

तेलअवीव। इजरायल वो देश है जो दोस्ती और दुश्मनी दोनों में आगे रहता है। हमास से दुश्मनी हुई तो इजरायल ने मटियामेट करके ही दम लिया। अब दोस्ती की बात हुई तो उन्होंने तीन बंधकों को रिहा किया तो बदले में इजरायल ने 90 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा कर दिया। रिपोर्ट के अनुसार, यह प्रक्रिया तीन इजरायली बंधकों की सुरक्षित रिहाई सुनिश्चित करने के लिए रेड क्रॉस की हमास से मुलाकात के बीच हुई है। तीनों महिला बंधकों को रिहा किया जा चुका है। तीन महिलाएं 28 वर्षीय ब्रिटिश-इजरायली एमिली डमारी, 30 वर्षीय पशु-चिकित्सा नर्स डोरोन स्टीनब्रेचर और 23 वर्षीय रोमी गोनेन, जिन्हें नोवा संगीत समारोह से अगवा किया गया था। 471 दिनों की कैद के बाद मुक्त होने वाली पहली बंधक थी। उनकी रिहाई समझौते के प्रारंभिक चरण को चिह्नित करती है, जिसमें हमास द्वारा 33 इजरायली बंधकों और इजरायल द्वारा 990 से 1,650 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहा होंगे। समझौते के तहत 90 फिलिस्तीनी कैदियों के पहले समूह को रेड क्रॉस को सौंपने से पहले चिकित्सा जांच और पहचान प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ा। जिनमें ज्यादातर पश्चिमी तट और पूर्वी येरुशलम से महिलाएं और बच्चे थे। बदले में, हमास ने रेड क्रॉस के माध्यम से तीनों इजरायली बंधकों को गाजा सीमा के पास इजरायली बलों को सौंप दिया, जहां उन्हें उनके परिवारों से मिला दिया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने इस क्षण को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा, तीनों को नरक से गुजरना पड़ा। आईडीएफ प्रवक्ता डैनियल हगारी ने उनकी वापसी के लिए आभार व्यक्त किया तथा इस बात पर बल दिया कि इजरायली सेना समझौते के किसी भी उल्लंघन के खिलाफ एक्ट करने को तैयार है। युद्ध विराम समझौता, जिसका उद्देश्य गाजा में 15 महीने से अधिक समय से चल रहे इजरायली हवाई हमलों के बाद शत्रुता को रोकना है।

दबदबा : इधर ट्रंप ने कहा टिकटॉक को बचाएंगे उधर तत्काल हट गया प्रतिबंध

वॉशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पूरी दुनिया में दबदबा है। उन्होंने शपथ भी नहीं ली इससे पहले ही उनका दबदबा दिखाई देने लगा है। इसकी बानगी उस समय देखने को मिली जब टिकटॉक पर इधर प्रतिबंध लगा, उधर ट्रंप ने कहा कि हम टिकटॉक को बचाने का प्रयास करेंगे। इतना कहते ही 24 घंटे भी नहीं हुए कि प्रतिबंध हटा और तत्काल सेवाएं बहाल कर दी गईं। ट्रंप ने कहा है कि वह सोमवार को शपथ लेने के बाद इस ऐप की एक्सेस का रिव्यू करेंगे। शपथ ग्रहण से पहले एक रैली में ट्रंप ने कहा कि टिकटॉक को बचाने के अलावा और कोई ऑप्शन नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका चाहता है कि इस ऐप को चलाने के लिए एक ज्वाइंट वेंचर बनाया जाए। टिक टॉक पर लंबे समय से अमेरिका में सिक्योरिटी और डेटा प्राइवेसी को लेकर सवाल उठते रहे हैं। इसे लेकर कई बार बैन का खतरा भी मंडराया। अब देखने वाली बात यह होगी कि ट्रंप के रिव्यू के बाद टिकटॉक को लेकर क्या नया फैसला लिया जाएगा। अमेरिका में करीब 17 करोड़ लोग टिकटॉक का इस्तेमाल करते हैं। ट्रंप ने कहा है कि वह टिकटॉक के बैन को फिलहाल टाल रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी समझौते पर पहुंचने के लिए उठाया गया है। ट्रंप ने यह भी कहा कि वह चाहते हैं कि टिकटॉक के मालिकाना हक में अमेरिका की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी हो। इसके लिए उन्होंने ज्वाइंट वेंचर का सुझाव दिया है। उन्होंने उन कंपनियों को कार्रवाई से राहत देने का आश्वासन भी दिया है, जिन्होंने टिकटॉक को बैन से बचाने के लिए प्रयास किए थे।

जाते जाते बाइडन ने मार्कस गार्वे और 4 अन्य को क्षमा किया

वॉशिंगटन। आज नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। इससे पहले अमेरिका के निवृत्तमान राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को अश्वेत राष्ट्रवादी मार्कस गार्वे को मरणोपरांत क्षमा कर दिया। गार्वे को 1920 के दशक में मेल धोखाधड़ी के लिए दोषी ठहराया गया था और वे मैल्कम एक्स जैसे नागरिक अधिकार नेताओं पर प्रभाव डालने के लिए जाने जाते थे। इसके अलावा, बाइडन ने वर्जीनिया हाउस ऑफ डेलीगेट्स के स्पीकर डॉन स्कॉट, अप्रवासी अधिकार कार्यकर्ता रवि रागबीर, केम्बा स्मिथ प्राडिया, बंदूक हिंसा रोकथाम अधिवक्ता डेरिल चैंबर्स को भी क्षमादान दिया। इस दौरान बाइडन ने कहा कि उनकी सजा राजनीति से प्रेरित थी।

आई चेकअप के जरिए स्ट्रोक के जोखिम का लगा सकते हैं पूर्वानुमान

वॉशिंगटन (ईएमएस)। नियमित आई चेकअप के जरिए स्ट्रोक के जोखिम का सटीक पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। इस बारे में शोधकर्ताओं ने पाया कि रेटिना में मौजूद रक्त वाहिकाओं के पैटर्न और उनके स्वास्थ्य के संकेत स्ट्रोक के जोखिम का पूर्वानुमान लगाने में सहायक हो सकते हैं। यह शोध ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित सेंटर फॉर आई रिसर्च (सीईआरए) द्वारा किया गया, जिसमें आंखों और स्ट्रोक के बीच गहरा संबंध पाया गया है। रेटिना में रक्त वाहिकाओं की संरचना में 118 अलग-अलग स्वास्थ्य संकेत होते हैं, जिनमें से 29 संकेत स्ट्रोक के खतरे से सीधे जुड़े पाए गए। इस विश्लेषण के लिए फंडस फोटोग्राफी तकनीक का उपयोग किया गया, जो आई टेस्टिंग में सामान्य रूप से इस्तेमाल की जाती है। शोध के तहत यूके के 45,161 लोगों की आंखों की फंडस फोटो का अध्ययन किया गया। 12.5 वर्षों की औसत निगरानी अवधि में इन प्रतिभागियों में से 749 लोगों को स्ट्रोक का अनुभव हुआ। इस डेटा को मशीन लर्निंग टूल की मदद से रेटिना-आधारित माइक्रो वैस्कुलर हेल्थ असेसमेंट सिस्टम के जरिए विश्लेषित किया गया। शोधकर्ताओं ने कहा कि रेटिना के संकेतों को आयु और लिंग जैसे सामान्य कारकों के साथ मिलाकर स्ट्रोक के जोखिम का आकलन करने के लिए एक सरल और प्रभावी तरीका विकसित किया जा सकता है। यह प्रणाली न केवल स्ट्रोक के जोखिम की पहचान करने में मदद कर सकती है, बल्कि इससे स्ट्रोक से होने वाली विकलांगता और मृत्यु दर को कम करने की दिशा में बड़े कदम उठाए जा सकते हैं। गौरतलब है कि स्ट्रोक एक गंभीर समस्या है, जो दुनिया भर में हर साल 10 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित करता है और 67 लाख मौतों का कारण बनता है।

गाजा के एक शिविर में हमास और इजरायल के बीच संघर्षविराम पर खुशी जताते हुए लोग, इस दौरान एक व्यक्ति बच्चे को हवा में उछालता हुआ।

अमेरिका के जंगलों की आग बुझी भी नहीं थी कि बर्फबारी का मंडराया खतरा, 7 करोड़ लोग होंगे प्रभावित

बोस्टन। अमेरिका के लॉस एंजलिस के जंगलों में लगी आग अभी बुझी भी नहीं थी बर्फबारी ने एक नई दहशत फैला दी है। नेशनल वेदर सर्विस ने भारी हिमपात की वॉर्निंग जारी की है। कुछ इलाकों में तो मौसम ने कहर बरपाना शुरू भी कर दिया है। आर्कटिक ब्लास्ट के कारण हालात काफी भयावह होने वाले हैं। मौसम पूर्वानुमान को देखते हुए सभी इमरजेंसी सर्विस को अलर्ट पर रहने को कहा गया है। साथ ही आमलोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। ईस्ट कोस्ट के लाखों निवासी रविवार को कई इंच बर्फबारी और उसके बाद खतरनाक ठंड के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। विंटर स्टॉर्म नॉर्थ प्लेन्स से लेकर मेन तक देश के अधिकांश हिस्सों में फैल जाएगा। नेशनल वेदर सर्विस द्वारा जारी विंटर स्टॉर्म की चेतावनी पहले ही मिड-अटलांटिक के कुछ हिस्सों के लिए सोमवार सुबह तक प्रभावी हो चुकी हैं। जिनमें आधे फुट (15 सेंटीमीटर) तक बर्फ गिरने का अनुमान है। रविवार दोपहर से न्यू इंग्लैंड में मौसम विभाग की वॉर्निंग प्रभावी हो जाएगी। मैसाचुसेट्स, न्यू हैम्पशायर, मेन और कनेक्टिकट के कुछ हिस्सों में 10 इंच (25 सेंटीमीटर) तक बर्फ गिरने की संभावना जताई गई है। नेशनल वेदर सर्विस के मैरीलैंड के मौसम विज्ञानी मार्क चेनार्ड ने अनुमान लगाया कि आने वाले दिनों में न्यू इंग्लैंड और मिड-अटलांटिक सहित लगभग 70 मिलियन (7 करोड़) निवासी किसी न किसी प्रकार की विंटर स्टॉर्म की चेतावनी के तहत होंगे। फिलाडेल्फिया, न्यूयॉर्क और बोस्टन जैसे बड़े शहरों में भी कई इंच तक बर्फ गिर सकती है, जिनमें सबसे अधिक बर्फबारी प्रमुख शहरों के बाहर होगी। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन डीसी से लेकर पूरे ढ्ढ-95 कॉरिडोर और फिर वहां से अंदरूनी हिस्सों में सड़क की स्थिति खतरनाक हो सकती है। इसके बाद काफी ठंड हो जाएगी। आर्कटिक ब्लास्ट के चलते आने वाले समय में मौसमे और तल्ख तेवर का सामना करना पड़ सकता है।

शपथ से पहले ट्रंप ने निकाली विक्ट्री रैली, बोले रूस-यूक्रेन जंग भी कराऊंगा खत्म

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में पदभार ग्रहण करने से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने विक्ट्री रैली की। शपथ ग्रहण की पूर्व संध्या पर ट्रंप ने समर्थकों से कहा कि वह यूक्रेन में युद्ध भी खत्म करा देंगे और पश्चिम एशिया में अराजकता को बढ़ने से रोकेंगे। दावा किया कि अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए भी सबसे आक्रामक अभियान चलाने का आदेश देंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने उद्घाटन भाषण और कार्यकारी आदेशों की झड़ी को लेकर एक खाका खींच दिया। आत्मविश्वास के साथ कहा कि वे पदभार संभालते ही इन आदेशों को जारी करने की योजना बना रहे हैं।

रविवार को वाशिंगटन डीसी में आयोजित विक्ट्री रैली में उन्होंने दावा किया, मैं यूक्रेन में युद्ध समाप्त करूंगा। मैं मध्य पूर्व (जैसा कि पश्चिम में पश्चिम एशिया के रूप में जाना जाता है) में अराजकता को रोकूंगा, और मैं तीसरे विश्व युद्ध को होने से रोकूंगा और आपको पता नहीं है कि हम कितने करीब हैं। दरअसल, यूक्रेन रूस के सामने 2023 से ही डटा हुआ है। ऐसा इसलिए भी क्योंकि उसे मुख्य रूप से अमेरिकी नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों के गठबंधन का पूरा समर्थन प्राप्त है। जो बाइडेन प्रशासन ने उनकी पूरी मदद की है। ट्रंप लगातार युद्ध समाप्त कराने का संकेत देते रहे हैं।

ट्रंप ने अमेरिका में सभी अवैध प्रवेश को समाप्त करने के लिए तेजी से आगे बढ़ने की अपनी इच्छा दोहराई है। उन्होंने कहा कि वह सोमवार को अपने उद्घाटन भाषण में ऐसी घोषणाएं करेंगे जो हमारी सीमाओं को बहाल करने के लिए दुनिया में अब तक का सबसे आक्रामक, व्यापक प्रयास होगा। उन्होंने कहा कि वह तेल की खोज और ड्रिलिंग को मुक्त करने के लिए जलवायु नियमों में कटौती करेंगे, जिसे वे लिक्विड गोल्ड कहते हैं, वह कंपनियों को वापस लाएंगे और अमेरिकी खरीदने और अमेरिका की नीतियों को बढ़ावा देंगे, करों और सरकारी नौकरशाही को कम करेंगे, और सरकारी मामलों में पारदर्शिता को बढ़ावा देंगे।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून को सोल डिटेंशन सेंटर भेजा, सुकून से बिताई रात

सोल (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल को गिरफ्तार करने के बाद सोल डिटेंशन सेंटर भेजा गया है। मीडिया रिपोर्ट में सोमवार को कोरिया सुधार सेवा के कमिशनर ने बताया कि यून को सोल के दक्षिण में उईवांग स्थित हिरासत केंद्र के 12 वर्ग मीटर वाले सेल में ले जाया गया। ये कार्यवाही सोल पश्चिमी जिला न्यायालय द्वारा उसकी औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने के बाद की गई थी।

नेशनल असेंबली की कानून और न्यायपालिका समिति के सत्र के दौरान सांसदों से कहा कि यून को संदिग्धों के लिए बनाए गए कमरे से सामान्य हिरासत विंग में भेजा गया और उन्होंने रात आराम से बिताई। रिपोर्ट के मुताबिक यून की सेल, जो आम तौर पर पांच या छह लोगों के लिए होती है, उसी आकार की है, जैसे पिछली बार हिरासत में रखे गए राष्ट्रपतियों की सेल थी। अधिकारी ने सांसदों को बताया कि यून ने अपनी हिरासत की आधिकारिक प्रक्रियाओं में सहयोग किया, जैसे कि मग शॉट लेना और शारीरिक परीक्षा से गुजरना। साथ ही, उनकी सुरक्षा के लिए एक विशेष सुधार अधिकारी को नियुक्त किया है।

इससे पहले यून के वकीलों ने कहा था कि वह सोमवार को मार्शल लॉ के नाकाम प्रयास के संबंध में आगे की पूछताछ के लिए उपस्थित नहीं रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दिन पेश नहीं होने के बाद भ्रष्टाचार जांच कार्यालय ने यून को पूछताछ के लिए आने का आदेश दिया। अगर वह आदेशों का पालन नहीं करते, तो उम्मीद की जा रही है कि वह उन्हें मजबूर करके लाएगी या फिर सियोल डिटेंशन सेंटर में जाकर उनसे मिलेगी। यून को रविवार तड़के औपचारिक गिरफ्तारी में रखा गया था, जब एक अदालत ने सबूतों को मिटाने की आशंका के कारण उसकी हिरासत की अवधि बढ़ाने के लिए वारंट जारी किया था।

जयशंकर ने वाशिंगटन में कीं जापान, ऑस्ट्रेलिया के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने वाशिंगटन में ऑस्ट्रेलिया और जापान के अपने समकक्षों के साथ बैठकें कीं और इस दौरान उन्होंने द्विपक्षीय मुद्दों तथा 'क्वाड' से संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। 'क्वाड' डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल की पहल है, इसमें ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका शामिल हैं। अमेरिकी कांग्रेस द्वारा पुष्टि किए जाने और विदेश मंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद मार्को रूबियो की अंतरराष्ट्रीय बैठकों के क्रम में 'क्वाड' मंत्रिस्तरीय बैठक उनकी पहली प्राथमिकता होगी। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग से मुलाकात के बाद जयशंकर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज वाशिंगटन में क्वाड की सहयोगी विदेश मंत्री सीनेटर वोंग से मिलकर खुशी हुई। हमेशा की तरह दुनिया के हालात पर हमने चर्चा की।'' जापान के विदेश मंत्री के साथ अपनी बैठक के बाद एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा, ''जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया से मिलकर अच्छा लगा। हमने द्विपक्षीय सहयोग में प्रगति की समीक्षा की। 'क्वाड' से संबंधित घटनाक्रमों पर भी चर्चा की।'' सत्ता हस्तांतरण टीम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, रूबियो और नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप भारत-अमेरिका संबंधों को अगले स्तर पर ले जाने को प्राथमिकता देंगे। सूत्रों ने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में अपने नाम की पुष्टि होने के बाद रूबियो जयशंकर के साथ अपनी पहली द्विपक्षीय बैठक करने के इच्छुक हैं।

इजरायली महिला बंधकों को गिफ्ट बैग दे रहा हमास, क्यों बना चर्चा का केंद्र

तेल अवीव (एजेंसी)। गाजा में युद्धविराम होने के बाद सबसे पहले हमास ने तीन इजरायली महिला बंधकों को रिहा किया। इस दौरान जिस एक खास बात ने सभी का ध्यान खींचा, वे ये थी कि गाजा पट्टी से रिहा की गई तीनों बंधकों को हमास ने रेड क्रॉस को सौंपे जाने से पहले गिफ्ट बैग दिए। वीडियो और तस्वीरों में गाजा की कैद से छूटी बंधकों रोमी गोनेन, एमिली डमारी और डोरोन स्टीनब्रेचर को इन गिफ्ट बैग को पकड़े हुए और इन्हें खोलकर दिखाते भी देखा जा सकता है।

रिपोर्टों के अनुसार, हमास की ओर से दिए गए बैग में हमास की कैद के दौरान की उनकी कुछ तस्वीरें और एक मोमेंटो शामिल है। हमास ने कथित तौर पर तीनों महिलाओं को गाजा में बिताए उनके वक्त की यादगार के तौर पर ये गिफ्ट दिया है। हमास लड़ाकों ने तीनों को पश्चिमी गाजा शहर के अल-रिमल पड़ोस में अल-सरया स्क्वायर में रेड क्रॉस को सौंपा।

इजरायल लौटने के बाद तीनों महिलाओं ने अपने परिवार के सदस्यों को गले लगाया। हमास की कैद से इजरायल लौटी तीनों महिलाओं ने राहत की सांस ली है। एमिली की मां ने कहा कि 471 दिनों बाद बेटी के घर आने से वे खुश हैं। डोरोन और रोमी के परिवार ने भी युद्ध विराम समझौते में शामिल सभी पक्षों को धन्यवाद दिया है। बात दें कि युद्धविराम समझौते की शर्तों के हिसाब से चरण में हमास अगले छह सप्ताह में 33 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा। इसके बदले में इजरायल की ओर से फिलिस्तीन के 2,000 कैदियों और बंदियों को अपनी जेलों से रिहा करेगा। समझौते के तहत एक इजरायल बंधक के बदले में इजरायली सरकार और सेना 30 फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाएगा। रविवार को इजरायल ने 90 फिलिस्तीनियों को रिहा किया है।

कर्नाटक में रुसी रेडार : चीन-पाकिस्तान की मिसाइलों पर रखेगा नजर

-8000 किमी है रेंज, एक के बाद एक सैकड़ों लक्ष्यों को कर सकता है ट्रैक

मास्को (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश चीन-पाकिस्तान बड़े पैमाने पर परमाणु मिसाइलों का निर्माण कर रहे हैं। अब भारत ने भी इन दोनों पड़ोसी देशों को मात देने कमर कस ली है। भारत कर्नाटक में चालकेरे में बने डीआरडीओ के कैंपस में रूस का महाशक्तिशाली रेडार वोरोनेझ लगा रहा है। इस रूसी रेडार वोरोनेझ की रेंज 8000 किमी है और इसे 10000 किमी तक बढ़ाया जा सकता है। यह रूसी रेडार कर्नाटक में लगाए जाने के बाद भी पाकिस्तान और चीन की निगरानी कर सकता है। यह रूसी रेडार बलिस्टिक मिसाइल, स्टील्थ एयरक्राफ्ट और कई तरह के हवाई खतरों का पता लगाने और उसका जवाब देने में भी माहिर है।

कर्नाटक से चीन के बीच दूरी 1800 किमी है लेकिन यह रेडार अपनी 8 हजार किमी तक की क्षमता की वजह से वहां तक निगरानी करने में सक्षम है। यह रूसी रेडार कई वेबबैंड पर काम कर सकता है। इससे यह कई भूमिका में काम करने में सक्षम है। यह रेडॉर एक के बाद एक सैकड़ों लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है। भारत इसकी मदद से दुश्मन की आने वाली मिसाइलों का पता लगा सकेगा और उसे तबाह कर सकेगा। भारत इससे देश के लिए एक व्यापक सुरक्षा कवच तैयार कर सकेगा।

भारत को इस डील की मदद से रूस के बेजोड़ रेडार को बनाने की तकनीक के बारे में भी अहम जानकारी मिल सकेगी। इस रेडार का करीब 60 फीसदी हिस्सा भारत में ही बनाने का प्लान है। रूस का भारत को यह रेडार देना दोनों देशों के बीच बढ़ती दोस्ती को दर्शाता है। वह भी तब जब अमेरिका और पश्चिमी देशों ने यूक्रेन युद्ध को देखते हुए रूस के खिलाफ कई तरह के कठोर प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके बाद भी भारत और रूस के बीच दशकों पुरानी दोस्ती मजबूत बनी हुई है।

विश्लेषकों का कहना है कि यह रेडार लगाना भारत का एक रणनीतिक कदम है। इससे भारत सीमा पर चौतरफा निगरानी कर सकेगा। भारत और रूस के बीच इस रेडार को लेकर 4 अरब डॉलर की डील हुई है। रूसी रेडार को अलमाज एंटे कंपनी ने बनाया है जो दुनिया के बेहतरीन एयर डिफेंस सिस्टम और रेडार प्रणाली को बनाने के लिए जानी जाती है। रूसी कंपनी का एक दल पिछले दिनों भारत के दौरे पर आया था। अभी तक दुनिया में केवल रूस, चीन और अमेरिका के पास ही इतना शक्तिशाली रेडार सिस्टम है।

चीन में पहली बार 2024 में शिशु जन्मदर में आई बढ़ोत्तरी

बीजिंग (एजेंसी)। चीन में साल 2016 के बाद पहली बार 2024 में शिशु जन्मदर में 17 फीसदी को बढ़ोत्तरी देखी गई है। यह सब संभव हुआ है कि नकद प्रोत्साहन योजना की बदौलत। चीन 2016 से लगातार जन्म दर में गिरावट देख रहा है।

पिछले सप्ताह जारी सरकारी आंकड़े के अनुसार, मध्य चीन के हुबेई प्रांत में करीब 10 लाख आबादी वाले शहर तियानमेन में 2023 की तुलना में 2024 में 1050 ज्यादा शिशुओं का जन्म हुआ है। यह आंकड़ा चीन के लिए एक उम्मीद की किरण बनकर आया है क्योंकि बुजुर्ग होती आबादी और घटते जन्म दर से चीन लंबे समय से परेशान है। ये दोनों स्थितियां चीन के दीर्घकालिक आर्थिक विकास के लिए बड़ी चुनौती बनकर उभरी थीं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन के तियानमेन शहर के आंगनों में गूंज रही किलकारियां स्थानीय सरकारों और प्रमुख कंपनियों की कैश स्कीम की बदौलत संभव हो सकी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तीसरा बच्चा पैदा करने के लिए चीन की नामी इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनी एक्सपेंग अपने कर्मचारियों को 30,000 यूआन यानी 3.53 लाख रुपये की नकद पेशकश कर रही हैं।

आधिकारिक हुबेई डेली की एक पुरानी रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल 2024 में जनवरी से नवंबर के बीच 6530 बच्चों का जन्म हुआ है, जबकि इसी दौरान 2023 में 910 बच्चों का जन्म हुआ था। यानी 2023 की तुलना में 2024 में शिशु जन्म दर में 16 फीसदी का उछाल आया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि तियानमेन शहर में तीसरी संतान के माता-पिता बनने वाले लोगों को कुल 2,20,000 यूआन यानी करीब 26 लाख रूपये का नकद पुरस्कार दिया जाना है।

कुछ कंपनियां तीसरी संतान का माता-पिता बनने वाले कर्मचारियों को घर खरीदने के लिए 1.20 लाख का कूपन भी दे रही हैं, जबकि कुछ एकमुश्त नकद राशि दे रही हैं। इसके अलावा तीन साल तक बच्चे की देखभाल के लिए 1000 युआन की सब्सिडी भी दिया जा रहा है। कंपनियों ने चौथे और पांचवें बच्चों के जन्म पर भी इसी तरह की नकद प्रोत्साहन राशि देने का ऐलान किया है। पिछले कई वर्षों से जन्म दर में लगातार गिरावट झेल रहे

चीन में अब धीरे-धीरे खुशियां आने लगी हैं और लोगों के आंगन में किलकारियां गूंजने लगी है।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा से अवैध वसूली का बड़ा रैकेट सामने आया

मिर्जापुर । नरायनपुर से हनुमना राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित अतरैला शिवगुलाम टोल प्लाजा से अवैध वसूली का बड़ा रैकेट सामने आया है। सालों से यहां लगातार अवैध वसूली की शिकायत आती रही हैं। लेकिन ठोस कार्रवाई के अभाव में टोल संचालक की रजामंदी पर मनमाने ढंग से वाहनों चालक के साथ वसूली का प्रकरण सामने आते रहे हैं। कई-कई बार दक्षिण भारत से आने वाले बड़े वाहनों को रोका गया। वाहनों को पास कराने के नाम पर उनका शोषण हुआ। इसकी शिकायत भी संबंधित से की गई लेकिन कार्रवाई के अभाव में टोल प्लाजा पर कभी कार्रवाई नहीं की गई। लेकिन अब लखनऊ एसटीएफ की कड़ी कार्रवाई के बाद पूरा मामला खुल गया। दअसल, राष्ट्रीय राजमार्ग पर टोल प्लाजा का संचालन 2021 से प्रारंभ हुआ। मात्र तीन चार सालों में कई कंपनियां बदल गईं। हालात ये है कि सभी ने अपने आपको टोल पर घाटा होना बताया। टोल वसूलने वाली पूर्व की एक कंपनी के अधिकारी ने बताया कि टोल की वसूली क्षमता प्रतिदिन की 20 लाख के पार की है। जो वर्तमान में इसमें और भी वृद्धि हुई होगी। टोल कंपनी घाटा बताकर मुनाफा कमाने का खेल करती हैं। बहरहाल, कार्रवाई से यह तय हो गया कि टोल पर किस प्रकार से वाहनों से अवैध वसूली का खेल हो रहा है। अतरैला में 2021 से शुरू हुए टोल प्लाजा के बाद अब तक कई कंपनियां टोल वसूली का कार्य कर चुकी हैं।

राजौरी में मौत पर केंद्रीय मंत्री का बयान, प्रारंभिक जांच में अज्ञात विषाक्त पदार्थों का सेवन बीमारी का कारण

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के राजौरी में 17 लोगों की मौत के बाद हड़कंप मचा हुआ है। सावधानी बरतते हुए जम्मू-कश्मीर सरकार ने राजौरी संभाग के सुदूर बधाल गांव को कंटेनमेंट जोन घोषित किया है। पूरे गांव की कड़ी निगरानी की जा रही है। अब तक माना जा रहा था कि इतने लोगों की जान जाने की वजह कोई रहस्यमयी बीमारी है। लेकिन अब केंद्रीय मंत्री ने इस दावे को लेकर एक बड़ी जानकारी दी है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राजौरी में पिछले एक माह में 17 लोगों की जान जाने की वजह रहस्यमयी बीमारी नहीं है। प्रारंभिक जांच में अज्ञात विषाक्त पदार्थों के कारण बीमारी के होने की संभावना जाहिर की गई है। शुरुआती जांच में जहरीला पदार्थ होने की बात सामने आई है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि लखनऊ की सीएसआईआर लैब की प्रारंभिक जांच के मुताबिक यह बीमारी कोई संक्रमण, वायरल या बैक्टीरियल प्रकृति की नहीं है। जहरीला पदार्थ पाया गया है। अब यह पता लगाने की कोशिश हो रही है कि यह किस तरह का जहरीला पदार्थ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगर कोई साजिश मिलाती हैं, तब उचित कार्रवाई भी की जाएगी।

पूर्व सैनिक ने पत्नी की हत्या कर शव के टुकड़े किए और प्रेशर कुकर में उबाला

हैदराबाद। एक निर्दयी पति ने अपनी पत्नी की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने पहले शव के टुकड़े किए फिर प्रेशर कुकर में डालकर उबाल दिया। फिर एक बैग में भरकर झील में फेंक आया। बची हुई हडिडयों को पीसकर उन्हे भी ठिकाने लगा दिया। हिरासत में लिए गए व्यक्ति का कहना है कि उसने शरीर के टुकड़ों को उबालने के बाद उन्हें झील में फेंक दिया। आपको बता दें कि महिला के लापता होने की सूचना करीब एक सप्ताह पहले मिली थी और उसके माता-पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी।जिस व्यक्ति पर हत्या के आरोप लगे हैं वह सेना से रिटायर है। वर्तमान में सुरक्षा गार्ड के रूप में कार्यरत है। पुलिस ने बताया कि व्यक्ति पर अपनी पत्नी के साथ झगड़े के बाद अपराध को अंजाम देने का संदेह है और जांच के दौरान पूरी जानकारी सामने आएगी। बता दें कि 35 साल की पुट्टावेंकट माधवी के लापता होने की सूचना 18 जनवरी को मिली थी। उसके परिवार ने उसके पति गुरुमूर्ति से उसके बारे में पूछताछ की थी। माधवी के माता-पिता ने मीरपेट पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई थी। उसने दावा किया कि कुछ दिन पहले एक रिश्तेदार के घर जाने को लेकर उसके साथ हुई बहस के बाद वह गुस्से में घर से चली गई थी। गुरुमूर्ति को पूछताछ के लिए मीरपेट पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां उसने कथित तौर पर गुस्से में हत्या की बात कबूल की। ??पुलिस सूत्रों ने बताया कि सबूत मिटाने के लिए उसने अपने बाथरूम में उसके शरीर के टुकड़े किए। इसके बाद चूल्हे पर कुकर में टुकड़ों को उबाला। इसके बाद हड्डियों को अलग किया। इसके बाद मूसल से उन्हें पीसकर फिर से उबाला। तीन दिनों तक मांस और हड्डियों को पकाने के बाद उसने उन्हें एक बैग में पैक किया और उसे पास की एक झील में फेंक दिया।

मणिपुर की भाजपा को जारी रहेगा जदयू का समर्थन, अपने प्रदेश अध्यक्ष को हटाया

नई दिल्ली।जनता दल (यूनाइटेड) की मणिपुर इकाई के अपने प्रदेश अध्यक्ष को हटा दिया है। मणिपुर में एन बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के कुछ ही समय बाद, जदयू ने राज्य में भाजपा से नाता तोड़ने का निर्णय लेने से पहले केंद्रीय नेतृत्व से परामर्श नहीं करने के लिए मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से हटा दिया। जद (यू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद ने मणिपुर में भाजपा के साथ संबंध तोड़ने के पार्टी के फैसले की खबर को भ्रामक और निराधार बताया। राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि यह खबर भ्रामक और निराधार है। पार्टी ने इसका संज्ञान लिया है और पार्टी की मणिपुर इकाई के अध्यक्ष को उनके पद से मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि हमने एनडीए को समर्थन दिया है और मणिपुर में एनडीए सरकार को हमारा समर्थन भविष्य में भी जारी रहेगा। मणिपुर इकाई ने केंद्रीय नेतृत्व से कोई संवाद नहीं किया, उन्हें विश्वास में नहीं लिया गया। उन्होंने (मणिपुर जेडीयू प्रमुख) खुद ही पत्र लिखा था। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई और उन्हें पद से मुक्त कर दिया गया। पार्टी प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा कि हम एनडीए के साथ हैं और राज्य इकाई राज्य के विकास के लिए मणिपुर के लोगों की सेवा करना जारी रखेगी। बता दें कि साल 2022 विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने राज्य की छह सीटें जीतीं।

महाकुंभ ने तोड़े सारे रिकॉर्ड, संगम में डुबकी लगाने वालों का आंकड़ा 10 करोड़ के पार

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। महाकुंभ के अवसर पर मोक्ष की अभिलाषा के साथ देश दुनिया के विभिन्न अंचलों से आकर तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या गुरुवार दोपहर तक दस करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में श्रद्धा और आस्था से ओत-प्रोत साधु-संतो, श्रद्धालुओं, कल्पवासियों, स्नानार्थियों और गृहस्थों के स्नान का यह नया रिकॉर्ड है। महाकुम्भ में प्रतिदिन लाखों की संख्या श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं।

सरकार पहले ही 45 दिन तक चलने वाले महापर्व के दौरान 45 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां आने का अनुमान व्यक्त कर चुकी है जिसमें अकेले मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर ही दस करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आगमन के आसार हैं। गंगा की रेती पर हजारों कदम चलने के बाद त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी लगाने वालों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे। इसके साथ ही महाकुम्भ में 10 करोड़ स्नानार्थियों की संख्या भी पार कर गई। पूरे महाकुम्भ मेला क्षेत्र में भक्तों का तांता लगा रहा। देश के विभिन्न प्रान्तो और विश्व के अनेक देशों से आए श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया।

संगम के तटों पर इस समय पूरे देश की विविध संस्कृतियों की झलक देखने को मिल रही है। ऊंच नीच, जात पात, पंथ से ऊपर उठकर लोग संगम स्नान कर एकता के महाकुम्भ के संकल्प को साकार कर रहे हैं। अब तक के कुल स्नानार्थियों की संख्या का विश्लेषण करें तो 23 जनवरी तक 10 करोड़ से ज्यादा लोग संगम में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। सर्वाधिक 3.5 करोड़ श्रद्धालुओं ने मकर संक्रांति के अवसर पर अमृत स्नान किया था, जबकि पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व पर 1.7 करोड़ से ज्यादा लोगों ने पावन डुबकी लगाई थी। इसके अलावा प्रतिदिन लाखों की संख्या में श्रद्धालु पुण्य स्नान कर रहे हैं।

सोनू-मोनू का पिता वकील नहीं डाकू है, घटना के दिन पिस्टल लिए था

-बिहार में हुई फायरिंग के बाद छोटे सरकार ने लगाए गंभीर आरोप

पटना। छोटे सरकार के नाम से चर्चित पूर्व विधायक अनंत सिंह ने गैंगवार के मामले में गुरुवार को सोनू-मोनू के पिता पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अनंत सिंह ने कहा कि सोनू-मोनू का पिता वकील नहीं डाकू है। सिर्फ अपने बेटों का केस लड़ता है। वह भी अपराधी है। घटना के दिन वह भी पिस्टल लिए हुए था।

पूर्व विधायक अनंत से पूछा कि सोनू-मोनू के माता-पिता आरोप लगा रहे हैं कि आपने उन लोगों पर फायरिंग की है। इस पर अनंत सिंह ने कहा हम कहां कह रहे हैं कि हम पर आरोप मत लगाओ। हमको यह नहीं सुनना है। आप लोग सुनते रहिए कि क्या आरोप लगा रहा है। हमको फंसाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हमको कोई दिक्कत नहीं है।

अनंत सिंह ने कहा कि कोई भी हम जुल्म करेंगे तो जेल जाएंगे ही। सोनू-मोनू से मेरी कोई दुश्मनी नहीं है। वह लोग चोर है। हम उन लोगों को नहीं जानते हैं। अनंत पर एफआईआर दर्ज होने की बात पर उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होगी तो होगी। मेरे जिन लोगों को गोली लगी है पुलिस उनके पास जाएगी तो वह लोग भी एफआईआर कराएंगे। अनंत सिंह ने घटना को लेकर कहा कि मोकामा मेरा क्षेत्र है। हम वहां से विधायक रहे हैं। मेरी पत्नी विधायक है।

खराब स्वास्थ्य के चलते राहुल गांधी की मुस्तफाबाद की रैली भी हुई रद्द

`* कांग्रेस ने आप को 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी गुरुवार को भी दिल्ली में चुनाव प्रचार नहीं कर सके। उनकी मुस्तफाबाद की रैली भी रद्द हुई है। कांग्रेस पार्टी ने कहा कि तबीयत खराब होने की वजह से राहुल गांधी चुनाव प्रचार करने नहीं आ सके। बता दें कि बुधवार को राहुल गांधी को सदर बाजार में जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन राहुल गांधी यहां भी नहीं पहुंचे। खराब स्वास्थ्य के चलते राहुल की नई दिल्ली सीट पर प्रस्तावित कार्यक्रम भी रद्द करना पड़ा। वे 21 जनवरी को कर्नाटक के बेलगावी में कांग्रेस की जय बाबू, जय भीम, जय संविधान रैली में भी शामिल नहीं हुए थे। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि राहुल आने वाले दिनों में दिल्ली में कई जनसभाएं कर सकते हैं। वे रोड शो और पदयात्रा में भी शामिल हो सकते हैं।

कांग्रेस ने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल सरकार की शराब नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर गुरुवार को आम आदमी पार्टी (आप) पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि 'आप' का मतलब 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी आप) है तथा 'शराब से पैसा बनाने की उसकी लत' ने दिल्ली को पूरी तरह बर्बाद कर दिया। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि एक ऑडियो भी जारी किया जो कथित तौर पर आप विधायक शरद चौहान का है। कांग्रेस द्वारा जारी ऑडियो में दावा किया गया कि उपमुख्यमंत्री रहते आप नेता मनीष सिसोदिया ने शराब नीति को मंजूरी देने के साथ कहा था कि उनकी पार्टी को चुनाव लड़ने के लिए इससे पैसा आएगा। कांग्रेस नेता द्वारा जारी ऑडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं आप की तरफ से फिलहाल इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खेड़ा ने कहा, 'शराब स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है और शराब की लत इंसान, उसके परिवार और समाज को बर्बाद कर देती है, यह हम सब जानते हैं। लेकिन शराब से पैसा बनाने की लत से न सिर्फ इंसान और समाज बल्कि पूरा शहर खराब हो जाता है। उन्होंने आरोप लगाया, 'अल्कोहल अफेक्टेड पार्टी यानी आप ने शराब के जरिए पैसा बनाने की लत में पूरी दिल्ली को बर्बाद करके रख दिया।'

कई राज्यों में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपाकर रह रहे अवैध बांग्लादेशी

`* पिछले कुछ दिनों में कई बांग्लादेशी घुसपैठिया को पकड़ा गया

`* बंगाल और असम में सबसे ज्यादा संख्या

मुंबई (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमला करने वाला आरोपी शरीफुल इस्लाम शहजाद बांग्लादेशी घुसपैठिया निकला, जो बिजॉय दास नाम से मुंबई में रह रहा था। मुंबई में एक बांग्लादेशी महिला कुलसुम शेख को भी मुंबई पुलिस ने पकड़ लिया है। वह 2016 से मोहिनी के नाम से शहर में रह रही थी। इसतरह से कई बांग्लादेशी बेंगलुरु, दिल्ली, यूपी, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, असम, कर्नाटक और देश के कई राज्यों से पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने भारत में हिंदू नामों के लिबास में खुद को छिपाया हुआ है। दिल्ली में आए दिन बांग्लादेशियों के पकड़े जाते हैं। देश के कई हिस्से हैं, जहां अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण इलाके की डेमोग्राफी बदल गई है। पिछले दिनों पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भी बीएसएफ पर घुसपैठ कराने के सनसनीखेज आरोप लगाए थे।

रिपोर्टस के मुताबिक, कश्मीर से कन्याकुमारी के बीच देश के करीब 17 राज्यों में करीब दो करोड़ बांग्लादेशी अवैध रूप से निवास कर रहे हैं। इस बारे में पहला आधिकारिक आंकड़ा संसद में 2007 में आया था। तब तत्कालीन गृह राज्य मंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने बताया था कि भारत में 1.2 करोड़ अवैध बांग्लादेशी हैं। हालांकि बाद में उन्होंने आंकड़े के स्रोतों को गलत बताकर अपना बयान वापस ले लिया था। फिर दूसरी बार इस पर सीबीआई के पूर्व

डायरेक्टर जोगिंदर सिंह ने 2014 में एक आंकड़ा रखा। तब उन्होंने अनुमान लगाया था कि देश में करीब पांच करोड़ अवैध बांग्लादेशी घुसपैठिए हैं। हालांकि इस आंकड़े की कभी पुष्टि नहीं हुई। मगर हर शहर में बनी अधिकतर अवैध झुग्गियों का कनेक्शन इन बांग्लादेशियों से रहा है।

रिपोर्टस के अनुसार, पश्चिम बंगाल में 57 लाख और असम में 50 लाख से अधिक बांग्लादेशी हैं। असम के 33 जिलों में से 9 बारपेटा, धुबरी, दरांग, नौगांव, करीमगंज, दारंग, मोरीगांव, बोंगाईगांव, धुबरी,गोलपारा और लाकांडी में मुस्लिम आबादी 50 से 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। बीजेपी सहित कई संगठनों का दावा है कि राज्य में 45 विधानसभा सीट पूरी तरह से मुस्लिम वोटरों के कब्जे में है, इसमें अधिकतर बांग्लादेश से पलायन कर असम पहुंचे हैं। असम के नलबाड़ी, कछार और कामरूप में भी धार्मिक जनसंख्या में बदलाव हुआ है। पिछले चार दशकों में बिहार के सीमांचल के चार जिले किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में मुस्लिम आबादी बहुत तेजी से बढ़ी है। किशनगंज में मुस्लिम आबादी 67.58 प्रतिशत और हिंदू आबादी 31.43 प्रतिशत है। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने रिपोर्ट में दावा किया है कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रही है और इस कारण से क्षेत्र की जनसांख्यिकी में काफी बदलाव आया है। विधानसभा चुनावों में इस पर खूब होहल्ला मचा था।

सूत्रों के अनुसार, त्रिपुरा, असम और बंगाल में बिचौलियों की भरमार है, जो बांग्लादेशियों को भारत में अवैध तरीके से बसाने और उनके लिए फर्जी कागजात बनाते हैं। इसके अलावा बंगाल से बांग्लादेश से लगने वाले 2272 किलोमीटर लंबे बॉर्डर में कई लूप होल हैं। पश्चिम बंगाल का मालदा, दिनेशपुर, छपली नवबादगंज, मुर्शिदाबाद और 24-परगना घुसपैठ के लिए बदनाम है। इसके अलावा हुगली नदी और जंगल के रास्ते से घुसपैठ होती है। सैफ के हमलावर शरीफुल इस्लाम ने छह माह पहले बॉर्डर किनारे बहने वाली दावकी नदी को पार करके भारत में घुसपैठ की थी। 22 जनवरी को हरियाणा के रेवाड़ी में 15 बांग्लादेशी पकड़े गए, जो 15 साल पहले भारत आए थे। फरवरी 2024 में आगरा से 40 बांग्लादेश घुसपैठिये पकड़े गए थे। रिपोर्टस के मुताबिक, बॉर्डर क्रॉस कराने वाले एजेंट हर बांग्लादेशी घुसपैठिए से चार से 15 हजार रुपये वसूलता है। फिर उन्हें नकली दस्तावेज और नौकरी के लिए अलग-अलग पैसे देने होते हैं। मुंबई पुलिस ने एक रैकेट का खुलासा किया था, जिसमें पता चला कि एजेंटों ने घुसपैठ से लेकर नौकरी दिलाने तक के रेट तय कर रखे हैं।

आप और कांग्रेस ने उतार दिए मुस्लिम प्रत्याशी, त्रिकोणीय मुकाबले में फंसी बल्लीमारान सीट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की हाई प्रोफाइल सीटों में पुरानी दिल्ली की बल्लीमारान सीट भी शामिल है। कभी कांग्रेस का गढ़ रही सीट अभी आम आदमी पार्टी के पास है। सीट की एक बड़ी खासियत यह है कि इस सीट से जीत दर्ज करने वाले विधायक को दिल्ली मंत्रिमंडल में जगह मिलती है। 2015 से इस सीट पर आप का कब्जा है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) आज तक यह सीट जीत नहीं सकी है, लेकिन इस बार भगवा दल ने कमल बागड़ी को उम्मीदवार बनाया है। बागड़ी युवा और निगम पार्षद हैं। वहीं कांग्रेस ने अपने पुराने चेहरे और पूर्व मंत्री हारुन यूसुफ पर फिर से दांव लगाया है। वहीं आप ने दिल्ली सरकार में मंत्री इमरान हुसैन को मौका दिया हैं।

इस सीट को जीतने के लिए तीनों दलों ने एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। जानकार मानते हैं कि सीट पर मुकाबला रोचक और त्रिकोणीय मुकाबले में फंसा हुआ है। यह सीट मुस्लिम बहुल है। मुस्लिम मतदाताओं की एकजुटता सीट पर जीत और हार तय करने में बड़ी भूमिका निभाती है। जानकारों का मानना है कि इस चुनाव में आप और कांग्रेस दोनों के उम्मीदवार मुस्लिम समुदाय से हैं। इसमें यदि मुसलमान वोटरों में बिखराव हुआ, तब इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। भाजपा भी मुस्लिम वोटों में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। कहा जा रहा है कि मुस्लिम वोटर जिसके पक्ष में लामबंद होते हैं, उसकी जीत की राह आसान हो जाएगी।

बल्लीमारान सीट पर मतदाताओं की कुल संख्या 153231 है। इसमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 83202 और महिला वोटरों की संख्या 70013 है। इस सीट पर थर्ड जेंडर भी 16 हैं। पिछले 2020 के चुनाव नतीजों में सीट पर आप उम्मीदवार इमरान हुसैन विजयी हुए। हुसैन को 64.87 फीसद यानी 65,612 वोट मिले। दूसरे स्थान पर भाजपा रही। भाजपा उम्मीदवार को 29.12 फीसद यानी 28,995 वोट और तीसरे स्थान पर रहने वाली कांग्रेस को 4.75 प्रतिशत वोट यानी 4797 वोट मिले। कांग्रेस ने इस बार अपना पूरा दम-खम लगा दिया है।

बल्लीमारान सीट पर 1993 से 2013 तक कांग्रेस का कब्जा रहा। सीट से कांग्रेस के यूसुफ लगातार जीत दर्ज करते आए लेकिन 2015 के चुनाव में आप ने पहली बार इस सीट से जीत दर्ज की। तब से यह सीट उसके पास है। घनी आबादी और तंग गलियों वाले बल्लीमारान के बाजार में दूर-दूर से लोग खरीदारी और कारोबार के लिए आते हैं। यहां जाम की समस्या आम बात है। सड़क किनारे पोलों पर लिपटे और लटके बिजली के तार यहां की खास पहचान हैं। जगह-जगह कूड़ा और कचरा भी समस्या है। लोग इसका प्रबंधन चाहते हैं।

सैफ पर हमला मामले में नया मोड़, आरोपी शहजाद के पिता का बयान, सीसीटीवी फुटेज में दिखा शख्स मेरा बेटा नहीं

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सैफ अली खान पर हमले मामले में एक बड़ा मोड़ आ गया है। जहां अभी तक सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा हो रही थी, वहीं अब आरोपी शहजाद के पिता ने भी चौंकाने वाला बयान दिया है। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी शहजाद के पिता रुहैल अमीन फकीर ने कहा है कि सैफ के घर में सीसीटीवी में जो संदिग्ध दिख रहा है वहां उनका बेटा नहीं है।

सैफ पर बीते गुरुवार की रात हुए हमले के बाद पुलिस ने कई संदिग्ध को पकड़कर दावा किया कि उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया है। घटना के दो दिन बाद पुलिस ने ठाणे के इलाके से मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद को गिरफ्तार किया। अब शहजाद के पिता का बयान सामने आया है, जो होश उड़ाने वाला है। शहजाद के पिता का नाम रुहैल है। उन्होंने बयान दिया है उससे पुलिस के दावे पलटते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सैफ पर हमले के बाद सीसीटीवी में जो दिखा वहां मेरा बेटा नहीं है।

एक मीडिया हाऊस ने उन्हें वॉट्सएप पर सीसीटीवी और उनके बेटे दोनों की तस्वीर भेजी, जिस पर उसके पिता ने दावा किया कि दोनों अलग-अलग हैं। अमीन का कहना ही कि पुलिस ने जो सीसीटीवी में फोटो दिखाई है वहां कोई और है। उन्होंने कहा, मैं उसका पिता हूं, अच्छे से देखने के बाद ही कह रहा हूं। सैफ के घर सीसीटीवी में दिख रहा संदिग्ध मेरा बेटा नहीं है। जो अरेस्ट हुआ है, वह मेरा बेटा है। रुहैल अमीन फकीर ने कहा, सीढ़ियो पर जो दिख रहा है वहां मेरा बेटा नहीं है। मैं उसका बाप हूं। जो सीसीटीवी में दिखा है, उसकी कद-काठी भी मेरे बेटे जैसे नहीं है। मैंने कई बार फोटो देखी है, अपने परिवार को भी दिखाया है।

हालांकि पुलिस का कहना है कि उन्होंने मामले में हर तरीके से जांच कर ली है और पूरी तरह से जांच-पड़ताल के बाद ही इस फैसले तक पहुंची है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने दावा किया है कि घटनास्थल से शरीफुल के 19 फिंगर प्रिंट्स मिले, जिनकी जांच करवाई जा रही है।

भारत में मतदाताओं की संख्या बढ़कर एक अरब के करीब पहुंची

नई दिल्ली। भारत में मतदाताओं की संख्या अब 99.1 करोड़ हो गई है, जो पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के समय 96.88 करोड़ थी। निर्वाचन आयोग ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस से पहले जारी एक बयान में कहा कि मतदाता सूची युवा और लैंगिक रूप से संतुलित दिखती है, जिसमें 18 से 29 आयु वर्ग के 21.7 करोड़ युवा मतदाता हैं और मतदाता लैंगिक अनुपात 2024 में 948 से छह अंक बढ़कर 2025 में 954 हो गया है। राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर साल 25 जनवरी को निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है, जिसकी स्थापना 1950 में हुई थी। दिल्ली विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के लिए 7 जनवरी को यहां संवाददाता सम्मेलन में मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था कि भारत जल्द ही एक अरब से ज्यादा मतदाताओं का नया रिकॉर्ड बनाएगा।

रहें सावधान... फिर आ रहा तेज सर्दी के साथ, बारिश और ओलावृष्टि का दौर

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूरज को देखकर फिर बादल घुमड़ने लगे हैं। कई दिनों से निकल रही धूप के बाद बारिश की दस्तक से ठंड का प्रकोप बढ़ने वाला हैं। पहले ही जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में सर्दी बढ़ने की आहट हो चुकी है। इधर, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा-पंजाब में शीतलहर के साथ पाला भी परेशान कर रहा है। इसमें से कई राज्यों में कोल्ड डे जैसी स्थिति बनी हुई है। अब फिर आईएमडी ने 24 जनवरी से लेकर सप्ताह के अंत तक कई राज्यों में बादल छाए रहने के साथ बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। दक्षिण भारत के तमिलनाडु में अगले 2 दिन तक आंधी के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जाहिर की गई है। आईएमडी आने वाले दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम में बदलाव की बात कर रहा है। मौसम विभाग ने बताया है कि 24 से लेकर 26 जनवरी तक बादलों की आवाजाही के साथ बारिश हो सकती है। कई राज्यों तेज हवाओं के साथ बारिश और बिजली कड़कने सहित ओलावृष्टि होने का अलर्ट है। केरल और तमिलनाडु में भी आगामी 3 दिन तक तेज आंधी तूफान के साथ भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट है। इधर, उत्तर भारत में कोहरे की धुंध के कारण बड़ी संख्या में ट्रेन और हवाई परिवहन बुरी तरह से प्रभावित है। कई ट्रेनों के विलंब से चलने और कईयों को रद्द कर दिय गया है।

आईएमडी के मुताबिक, एनसी ार के लोगों का अब अगले एक हफ्ते तक कोहरे औ तेज हवाओं का सामना करना पड़ेगा। इसकारण ठंड कर बढ़ जाएगी। 24 जनवरी को अधिकतम तापमा 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेलि यस रहने की संभावना है। 25 जनवरी को अधिक म तापमान 20 और न्यूनतम तापमान 9 डिग्री रहने ी संभावना है। 26, 27 और 28 जनवरी को ए सीआर में घना कोहरा छाया रहेगा। इस दिनों अधिक म तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री र ने की उम्मीद है। मौसम में बदलाव के कारण डॉक रों ने लोगों को सलाह दी कि वे लापरवाही ना बरतें।